WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश-विदेश 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | खेल/बिजनेस

रायपुर, रविवार, 13 जुलाई 2025 कृष्ण पक्ष- तृतीया, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 150 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

गुजरात में एक पुल टूटने पर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि वहां की भाजपा सरकार चंदा दो धंधा लो की नीति पर चल रही है। नतीजतन पुल भष्ट्राचार की भेंट चढ़ रहे हैं। बात सही है। कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों की भी जहां सरकारें हैं वहां भी यही गोरख धंधा चल रहा है। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आये केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने भाजपाइयों को सचेत किया है कि वे ठेकेदारों से दूर रहे, वरना उनकी ठठरी बंधते देर नहीं लगेगी। ठेकेदारों से दूरी मतलब कमीशन खोरी बंद, भूखे पेट तो साधु भी भजन नहीं करते फिर ये तो नेता हैं।

छोटे व्यापारियों को मिलेगा प्रोत्साहन

दस साल से अधिक लंबित 25 हजार तक की वैट देनदारियां होंगी खत्म

- **छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक के प्रारूप का भी अनुमोदन**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय आसानी से करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार छोटे व्यापारियों के 10 साल से अधिक लंबित पुराने मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत जीएसटी प्रावधानों में भी कई संशोधन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया गया है। इन दोनों विधेयकों को विधानसभा के मानसून सत्र में पटल पर रखा जाएगा। 10 साल से अधिक पुराने 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने से राज्य के लगभग 40 हजार से अधिक व्यापारियों को फायदा मिलेगा। इसके साथ ही 62 हजार से अधिक मुकदमों के मामले भी कम हो जाएंगे।

- **40 हजार से अधिक व्यापारियों को मिलेगा लाभ**
- **62 हजार से अधिक मामलों में मुकदमेबाजी कम होगी**
- **छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर संशोधन विधेयक का प्रारूप हुआ अनुमोदित**

पूर्व डिपॉजिट राशि को 20 ' से घटाकर 10 ' किया

ऐसे पेनाल्टी की राशि जिनमें टैक्स की डिमांड सम्मिलित नहीं होती है, उन प्रकरणों में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक पूर्व डिपॉजिट 20 प्रतिशत राशि को घटाकर 10 ■ शेष पृष्ठ 6 पर

व्यापारियों को इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस में आसानी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया। इस प्रारूप में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। किए गए प्रस्ताव के अनुसार इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा आईजीएसटी में लिए गए आरसीएम का वितरण भी अब अपने ब्रांच ऑफिस में किया जा सकेगा। इससे जीएसटी अधिनियम में विसंगति को दूर करने में मदद मिलेगी और व्यापारियों को इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत कारोबार करने में आसानी होगी।

- **डिमेरिट गुड्स जैसे तंबाकू उत्पाद के लिए ट्रेस एंड ट्रैक मैकेनिज्म लागू किया गया**
- **निर्माण से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक विक्रय के सप्लाई चेन की निगरानी**
- **फिजिकल मूवमेंट के बिना कई बार क्रय-विक्रय संव्यवहार किया जाता है, ऐसे संव्यवहारों को जीएसटी की परिधि से बाहर रखने के लिए संशोधन लाया गया है, जिससे विशेष आर्थिक क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके।**

विधानसभा में पेश होगा विधेयक छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र

छतीसगढ़ की राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई, चरौदा और कुम्हारी को मिलाकर स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) बनाये जाने का रास्ता साफ हो गया है। एससीआर के विकास के लिए संबंधित प्राधिकरण की स्थापना के लिए साय सरकार विधानसभा के आगामी सत्र में विधेयक लेकर आ रही है। मंत्रालय में आज हुई कैबिनेट में सरकार ने विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दी गई।

रायपुर, दुर्ग-भिलाई और नया रायपुर अटल नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए इस क्षेत्र के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह प्राधिकरण काम करेगा। यह प्राधिकरण राजधानी क्षेत्र के लिए योजना बनाना, निवेश को बढ़ावा देना, विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के बीच समन्वय तथा शहर के विस्तार को सही ढंग से नियंत्रित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

विधायक खुशवंत साहेब पर हमला

- **कार के शीशे टूटे, बाल-बाल बचे विधायक**

बेमेतरा/नवप्रदेश । सतनामी समाज के गुरु एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब के काफिले पर असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, विधायक नवागढ़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रायपुर लौट रहे थे। इस दौरान बेमेतरा से रायपुर बायपास पर भोईनाभांठा के बीच अचानक खुशवंत साहेब की गाड़ी पर जमकर पत्थरबाजी की गई। इस घटना में विधायक की कार के सामने के शीशे टूटे हैं।

घटना के तुरंत बाद विधायक के पर्सनल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। विधायक गुरु खुशवंत सुरक्षित हैं, लेकिन इस हमले ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद विधायक गुरु खुशवंत बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के निवास पहुंचे हैं, जहां बेमेतरा एसपी रामकृष्ण साहू से बातचीत कर रहे।

हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमला किसने और किन कारणों से किया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है, वहीं सतनामी समाज के लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है।

'क्यूआर कोड' दिखाने के कथित निर्देश को सुको में चुनौती

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों को मालिकों की जानकारी हासिल करने के लिए कथित तौर पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष 'कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से नौ अगस्त के बीच निर्धारित है।

स्वाति मालीवाल से मारपीट, बिभव को कोर्ट से राहत

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए रहे बिभव कुमार को बड़ी राहत मिली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने आप सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के मामले में आरोपी बिभव कुमार को विदेश जाने की इजाजत दे दी है। तीस हजारी कोर्ट ने बिभव कुमार को अगस्त में अपने परिवार के साथ छुट्टी मनाने के लिए श्रीलंका जाने की मंजूरी दे दी। अदालत ने कहा कि आरोपी का यह न सिर्फ अधिकार है, बल्कि अपने परिवार के प्रति उसका कर्तव्य भी है कि वह अपने परिवार के साथ छुट्टी पर जाए।

बिहार में 80% मतदाताओं के गणना-फार्म प्राप्त हो चुके हैं: आयोग

नयी दिल्ली (वार्ता)। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि वह बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत लगभग सभी मतदाताओं के साथ सीधा संपर्क स्थापित कर उनके पास गणना-फार्म पहुंचा चुका है और 80.11 प्रतिशत मतदाता अपने गणना फॉर्म जमा कर चुके हैं। आयोग ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा कि उसके एककृत डिजिटल ऐप ईसीआईनेट में गणना-फार्मों के सत्यापन का नया मॉड्यूल पूरी तरह से सक्रिय हो गया है।

गाजा में मारे गये 800 लोग :यूएन

जिनेवा (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने कहा है कि गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पाने की कोशिश में लगभग 800 लोग मारे गए हैं। जिनेवा में एक प्रेस वार्ता में शुक्रवार को ओएचसीएचआर की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने कहा कि 7 जुलाई तक, ओएचसीएचआर ने गाजा में सहायता वितरण क्षेत्रों में 798 हत्याओं को दर्ज किया है।

नासा में भारत का परचम लहराएगा दिव्यांश

- **अमेरिका के लिए भरेगा उड़ान**

करनाल (आईएएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अपना आइडल मानने वाला करनाल का दिव्यांश नासा के लिए उड़ान भरने वाला है। दिव्यांश का चयन अमेरिका के प्रतिष्ठित यूनाइटेड स्पेस स्कूल के लिए हुआ, जहां वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

अमेरिका के फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल स्पेस एजुकेशन की ओर से हर साल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें चयनित होने वाले छात्रों को नासा वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और इंजीनियरों के मार्गदर्शन में अंतरिक्ष मिशन की शिक्षा दी जाती है। इस साल कार्यक्रम में 25 देशों के 44 विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है, जो मिलकर मंगल ग्रह पर मानव मिशन की रूपरेखा तैयार करेंगे। कार्यक्रम के लिए भारत से हजारों छात्रों ने आवेदन किया, लेकिन सिर्फ दो छात्रों का चयन हुआ, जिसमें से एक दिव्यांश कौशिक हैं। अमेरिका जाने से पहले दिव्यांश कौशिक

के लिए करनाल के स्कूल में सम्मान समारोह रखा गया। इसमें करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता मौजूद रहीं। दिव्यांश का सपना एरोनॉटिकल इंजीनियर बनने का है और इस चयन ने उनके सपनों को नई ऊंचाइयां दी हैं। दिव्यांश ने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं। यूनाइटेड स्पेस स्कूल में आने वाले छात्रों से बात हुई है। हम सब एक-दूसरे से मिलने के लिए उत्साहित हैं। दिव्यांश ने जानकारी दी कि यूनाइटेड स्पेस स्कूल में स्पेस एजुकेशन के बारे में पढ़ाई के साथ ट्रेनिंग होगी। कुछ अध्ययन भी कराए जाएंगे। शुभांशु शुक्ला को लेकर दिव्यांश ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री के साथ उनका (शुभांशु शुक्ला) इंटरव्यू देखा। वे मेरे आइडल बन चुके हैं। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आयुष में एआई समावेश पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को सराहा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से आयुष (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एकीकृत करने में भारत के अग्रणी प्रयासों को स्वीकार किया है। इसकी जानकारी आयुष मंत्रालय ने दी। डब्ल्यूएचओ ने अपने तकनीकी विवरण पारंपरिक चिकित्सा में एआई में भारत के इन प्रयासों को प्रमुखता से उजागर किया है, जो पारंपरिक चिकित्सा में डिजिटल तकनीकों के उपयोग को दर्शाता है। मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से मिले प्रस्ताव के बाद हमारे प्रयासों को सराहा गया है। हमारे प्रस्ताव के परिणामस्वरूप डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग के लिए पहला रोडमैप तैयार किया।

निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सरकार का जोर: पीएम मोदी

नयी दिल्ली (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनिर्माण क्षेत्र को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा है कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर भी जोर दे रही है।

मोदी ने शनिवार को यहां वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद यह बात कही। इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा, आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर है। मैन्युफेक्चरिंग में बहुत बड़ी संख्या में नई जॉब्स बन रही हैं। मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए इस वर्ष के बजट में मिशन मैन्युफेक्चरिंग की घोषणा की गई है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे देखते हुए सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर अच्छा खासा जोर दे रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम रोजगार प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

लोकतंत्र और युवा आबादी को भारत की असीमित शक्ति बताते हुए मोदी ने कहा, आज 51 हज़ार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों नौजवानों को भारत सरकार में परमानेंट जॉब मिल चुकी है। अब ये नौजवान... राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं । आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियाँ हैं। एक डेमोग्राफी, दूसरी डेमोक्रेसी। यानि सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र।' उन्होंने कहा कि स्टार्टअप और अनुसंधान का एक सिस्टम मिलकर युवाओं का सशक्तिकरण कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, स्टार्ट अप्स, इनोवेशन और रिसर्च का जो इकोसिस्टम आज देश में बन रहा है... वो देश के युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को सबसे अधिक समानता वाले देश की श्रेणी में रखा गया है। 'इस रिपोर्ट में कहा गया है... बीते दशक में भारत के 90 करोड़ से अधिक नागरिकों को वेलफेयर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा - गरम

छोड़ आए 'लाल' गलियारा

सभी नक्सली डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया के सक्रिय सदस्य

एक करोड़ 18 लाख के 23 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सतीश चांडक

सुकमा/नवप्रदेश। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीति रंग ला रही है। कलेक्टर एलेक्सपाल मेनन के अपहरण में शामिल नक्सली समेत कुल 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वाले माओवादियों में आठ हार्डकोर इनामी नक्सली शामिल हैं।

9 महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली- आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल एक करोड़ 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली हैं। ये सभी डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया जैसे सक्रिय संगठनों से जुड़े थे। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

हिड़मा का गनमैन कलमू केसा भी शामिल है

केसा हिड़मा के साथ करेंगुट्टा की पहाड़ी में भी शामिल था। जब करेंगुट्टा की पहाड़ी में नक्सलियों को चारों तरफ से घेर लिया गया था तब वो हिड़मा के साथ शामिल था केसा ने बताया कि वह उसे वक्त 300 नक्सलियों के साथ करेंगुट्टा में शामिल था जिसमें हिड़मा, देवा और चंद्रन्ना जैसे बड़े लीडर भी शामिल थे। जब पुलिस ने चारों तरफ से सभी को घेर लिया और समझ आया कि अब नक्सली वहां से नहीं बच सकेंगे तो सभी नक्सली हिड़मा और देवा सहित बाकी नक्सली वहां से भाग निकलने में सफल हुए इस तरीके से केसा ने बताया कि करेंगुट्टा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अब तक 427 से ज्यादा नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार आने के बाद अब तक 427 नक्सली मारे गए हैं। पिछले डेढ़ साल में एक हजार 428 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सीएम विष्णुदेव साय ने बताया कि अब तक 205 मुठभेड़ में 427 नक्सली मारे गए हैं। इनमें सवा तीन करोड़ के इनामी नक्सली बसवराजू, एक करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर और कई राज्यों में एक करोड़ से ज्यादा का इनामी भास्कर भी शामिल है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने ट्वीट कर लिखा कि-हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

टेकऑफ के दौरान कोई पायलट स्विचों से छेड़छाड़ नहीं करता : एविएशन एक्सपर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। एविएशन एक्सपर्ट मार्क मार्टिन ने एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 की दुर्घटना पर अपनी राय दी है। यह बोइंग ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक यात्री को छोड़कर सभी की जान चली गई थी। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 के हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट पर एविएशन एक्सपर्ट मार्क मार्टिन ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत की। उन्होंने बताया कि कोई भी पायलट इतना बेवकूफ या लापरवाह नहीं होता कि टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान, जब पूरा ध्यान सामने लगे उपकरणों पर होता है, तब कॉकपिट के बीच वाले हिस्से में लगे स्विचों से छेड़छाड़ करे।

एशिया की एविएशन सेफ्टी कंपनी मार्टिन कंसल्टिंग के सीईओ मार्क मार्टिन ने कहा कि किसी भी पायलट के लिए उड़ान के दौरान टेकऑफ और लैंडिंग सबसे अहम समय होते हैं। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि टेकऑफ के दौरान पायलट का पूरा ध्यान फ्लाइट इंस्ट्रूमेंट्स और विमान को मैन्यूअली उड़ाने पर होता है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अमरनाथ यात्रियों का नया जत्था जमू से रवाना...

जम्मू(वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 6639 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को 'बम बम भोले' के जयकारों के बीच यहां भगवती नगर स्थित यात्री निवास से पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री 275 वाहनों के बेड़े में यह जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने बताया, "सुबह 6639 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू आधार शिविर से कश्मीर स्थित श्री अमरनाथ यात्रा गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ।" हल्के और भारी वाहनों सहित 275 वाहनों के बेड़े में 4302 तीर्थयात्री पहलगाम और 2337 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को यहां से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए इस वर्ष 03 जुलाई से वार्षिक यात्रा शुरू हुई और यह 09 अगस्त तक चलेगी। यह यात्रा कुल 38 दिनों की होगी।

कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत करें मुस्लिम समुदाय के लोग : शहाबुद्दीन रजवी

बरेली(आईएएनएस)। मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय

अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि कावड़ यात्रा शुरू हो गई है। ऐसे में मुस्लिम लोग जहां-जहां से कांवड़ यात्रा निकले उस रास्ते पर पुष्प वर्षा करें। पानी पिलाकर स्वागत करें। शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि सावन का महीना और कांवड़ यात्रा भी शुरू है। हमारी यह इच्छा है कि यह अच्छे से संपन्न हो। इससे पहले मोहर्रम और बकरा ईद के त्योहार बहुत शानदार तरीके से सम्पन्न हो चुके हैं। सरकार की गाइडलाइंस पर अमल करते हुए सभी लोगों ने अपने जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दिया। मौलाना ने कहा मुस्लिम त्योहारों के दौरान पुलिस व प्रशासन की व्यवस्थाएं चुस्त और दुरुस्त रही। हमें उम्मीद है कि अब कांवड़ के दिनों में भी व्यवस्थाएं अच्छी रहेगी। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसमें लंबा सफर और काफी समय लगता है। इसलिए कहीं रास्ते में कोई घटना न हो और कोई विवाद उत्पन्न न हो, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। मौलाना ने कहा कि 32 साल पुराना जोगी नवादा बरेली का विवाद पुलिस व प्रशासन ने सुलझा दिया।

मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना संभव नहीं: अमित शाह

केन्द्रीय मंत्री ने दिवंगत केजी मरार की आवक्ष कांस्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

तिरुवनंतपुरम। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल में थे। यहां उन्होंने तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए केरल में सरकार बनाने के लिए 2026 का केरल विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

उन्होंने कहा कि कई अन्य राज्यों की तरह भाजपा तमिलनाडु में भी सरकार बनाएगी।

उन्होंने कहा कि अगर जनता केरल में बदलाव चाहती है तो एलडीएफया यूडीएफके बजाय बदलाव लाने के लिए राजग और भाजपा को वोट दें।

केरल में पार्टी के नए प्रदेश कमेटी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद अमित शाह ने पुथरीकंदम मैदान में वार्ड स्तरीय नेतृत्व बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबंधित करने से पहले पार्टी के 'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' और 'मोटो' भी जारी किया।

एलडीएफ, यूडीएफ सरकारों ने केरल को राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए पनाहगाह बना दिया

अमित शाह ने केरल में अपने विरोधियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि एलडीएफ यूडीएफ सरकारों ने केरल को राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए पनाहगाह बना दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना संभव नहीं है। केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण पार्टी कार्यालय को विकसित केरल का केंद्र बनाना है।

अमित शाह का केरल दौरा क्यों महत्वपूर्ण?

केंद्रीय गृह मंत्री ने इस वर्ष होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले भाजपा की प्रदेश कमेटी के नए कार्यालय 'मरारजी भवन' का उद्घाटन किया।

केंद्रीय गृह मंत्री शुक्रवार देर रात केरल पहुंचे और

भाजपा की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत केजी मरार की आवक्ष कांस्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। केजी मरार की आवक्ष प्रतिमा को नए भवन के केंद्रीय कक्ष में स्थापित किया गया है।

शिवकुमार के बयान से सियासी भूचाल कुर्सी ढूंढ़ना मुश्किल, मौका मिलते ही बैठ जाओ

बेंगलूरू। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों 'कुर्सी' हर किसी की जुबान पर है। जिसे देखो वही इसी पर बात कर रहा है, कोई कह रहा है कि डीके शिवकुमार को सीएम बनना चाहिए तो वहीं कोई सिद्धारमैया को सीएम बने रहते देखना चाहता है। हालांकि खुद शिवकुमार या सिद्धारमैया खुलकर इस मसले पर कुछ नहीं बोल रहे उल्टा सरकार चलाने में वे किसी भी तरह से मतभेद से इनकार करते रहते हैं, लेकिन आज बोलते-बोलते राज्य के डिप्टी सीएम 'कुर्सी' पर कुछ ऐसा बोल गए कि राज्य में सियासी भूचाल खड़ा हो गया। बैंगलोर बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित नादप्रभु केम्पेगौड़ा जयंती समारोह के उद्घाटन के मौके पर शिवक्ह्यह्यु मार की सीएम पद को लेकर टीस उभर आई और उन्होंने कहा कि कुर्सी ढूंढना मुश्किल है। जब आपको कुर्सी मिल जाए, तो आपको आकर उस पर ऐसे बैठना होगा कि फिर उठे ही ना। अब उनके इस बयान ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलों को और हवा दे दी है।

डीके शिवकुमार ने बार एसोसिएशन को समर्थन देने के लिए कई योजनाओं की भी घोषणा की इसमें केम्पेगौड़ा के नाम पर 10 एकड़ भूमि का आवंटन, वित्तीय अनुदान और वार्षिक पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के विकास के लिए ग्रेटर बैंगलोर अथॉरिटी (जीबीए) से 5 करोड़ रुपये, केम्पेगौड़ा जयंती समारोह के लिए सालाना 5 लाख रुपये दिए जाएंगे और हर साल दो वकीलों को केम्पेगौड़ा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

शिवकुमार ने इशारों-इशारों में कह दी बड़ी बात

डीके शिवकुमार शुक्रवार को बैंगलोर बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित नादप्रभु केम्पेगौड़ा जयंती समारोह के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यहां अपने संबोधन के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। शिवकुमार ने वहां उपस्थित वकीलों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं देख रहा हूं कि यहां बहुत सारी कुर्सियां खाली पड़ी हैं, इसके बावजूद कई वकील खड़े हैं। जबकि हम सभी एक कुर्सी खोजने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। यहां बहुत सी कुर्सियां हैं, आकर बैठ जाइए। कुर्सी ढूंढ़ना मुश्किल है। जब मौका मिले तो आपको आकर इस पर बैठ जाना चाहिए। उसे खाली नहीं छोड़ना चाहिए। शिवकुमार ने आगे कहा कि आप लोगों को देख कर लगता है कि आप त्यागी(बलिदानी) हैं।

'यूरोपीय संघ रूस-यूक्रेन युद्ध को चाहता है लम्बा खींचना'

मॉस्को(वार्ता)। यूक्रेन में विपक्ष के नेता विक्टर मेदवेदचुक ने यूरोपीय संघ की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि उसका निहित स्वार्थ यूक्रेन में युद्ध को लम्बा खींचने में है और वह अमेरिका को रूस के साथ व्यापार युद्ध में भी घसीट रहा है।

मेदवेदचुक ने एक बयान में कहा, "यूरोपीय संघ का नेतृत्व, साथ ही संघ के कई देशों का नेतृत्व, सत्ता बनाए रखना चाहता है और इसलिए, एक साझा दुश्मन की आवश्यकता है। यही कारण है कि यूरोप के कई राजनेता यूक्रेन संघर्ष को जारी रखने में रुचि रखते हैं।"

डोभाल के बयान से पाक बौखलाया, अंतर्राष्ट्रीय नियमों की दे रहा दुहाई

इस्लामाबाद। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर दिए गए बयान से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। डोभाल ने शुक्रवार को पहली बार पाकिस्तान की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाया और इस दौरान एक भी चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मात्र 23 मिनट में पूरा हुआ और इसका आधार पूरी तरह खुफिया जानकारी थी।

अब पाकिस्तान के हुक्मरान भारतीय एनएसए के इस खुलासे पर बौखला गए हैं। दरअसल, डोभाल ने विदेशी मीडिया को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर भारत को नुकसान पहुंचा है, तो एक भी फोटो, एक भी सैटेलाइट इमेज दिखा दें। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो तो बताएं। हम जानते थे कौन कहां है और हमने उसी जगह को निशाना बनाया। हमसे कोई चूक नहीं हुई। डोभाल के इस बयान के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डोभाल के बयान को 'तोड़फोड़ और झूठ से भरा हुआ' करार दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया।

राधिका हत्याकांड : आरोपी पिता 14 दिन की हिरासत में

गुरुग्राम(आईएएनएस)। नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपी पिता दीपक यादव को शनिवार को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी पिता दीपक को भोंडसी जेल में रखा जाएगा।

इससे पहले दीपक यादव ने अपनी बेटी राधिका की हत्या करने का जुर्म कबूल किया था, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने कोर्ट से एक दिन की रिमांड की अनुमति ली। घटनास्थल से गुरुवार को पुलिस ने राधिका के पिता को पकड़ा था। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को आरोपी दीपक को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया।

गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित सुशांत लोक फेज-2 में 25 वर्षीय बेटी राधिका यादव की हत्या हुई थी, जिसमें उनके पिता को आरोपी पाया गया। पुलिस की

प्राथमिक जांच में पता चला कि बेटी राधिका यादव के टेनिस एकेडमी चलाने से उनके पिता दीपक यादव नाराज थे। कथित तौर पर दीपक ने कई बार टेनिस अकादमी बंद करने के लिए कहा, लेकिन बेटी राधिका यादव नहीं मानी। इस पर पिता ने गोली मारकर बेटी की हत्या कर दी। हालांकि, राधिका के कोच रहे अंकित पटेल इस घटना पर कहते हैं, ÷इस तरह कोई भी किसी को नहीं मार सकता है। ऐसी घटनाएं बिल्कुल भी स्वीकार नहीं हैं

सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों को गिरफ्तार कर हथियार बरामद

इंफाल(वार्ता)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान के दौरान शुक्रवार को उग्रवादियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किये हैं। पुलिस ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्वी जिले के मफौ डैम पुलिस थाने के अंतर्गत इथम गांव से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। बरामद किए गए सामान में एक 12-बोर एकल बैरल गन, दो राउंड .32 कैलिबर गोला-बारूद, दो हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल के साथ मैगज़ीन, एक कारतूस, दो ट्यूब लॉन्चर, एक चार्जर के साथ वायरलेस सेट, और दो डिटोनेटर शामिल हैं। इंफाल पश्चिम जिले के सेकमाई थाना क्षेत्र के महाराबी से एक प्रतिबंधित भूमिगत संगठन के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया है।

हम झुग्गियां बचाने के लिए विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेंगे : आतिशी

नई दिल्ली(आईएएनएस)। आम आदमी पार्टी ने मटियाला विधानसभा स्थित नंगली डेयरी की झुग्गियां तोड़ने की तैयारी कर रही दिल्ली सरकार पर आरोप लगाए हैं। 'आप' की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि मद्रासी कैंप, जेलरवाला बाग, भूमिहीन कैंप तोड़ने के बाद दिल्ली सरकार की नजर अब नंगली डेयरी की झुग्गियां पर पड़ गई है। भाजपा की एमसीडी ने झुग्गियों में नोटिस लगा दिया है और पांच दिन में कागज नहीं दिखाने पर झुग्गियों पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले

भाजपा के नेताओं ने इन झुग्गियों में रात्रि प्रवास किया था और जहां झुग्गी-वहां मकान का कार्ड दिया था। लेकिन सरकार में आते ही भाजपा लगातार गरीबों की झुग्गियां तोड़ रही है। आम आदमी पार्टी इन गरीबों के साथ खड़ी है। हम झुग्गियां बचाने के लिए विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेगे।

अंतरिक्ष अनुसंधान | भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है, वह पहले भारतीय हैं जो आईएसएस पर गए

जल्द घर लौटेंगे शुभांशु शुक्ला, 7 दिन का रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम तय

नई दिल्ली। भारत के गगनयात्री और वायुसेना के ग्रु प कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को अंतरिक्ष से धरती पर लौट सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया है कि शुभांशु अभी पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनका मनोबल भी ऊंचा है। शुक्ला इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं और 14 दिन के अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि वह पहले भारतीय हैं जो आईएसएस पर गए।

इसरो के अनुसार, शुभांशु शुक्ला अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों और A&iom स्पेस के सहयोग से चल रहे एक्सिओम मिशन का हिस्सा हैं। वे 14 जुलाई को अपने तीन सहयोगियों - पेगी व्हिटसन, स्लावोस वुजनस्की और टिबोर कापू के साथ ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर वापसी करेंगे।

यह यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में लैंड करेगा।

15 जुलाई को दोपहर 3 बजे पहुंचेगे

इसरो ने बताया कि शुभांशु के लौटने के बाद उन्हें 7 दिनों के रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) कार्यक्रम से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया उन्हें पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुसार ढालने के लिए की जाएगी। इस दौरान ISRO के फ्लाइट सर्जन उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की नियमित निगरानी करेंगे। स्प्लैशडाउन 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे होगा।

अपने मिशन के दौरान शुभांशु ने माइक्रोग्रैविटी में सात वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया। इनमें से चार पूरी तरह सफल रहे और तीन अंतिम चरण में हैं। पूरे मिशन के लिए इसरो, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और NASA ने मिलकर इन प्रयोगों को डिजाइन किया था। ये प्रयोग भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों, गगनयान और संभावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आधार तैयार करेंगे।

अपने 18 दिन के अंतरिक्ष प्रवास के दौरान शुभांशु ने माइक्रोएल्गी, ब्रेन एक्टिविटी, आंखों की गति और मनोवैज्ञानिक प्रयोगों पर काम किया। माइक्रोएल्गी भविष्य के मिशनों में भोजन, ऑक्सीजन और जैव-ईंधन के रूप में उपयोगी हो सकते हैं। उन्होंने वॉयेजर डिस्प्ले, सेरेब्रल ब्लड फ्लो और फोटॉनग्रेव नामक प्रयोगों के जरिए यह समझने की कोशिश की कि माइक्रोग्रैविटी में शरीर और मन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

न्यूज गैलरी

रायन इंटरनेशनल के विद्यार्थियों ने किया वृक्षारोपण

रायपुर/नवप्रदेश। रायन इंटरनेशनल शाला के विद्यार्थियों द्वारा ऑसीजोन में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षों की आवश्यकता और उसके महत्व से आज हम सब वाकिफहै। इसी दिशा में अपने पर्यावरण को स्वच्छ तथा हरा - भरा बनाये रखने के लिए रायन शाला के विद्यार्थियों द्वारा ये पहल की गई। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा गुलमोहर, कटहल, अमरुद, मुनगा आदि तरह - तरह के वृक्ष लगाकर बच्चों ने प्रकृति को हरियाली से परिपूर्ण बनाए रखने की जागरूकता दिखाई। इस अवसर पर शालेय विद्यार्थियों द्वारा वृक्षों की मनमोहकता से संबंधित गीत गाकर वृक्षों का गुणगान किया गया। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने एवं सुरक्षित रखने के लिए जनजागरूकता की अनूठी मिसाल रायन शाला के बच्चों द्वारा क़ायम की गई।

लेजर तकनीक से किया बवासीर व भगंदर का इलाज

रायपुर/नवप्रदेश। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के जनरल सर्जरी विभाग में लेजर इन बिनाइन प्रोक्टोलॉजी (गुदा संबंधी सौम्य रोगों में लेजर तकनीक) विषय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक लाइव वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में आधुनिक चिकित्सा तकनीक को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत कर रोगियों को राहत दिलाने का उद्देश्य सफ्लतापूर्वक साकार किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंजू सिंह, विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी विभाग ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संतोष सोनकर ने इस आयोजन को संस्थान के लिए एक मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ सर्जनगण- डॉ. संदीप चंद्राकर, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. नरेंद्र नरसिंह, डॉ. एस. एल. निराला, डॉ. राजेन्द्र रात्रे, डॉ. सरिता दास, डॉ. मनीष साहू, डॉ. सौमित्र दुबे, डॉ. अंजली जलान एवं डॉ. प्रेक्षा जैन उपस्थित रहे। इनकी गरिमामयी उपस्थिति और चिकित्सकीय अनुभवों ने आयोजन को और भी समृद्ध बनाया।

बिल्डर बाप और बेटे पर 420 का मामला दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश । आजाद चौक पुलिस ने पुरन्दर प्रमोटर्स एवं डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के पाम वलाजियो प्रोजेक्ट के बिल्डर पिता-पुत्र मुकेश अग्रवाल व सुरेश अग्रवाल एवं अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में धारा 420, 34 के तहत केस दर्ज किया है। चौबे कॉलोनी निवासी प्रकाश की ओर से की गई शिकायत पर एफआईआर की गई है। मामला रिपोर्टकर्ता एवं उनके परिचित की जमीन को फर्जी विक्रय विलेख तैयार करके अपना बताते हुए आरोपियों द्वारा अपने प्रोजेक्ट के बदले नगर निगम में बंधक रख दिए जाने का है। रिपोर्ट के मुताबिक पुरन्दर प्रमोटर्स एवं डेवलपर्स के डायरेक्टर मुकेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल एवं अन्य द्वारा सड्डू स्थित प्रार्थी की 60 हजार वर्गफीट जमीन को अक्टूबर 2017 में जॉइंट वेंचर के माध्यम से डेवलप करने तथा बदले में मकान, फ्लैट, रकम बतौर प्रतिफल देने सहमति बनी थी. उक्त जमीन नगर निगम रायपुर में अंतरण किया जाना था. आठ जून 2018 को मुकेश अग्रवाल की कंपनी व रिपोर्टकर्ता के मध्य इकरारनामा हुआ। नवंबर 2017 से 26-09-2019 तक अलग-अलग किस्तों में 2 करोड़ 70 लाख 64,220 रुपए दिए गए. एफआईआर में जानकारी दी गई है कि 2021 तक उक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई भी कार्य नहीं किया गया।

महाराष्ट्र मंडल में 10अगस्त को नगर स्तरीय अंताक्षरी स्पर्धा

रायपुर /नवप्रदेश । महाराष्ट्र मंडल की नगर स्तरीय अंताक्षरी स्पर्धा रविवार, 10 अगस्त को आयोजित की जा रही है। मंडल की खूलकूद समिति और कला व संस्कृति समिति की ओर से आयोजित की जाने वाली यह प्रतियोगिता इस बार एक दिवसीय होगी। मंडल की उपाध्यक्ष और खेलकूद समिति की समन्वयक गीता दलाल ने बताया कि गत वर्ष अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा के साथ सोलो सांग कंपिटिशन होने के कारण यह आयोजन दो दिवसीय था। इस बार एक दिवसीय अंताक्षरी स्पर्धा में 30 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रत्येक टीम में चार खिलाड़ी होंगे। अंताक्षरी में दिलचस्पी रखने वाले खिलाड़ियों के पास यदि टीम नहीं है, तो भी वे अपने नाम का पंजीयन करवाकर स्पर्धा में शामिल हो सकते हैं। आयोजन समिति ऐसे अन्य प्रतिभागियों को मिलाकर रेंडम टीमें बनाएगी। आयोजन समिति की सह संयोजिका मालती मिश्रा के मुताबिक 30 टीमों के बीच पांच राउंड के मैच होंगे। सभी राउंड में छह टीमें होंगी। हर राउंड में छह स्लाट के माध्यम से स्पर्धा होगी।

लागत 7.02 रुपए जबकि न्यूनतम घरेलू दर मात्र 4.10 रुपए

नई बिजली दरें संतुलित, ग्रामीण-आदिवासी सभी के लिए हितकारी तथा विकासपरक

- औसतन घरेलू दर में मात्र 10 से 20 पैसे तक वृद्धि
- गत वर्ष की तुलना में 1.89 प्रतिशत नाममात्र वृद्धि

रायपुर/नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा आज छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण कंपनी लिमिटेड तथा छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु विद्युत दरों का अनुमोदन किया गया। वितरण कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर ने बताया कि समेकित रूप से विद्युत दर में विगत वर्ष की तुलना में मात्र 1.89 प्रतिशत की वृद्धि की गई है जो नगण्य है। कृषि उपभोक्ताओं के लिए कुछ मदों में दर वृद्धि की गई है जिसका भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाता है, अतः इससे कृषि उपभोक्ताओं को किसी भी तरह का अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा। इसके अलावा अस्थायी कनेक्शनों, आदिवासी अंचलों, मुरमुरा-पोहा उद्योगों, प्रिंटिंग प्रेस आदि के लिए रियायतें बढ़ाई गई है या यथावत् रखी गई है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी को विद्युत की लागत 7 रू. 2 पैसे पड़ती है जबकि घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 4 रू. 10 पैसे की दर से विद्युत आपूर्ति की जाती है। नई विद्युत दरों की कुछ विशेषताओं को उल्लेखित किया गया है। निम्न मध्यम वर्ग के घरेलू उपभोक्ताओं के विद्युत दरों में 10 पैसे प्रति यूनिट एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। गौशाला, शासन द्वारा अधिसूचित बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में आने वाले स्टे-होम्स में प्रयुक्त होने वाली विद्युत पर घरेलू विद्युत दर लागू करने हेतु घरेलू उपभोक्ता श्रेणी में सम्मिलित किया गया है। घरेलू उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है।

राज्य शासन द्वारा अधिसूचित वाम चरमपंथी प्रभावित जिलों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु मोबाईल टॉवर की स्थापना को प्रोत्साहित करने हेतु इन क्षेत्रों में आने वाले सभी मोबाईल टॉवरों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। कृषि पम्पों के लिए विद्युत की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। कृषि पंपों के विद्युत देयकों का भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाता है, अतः यह भार राज्य शासन स्वयं वहन करेगा। गैर घरेलू उपभोक्ताओं की विद्युत दरों में 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है एवं इसी श्रेणी के अंतर्गत लिए गए अस्थाई कनेक्शन पर भी नार्मल टैरिफ का 1.5 गुना टैरिफ के स्थान पर नार्मल टैरिफ का 1.25 गुना टैरिफ लागू किया गया है। गैर सबसिडी वाले कृषि विद्युत पंप वाले उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। किसानों को खेतों में लगे विद्युत पम्पों और खेतों की रखवाली के प्रयोजनार्थ पम्प कनेक्शन के अंतर्गत वर्तमान में पम्प के समीप 100 वॉट के भार उपयोग की सुविधा प्रभावशील है। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा 100 वॉट तक लाईट एवं पंखे की स्वीकृति जारी रखी गई है।

7.02 प्रति यूनिट निर्धारित किया

पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए निम्न दाब इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग इकाईयों हेतु इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू.7.02 प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। उच्च दाब उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग की टैरिफ को औसत विद्युत लागत के बराबर अर्थात् रू. 6.32 प्रति केव्हीएएच निर्धारित किया गया है। नियामक आयोग द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु पंजीकृत महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संचालित उद्योग संबंधी गतिविधियों और व्यवसायिक गतिविधियों को ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट जारी रखी गई है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्रधिकरण तथा सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण में संचालित अस्पताल, नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए प्रचलित विद्युत दरों के ऊर्जा प्रभार में दी जा रही 5 प्रतिशत की छूट को जारी रखा गया है।

कांग्रेस ने लोकतंत्र से किया खिलवाड़: बृजमोहन अग्रवाल

राहुल गांधी अपने गिरेबां में झांकें

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता और रायपुर से सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को कांग्रेस और विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा बिहार में भी महाराष्ट्र की तरह 'वोट चुराने' की साजिश कर रही है।

राहुल गांधी के बयान पर जवाब देते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि उन्हें पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। कांग्रेस ने वर्षों तक सत्ता में रहते हुए लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है और चुनावी धांधलियों का इतिहास उसी के नाम है। आज देश का चुनाव आयोग पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र तरीके से काम कर रहा है। चुनाव आयोग पर अविश्वास जताना पूरे लोकतंत्र और देश पर अविश्वास जताने जैसा है। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें खड़गे ने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के लिए अमेरिका को श्रेय दिया था। बृजमोहन ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में रहकर, भारत की पार्टी के नेता होने के बावजूद, पाकिस्तान और अमेरिका को श्रेय दिया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि उनकी निष्ठा और सोच किस ओर झुकी हुई है। हिंदी भाषा को लेकर जारी विवाद पर भी बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी राय रखी। हाल ही में पवन कल्याण ने कहा था कि 'तेलुगू हमारी मां है और हिंदी मौसी।' इस पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस विषय पर ज्यादा विवाद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि हिंदी को धीरे-धीरे सभी को अपनाना चाहिए। हिंदी न सिर्फ देश की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता का मजबूत सूत्र भी है। हिंदी से देश के नागरिकों के बीच विश्वास और जुड़ाव की भावना मजबूत होती है।

कम्प्यूटर, फर्नीचर की खरीदी में मनमानी

- रिटायर्ड प्राचार्य के पेंशन से होगी वसूली

रायपुर/नवप्रदेश । कॉलेज में कम्प्यूटर, फर्नीचर की खरीदी में नियमों का पालन नहीं करना रिटायर्ड तत्कालीन प्राचार्य को भारी पड़ गया। इस मामले में उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय ने सेवानिवृत्त तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर निशा शर्मा के पेंशन से 17 लाख से ज्यादा की राशि वसूलने का आदेश जारी किया है.।पूरा मामला गजानन अग्रवाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा का है।

आदेश में कहा गया है कि गजानन अग्रवाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा के निर्माण कार्य, कम्प्यूटर एवं फर्नीचर खरीदी में सेवानिवृत्त तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक डॉक्टर निशा शर्मा ने नियमों का उल्लंघन किया है. उन्होंने भंडारण क्रय नियम का उल्लंघन करते हुए निविदा प्रक्रिया का पालन नहीं किया, जिससे शासन को वित्तीय हानि हुई है. इस मामले में अब सेवानिवृत्त तत्कालीन प्राचार्य डॉक्टर निशा शर्मा से 17,71,106 रुपए उनके पेंशन से वसूली की जाएगी।

फांसी के फंदे पर लटकी मिली लाश

रायपुर/नवप्रदेश । राजधानी रायपुर में एक शख्स की फांसी के फंदे पर लटकी हुई लाश मिली है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने शव को बरामद कर मर्चुरी के लिए भिजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, उरला थाना क्षेत्र के अछोली इलाके में दृष्टिहीन शख्स की शुक्रवार रात को संदिग्ध परिस्थिति में लाश मिली. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर लिया. शव को मर्चुरी में रखा गया है. आज पोस्टमार्टम होगा. मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

परिवहन विभाग की अहम पहल

प्रदेश के 56 पेट्रोल पंपों पर खुलेंगे प्रदूषण जांच केंद्र

रायपुर/नवप्रदेश । राज्य में वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने एक अहम पहल की है। आगामी दिनों में 56 पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केंद्र की स्थापना की जाएगी।

परिवहन विभाग के सचिव एवं परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश (भाप्रसे) तथा अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर (भापुसे) की उपस्थिति में पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर पेट्रोल पंपों में प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित करने की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में एचपीसीएल ने बताया कि रायपुर स्थित सेंट्रल जेल के पास उनके पेट्रोल पंप में पीयूसी सेंटर की शुरुआत हो चुकी है और आगामी दिनों में 50 आउटलेट्स में सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य है।

वहीं जियो पेट्रोलियम ने धमतरी और रायपुर के पंपों में केंद्र प्रारंभ कर दिए हैं तथा इस तिमाही में 6 नए केंद्र खोलने की योजना है। इंडियन ऑयल कंपनी ने जानकारी दी कि रायपुर-बिलासपुर मार्ग स्थित जय-जवान पेट्रोल पंप में पीयूसी सेंटर शुरू किया गया है। परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिए कि पीयूसी सेंटरों की उपलब्धता की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक वाहन मालिक प्रदूषण जांच करवा सकें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें।

बैठक में उप परिवहन आयुक्त मनोज कुमार ध्रुव, एआरटीओ युगेश्वरी वर्मा तथा तेल कंपनियों के प्रतिनिधि इंडियन ऑयल से विशाल राणा, एचपीसीएल से राकेश जोशी एवं नितिन श्रीवास्तव और जियो पेट्रोलियम से शिखर श्रीवास्तव उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

'राज्यपाल डेका ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

रायपुर /नवप्रदेश । राज्यपाल रमेन डेका ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान जिला पंचायत परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत बादाम के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की अपील की। साथ ही लगाए गए पौधे को सजीव बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। पड़ पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाता है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल उपहार है।

इस अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

27 जुलाई तक लगाए जाएंगे 51,000 पेड़

- एक पेड़ देश के नाम रायपुर कलेक्टर ने की वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद स्थित द एग फीड्स में एक पेड़ देश के नाम अभियान का आगाज किया गया। इस अभियान के तहत 12 से 27 जुलाई तक 51,000 पेड़ लगाए जाएंगे। अभियान के पहले दिन कलेक्टर गौरव कुमार सिंह मुख्य अथिति के तौर पर शामिल हुए।

इस मौके पर रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने कहा कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में किसी और के लिए सोचना अपने आप में बड़ी बात है. सोचते तो सभी हैं, लेकिन अपने घरों से निकलकर दूसरों के लिए कुछ करना वास्तव में मायने रखता है. अक्सर लोग दूसरों को ज्ञान तो बहुत दे देते हैं, लेकिन जब खुद करने की बात आती है तो पीछे हट जाते हैं. हिमांशु जी की खासियत यह है कि वे कम शब्दों में बड़ी बात कह जाते हैं। आज यहां जितने लोग उपस्थित हैं, वे सभी कमाने वाले लोग हैं. पेड़ तो आप लगा रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि वे पेड़ बचे भी हैं या नहीं? उनमें कोई होमवर्क या फॉलोअप नहीं होता।

उन्होंने कहा कि मैंने आयोजकों से भी कहा कि आपने जितने पेड़ लगाए हैं, उनमें से कितने जीवित हैं? क्या हम उनकी सतत मॉनिटरिंग कर पाएंगे? यह समस्या केवल व्यक्तिगत प्रयासों तक सीमित नहीं है, सरकारी क्षेत्रों में भी यही स्थिति है. रायपुर में एक इंजीनियरिंग संस्थान इस दिशा में काम कर रहा है, और उसका काम अब पूरा हो चुका है। वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि पेड़ का होना जरूरी है, पेड़ लगाना जरूरी है। लेकिन जितनी तत्परता हम पेड़ कटवाने के संदर्भ में दिखाते हैं।

विधायक मोतीलाल की उपस्थिति में ग्रीन आर्मी और निगम ने बनाया 'डेंस फॉरेस्ट'

रायपुर/नवप्रदेश। प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, ग्रीन आर्मी संस्था ने आज नगर निगम रायपुर के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण वृक्षारोपण अभियान चलाया। हिमालय हाइट्स, देवपुरी के सामने 1500 पौधे लगाकर एक सघन 'डेंस फॉरेस्ट' (घना जंगल) की नींव रखी गई है। इस वन की पूरी देखरेख की जिम्मेदारी ग्रीन आर्मी को सौंपी गई है। यह पहल न केवल रायपुर के हरित भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का भी प्रतीक है।

पर्यावरण में ग्रीन आर्मी का योगदान

पिछले 8 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही ग्रीन आर्मी संस्था ने वृक्षारोपण के साथ-साथ अनगिनत जागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज में हरित क्रांति की अलख जगाई है। जोन कमिश्नर जोन 10, श्री विवेकानंद दुबे जी ने इस अवसर पर कहा, ÷वृक्षारोपण से बढ़कर कोई पावन पर्व नहीं हो सकता।÷ उन्होंने ग्रीन आर्मी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था न केवल रायपुर में, बल्कि पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण के माध्यम से लोगों को नवजीवन प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आज प्रदेश का हर व्यक्ति इस संस्था के नेक कार्यों से परिचित है और इसकी सराहना करता है।

ग्रीन आर्मी का संकल्प

प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक श्री अमिताभ दुबे ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ग्रीन आर्मी का लक्ष्य शहरों में हरियाली, स्वच्छ वायु और जैव विविधता को बढ़ावा देना है, और संस्था अपने इस मिशन के प्रति दृढ़ संकल्पित है।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने पेड़ लगाए

इस अवसर पर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू ने इस महाअभियान की प्रशंसा की। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री की 'एक पेड़ मां के नाम' की अपील का स्मरण कराते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियाँ पौधों और पेड़ों के अभाव में ही उत्पन्न हुई हैं। विधायक साहू ने ग्रीन आर्मी के कार्यों की सराहना करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वे स्वयं ग्रीन आर्मी के वृक्षारोपण और विभिन्न जागरूकता अभियानों में कई बार शामिल हुए हैं, और संस्था का कार्य वास्तव में अनुकरणीय है। उन्होंने पॉलीथिन के विरोध में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की भी विशेष रूप से सराहना की।

सुनो भाई उधो

एक दिन के बात

परमानंद वर्मा

उपहास, मजाक् और खिल्ली कभी किसी का नहीं उड़ाना चाहिए, यह दुर्गुण है, कचरा और गंदगी है।

इससे वातावरण प्रदूषित होता है, रोग व सभी प्रकार की बीमारियां फैलती है। क्रोध, विद्वेष, अहंकार जैसी महामारियां उपजती है। जाने अनजाने में द्रोपदी द्वारा मजाक में कहे गये शब्द ने महाभारत युद्ध करवा दिया।

इसी भाव पर आधारित छत्तीसगढ़ी आलेख पढ़िए एक दिन के बात।

बइला गरियार, गतउतार होगे अउ नांगर (हल) रेचका होगे तब नंगरिहा के तो मरे बिहान हे।

फेर ओहर कहूं ठोसलगहा हे, तब कइसनो करके दूनो ला सजोर कर डरथे अउ एकड़-दू एकड़ जमीन ला जोत के सिधिया डरथे।

कोनो-कोनो अइसन नंगरिहा देख के ओकर मजाक हंसी उड़ाथे अउ कहिथे- पहिली बइला अउ नांगर के गत ला तो देख ले फेर खेती करे के बात ला सोचबे।

ओकर जवाब देवत नंगरिहा कहिथे- भइया जेकर मं कूबत हे ओहर बइला अउ नांगर कइसनो राहय, ओमन ला सोझ करके अपन काम ला सिध पार डरथे।

काम करइया मनखे के मन मं सिरिफहौसला चाही। ककरो हंसी, मजाक उड़ा के मन ला कमजोर नइ करना चाही?

अइसने कस घटना ओ दिन मोर संग होगे।

कभू सोचे नइ रेहेंव के मितान मोर हंसी, मजाक उड़ाही, फेर का करबे कभू-कभू बात अइसे आ परथे के जेला नइ कहना अउ करना चाही तउन हो जथे।

कहिथे- तोर करा अतेक चीज-बस हावय तेकर रहिते कइसे तंय अतेक कंजूरी अउ गरीबी मं जीथस, मोर समझ नइ आवय, अइसे कइसे होगे हस।

काकर बर अतेक जोरत बटोरत हस, मरबे तब का लेके जाबे, सब इहें धरे के धरे रहि जाही। बने जी-खा ले, दान-पुन कर ले।

मितान हर अइसन कभू कहइया नोहय, फेर ओ दिन कहि परिस। तब ओला ओकर सवाल के जवाब देवत कहेंव- अइसे का देख डरेस ते मोला गरीब, कंजूस अउ का-का नइ कहि डरेस।

अइसन मजाक नइ उड़ावय मितान। मान ले मंय गरीब हौं, तब तो गरीब मनखे मन के तो हंसी अउ मजाक बिल्कुल नइ उड़ाना चाही। कोनो गरीब के मजाक उड़ावत अच्छा नइ होवय।

अउ पहली बात, मजाक तो ककरो उड़ाना ही नइ चाही।

मितान ला सुरता करावत बतावौं- तोला सुरता हे मितान- द्रौपदी एक घौं दुर्योधन के मजाक उड़ाय रिहिस।

बात ला तो ओहर ठठ्ठा-मसखरी समझिस अउ कहि परिस- अंधरा के बेटा अंधरा होथे का?

नानमुन, छोटकिन बात नइ कहे रिहिसे।

ओ बात छाती मं बान मारे कस लगगे दुर्योधन ला। हांस के ओ दिन तो टार दिस। फेर बाद मं का हाल होइस ओ मजाक के तेला सब जानत अउ समझत हे।

द्रौपदी के 'चीरहरन के घटना होगे। बात इही तक नइ सिरइस, अतेक बड़े महाभारत होगे जइसन आज तक दुनिया के इतिहास मं नइ सुने, पढ़े ले मिलय।

अइसने कस एक गरीब ब्राम्हण सुदामा रिहिसे।

ओकर गोसइन ओला अपन मितान भगवान कृष्ण करा जाय के सलाह देथे।

तब ओला बरजत सुदामा कहिथे- मोर मितान मथुरा के राजा हे, अउ मंय कहां गरीब ब्राम्हन, ओकर मोर तुलना कहां?

नइ जांव ओकर करा। अउ फेर मितान करा कहूं जाबे तब भेंट करे बर तो कुछु नइहे। तब सुशीला कहिथे- ओकर चिंता मत कर, मंय सब बेवस्था कर देहौं।

कहिथे नहीं, जउन डौकी मन के बात मानथे तउन धारे-धार बोहाथे, वइसने कस किस्सा होगे सुदामा के।

चांवुर के पोटली धर के मथुरा के दरबार मं कइसने करके पहुंचगे जावत, शरमावत अउ सकुचावत।

जउन गरीब रहिथे तेकर मनके अइसने हाल होथे।

भगवान सुदामा के मन के बात जानगे अउ बगल मं दबाय चांवुर के पोटली ला खोल के ओकर गरीबी के मजाक उड़ा देथे।

अइसन नइ करना रिहिसे, फेर कर दिस।

सुदामा मारे लाज के पानी-पानी होगे। मने-मन अपने गोसइन ला जइसने पइस तइसने गारी-गुफ्तार देइस। फेर करतिस का जउन होना रिहिसे तउन तो होगे।

गरीब के ये दुनिया मं कोनो नइ होवय तइसे लागथे। सबे हिनमान करत रहिथे, कुकुर सही दुतकारत रहिथे।

अइसन नइ करना चाही। मनखे-मनखे एक समान होथे, हमर गुरु घासीदास बबा घला इही बात ला केहे हे फेर मानथे कोन?

कतेक छुआछूत, भेदभाव, ऊंच-नीच,

अमीर-गरीब के खेला होवत रहिसे। ये अब इहे मनखे के रचे रचना हे, उही मन सब अइसन बेवस्था बनाय हे जेकर ले ओकर मन के काम मं कोनो परकार के बाधा झन आवय।

नइतो भगवान हा तो सब ला मनुज शरीर के रचना करके भेजथे। कतको मन करम अउ भाग ला दोस देथे। जेकर जइसे करम अउ भाग तइसन फल पाथे, ये सब बेफालतू बात हे, मंय तो नइ मानव भई ये बात ला।

अब काला का कहिबे, हमरे मितान के मति छरियागे हे तब दूसर ला का कहिबे। हांसी आथे ओकर ऊपर, का बात ला देखकर मोला ओहर उठेंवा मारिस तउन ला समझगेंव, फेर ओ बात ये तीर फेर के बताथौं नहीं, जानिहौ तब सबो झन खिलखिला के हांस परिहौ।

वइसे बात लुकाय-छिपाय के लइक घलो नइहे। कागज अउ कलम ला ले के अतेक बड़े बात उठाइस।

किहिस- जब लिखथस तब बने कागज अउ कलम लेके बइठे कर, एकरो बर गरीबी अउ कंजूसी बने नइ होवय।

जेकर भरोसे रोजी-रोटी चलथे, तेला तो बने सजोर रखे कर। चुप रहिगेंव, ओला कुछु नइ केहेंव।

दुर्ग जिले की धड़कन शिवनाथ नदी...

नूरुस्सबाह सबा

मेरा प्रकृति प्रेम जब मुझे शिवनाथ नदी के तट पर ले गया तो वहां का विहंगम दृश्य देखकर मैं चकित हो गई। तेज़ बहती नदी की जलधारा अपने आँचल में शहर भर की गंदगी को समेटे हुए अपना रौद्र रूप धारण करके इस तरह बह रही थी जैसे वो मनुष्यों द्वारा अपने ऊपर की गई मनमानियों से नाराज़ हो । और इसके बारे में लिखने को मेरी कलम चल पड़ी।

चलिये हम शिवनाथ नदी के भौगोलिक और सांस्कृतिक महत्व की तरफ़नज़र डालते हैं।

शिवनाथ नदी, छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की जीवनरेखा और धड़कन के रूप में जानी जाती है। यह नदी न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि इस क्षेत्र की संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन का भी अभिन्न हिस्सा है। महानदी की सबसे बड़ी सहायक नदी के रूप में, शिवनाथ नदी छत्तीसगढ़ के कई जिलों से होकर बहती है, लेकिन दुर्ग जिले में इसका विशेष महत्व है। यह नदी न सिर्फ जल आपूर्ति और सिंचाई का स्रोत है, बल्कि यह स्थानीय समुदायों के लिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व भी रखती है। शिवनाथ नदी का उद्गम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के गोडरी गांव से होता है, हालांकि कुछ स्रोत इसे राजनांदगांव जिले की पानाबरस पहाड़ी से भी जोड़ते हैं। यह नदी लगभग 290 से 470 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा जिलों से होकर बहती है और अंततः शिवरीनारायण में महानदी में मिल जाती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में लीलागर, मनियारी, आगर, हांप, खारून, अरपा, आमनेर, सकरी, खरखरा, तांदुला और जमुनिया शामिल हैं। दुर्ग जिले में यह नदी जिले को दो भागों में बांटती है और इसकी तेज धारा और रेतीले किनारे इसे विशिष्ट बनाते हैं।

दुर्ग जिला, जो छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जाना जाता है, शिवनाथ नदी के किनारे बसा है। इस नदी ने जिले की कृषि, मछली पालन और जल विद्युत उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मोंगरा बैराज परियोजना, जो राजनांदगांव में शिवनाथ नदी पर संचालित है, क्षेत्र में सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। यह नदी लगभग 20त्न कृषि क्षेत्र को सिंचित करती है, जिससे धान, गेहूं और दलहन जैसे फसलों का उत्पादन संभव होता है। इसके अलावा, नदी का उपयोग परिवहन के लिए भी किया जाता है, विशेष रूप से मानसून के दौरान जब जलस्तर बढ़ जाता है। हालांकि, शिवनाथ नदी के सामने कई चुनौतियां भी हैं। हाल के वर्षों में, औद्योगिक और कृषि अपशिष्टों के कारण नदी में प्रदूषण की समस्या गंभीर हो गई है। यह न केवल नदी के जल को दूषित कर रहा है, बल्कि जलीय जीवों और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके अलावा, मानसून के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे तटीय क्षेत्रों में नुकसान होता है।

शिवनाथ नदी का सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। इसके किनारे बसे गांवों और शहरों, जैसे दुर्ग, राजनांदगांव और मदकू द्वीप, में यह नदी कई त्योहारों और धार्मिक अनुष्ठानों का केंद्र है। मदकू द्वीप पर 11वीं-12वीं शताब्दी के कलचुरी कालीन मंदिर इस नदी की ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाते हैं। इसके अलावा, नदी से जुड़ी आदिवासी कथाएं, जैसे शिवनाथ और पारू की प्रेम कहानी, इसकी सांस्कृतिक समृद्धि को और बढ़ाती हैं।निष्कर्षतः, शिवनाथ नदी दुर्ग जिले की आत्मा है। यह नदी न केवल जल और जीवन का स्रोत है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान को भी मजबूत करती है। हालांकि, इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। प्रदूषण नियंत्रण, बाढ़ प्रबंधन और नदी के किनारों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं, ताकि यह जीवनदायिनी नदी अपनी धड़कन को बरकरार रख सके। और अंत में कविता की इन पंक्तियों से अपनी बात ख़त्म करती हूँ।

उफनती नदी ने जब आवाज़ लगाई
मैं क़दमों को अपने न रोकने पाई
तट पर नदी के मैं चली आई कुदरत की ये रचना यूं मन को भाई
लिखने से खुद को सबा रोक न पाई

व्यंग्य : छोकरी और टपोरी

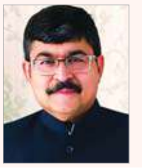

डॉ. किशोर अग्रवाल

एक जमाना था जब लड़कियां उन लड़कों पर मरा करती थी जो छैला टाइप की सज धज के हुआ करते थे या फिर निखालिश मजनूं। ये होते थे लड़की के नाज नखरे उठाने और जां निसार करने के लिए बेचैन । तब लड़कियां पर्दे में रहा करती थी और जो कोई बांकी अदाएं दिखा जाता उसी पर अपना सर्वस्व लुटा देती थी ।

हीर-रांझा, शींरी-फरहाद ,लैला-मजनू और शशि-पन्नू अमर प्रेमी हुए हैं जिनमें इश्क में जान देने के हौसले हुए हैं ,पर खुद की जान के । आज मामला उलट गया है खुद की जान क्यों दे भला जब दूसरे की जान ले लेने से अपना इश्क मुकम्मल हो रहा हो ।अब तो ऐसा विशेष ग्रह नक्षत्र योग चल रहा है जिसमें प्रेमियों से मिलकर प्रेमिकाएं ने राह के रोड़े यानी पतियों को रास्ते से हटा रही हैं और इश्क की बड़ी जीत हो रही है । पति होना आजकल सबसे खतरनाक खेल हो गया है ,क्या पता कब किसकी नाव पलट जाए या गले में पड़ा हार फांसी का फंदा बन जाए।

भोली सूरत के पीछे कैसा शातीर दिमाग हो या वह क्या सोच रही हो, पतियों के पास इस नापने का क्या कोई यंत्र है? मोहब्बत में डेट करने वालों को थोड़ा वक्त तो होता है कि वे हसीनाओं के हाव-भाव बोलचाल ,स्वभाव और उसके सरोकारों से थोड़े से परिचित तो हो सकें पर अरेंज मैरिज में तो सीधे-सीधे पति बन जाने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं ,दूसरा कोई रास्ता ही नहीं बचता। इस सीधे-साधे बांधे गए रिश्ते में मोहब्बत की गुंजाइश ही कहां बचती है ? मोहब्बत करना सिख लें जनाब , कुछ तो अपनी तरफलड़की का दिल का लगवा लें , नहीं तो सीधी-साधी शादी में दूल्हा तो बकरीद के बकरे जैसा ही है आजकल। वे बहुत कुछ सह रहे हैं।

शादी के बाद दुल्हन के साबुन से नहा लिया तो दूल्हे के खिलाफदुल्हन ने पुलिस बुला ली । अलीगढ़ में पत्नी के साबुन से नहा लेना दूल्हे को भारी पड़ा शांति भंग के प्रकरण में उसका पुलिस ने चालान ही कर दिया।

बदायूं में शादी के महज चालिस दिन के बाद विवाहिता अपने प्रेमी के साथ चली गई और घर में रखे ढाई लाख रुपए की नगदी और जेवर भी ले गई । अवसाद में पति ने जान दे दी वह ऐसा मेहरबान निकला की पत्नी की राह खुद आसान कर गया।

कोई कोई दयालू पत्नी ना भागती है ने जान लेती है ,वह पति को पीट कर ही मन की भड़ास निकाल लेती है । कुरारा हमीरपुर के जल्ला गांव में ब्याही एक दुल्हन ने शादी तो कर ली पर पति को नजदीक आने से न केवल मना किया बल्कि बंद कमरे में उसे जमकर पीटा। दूल्हे ने रो-रो कर अपनी बर्बादी की दास्तान थानेदार को बयान की । पति को पीटने में भारतीय पत्नियों का विश्व में तीसरा स्थान है, इजिप्ट की पत्नियां पहले स्थान पर और यूके की पत्नियां दूसरे स्थान पर हैं। सीधे-सादे कार्यरत कमाऊ लड़के जो स्त्रियों की पहली पसंद होते थे अब न जाने क्यों उनके किसी काम के नहीं रहे । उन्हें भी अपना वर्चस्व दिखाने का शौक जगा है अतः उम्र दराज लोगों या उनकी जूतियां तक उठाने को तत्पर छपरी टाइप के लोगों की बन आई है । वे नाज नखरे ज्यादा उठाते दिखते हैं । छोकरियों को तवज्जो उन्हीं से ज्यादा मिलती है ऐसा लगता है तभी साठ साल के फूफा के प्यार में भतीजी ने शादी के बाद पति की हत्या करवा दी। बिहार के औरंगाबाद में यह अभी हाल में ही हुआ है साठ साल फूफा में सत्ताइस साल की दुल्हन को न जाने क्या दिखा कि उसने अपने हमउम्र पति को शूटरों से मरवा दिया जबकि उसके पास साठ बीघा जमीन भी थी। जबलपुर के इंद्र कुमार तिवारी के चिरकुमार होने की खबर पर गोरखपुर की शाहिदा बानो खुशी तिवारी बनकर अपने टपोरी प्रेमी कौशल कुमार के साथ आई और उससे शादी कर ली । प्रेमी की मदद से सुहागरात के दिन ही इंद्र कुमार को टपका दिया। हम सबको इंदौर की सोनम के टपोरी टाइप सड़कछाप प्रेमी राज की सूरत और धंधा याद ही है । ऐसे ही मेरठ में सौरभ राजपूत की हत्या करने वाली मुस्कान रस्तोगी के प्रेमी की शक्ल भी याद करें, नशेड़ी गंजेड़ी सूरत से टपोरी साहिल में पता नहीं उसने क्या देखा । इन टपोरियों की मोहब्बत में गिरफ्तार औरतों के पति बन रहे युवकों की शामत आई है। ये छोकरियां अपने प्रेमियों के साथ भाग ही जाती तो भी कोई बात थी पर इन छोकरियों ने शादियां की और टपोरी प्रेमियों की मुहब्बत में उन्हें जान से ही मार डाला। यह समाज की नई विसंगति ,नई विकृति सामने आई है । डर के मारे शादियों से पहले ही लोग इश्तिहार जारी कर पत्नियों के पूर्व संबंधों का पता भी लगा रहे हैं पर कौन बचेगा कौन मरेगा क्या पता?

आंखों से अंधेरा मिटा : भारत बना ट्रेकोमा मुक्त राष्ट्र

पल्लवी त्रिपाठी

कभी भारत के सबसे गरीब और सुदूर इलाकों में खामोश, अंधा कर देने वाला अँधेरा था ट्रेकोमा, एक जीवाणुजनित नेत्र संक्रमण जो सूजन, पलकों को खुरदरा कर देता है और अंततः अंधापन पैदा कर देता है। हालाँकि, 2024 में, भारत ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कीः इसे आधिकारिक तौर पर ट्रैकोमा-मुक्त राष्ट्र घोषित किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ङ्ख॥ह्र) ने पुष्टि की है कि ट्रेकोमा अब भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं है, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ढ्ढरुह्र) ने इसकी सराहना की है। जिसका अर्थ है कि यह बीमारी अब अंधेपन से पीड़ित बड़ी आबादी के लिए खतरा नहीं है। यह जीत केवल चिकित्सा हस्तक्षेप के कारण नहीं है, बल्कि हज़ारों लोगों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायक नर्स दाइयों (ANM), आशा बहनों, सरकारी डॉक्टरों और ग्रामीण परिवारों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है, जिन्होंने उन्मूलन को प्राथमिकता दी। उनके समर्पण ने जीवन को बदल दिया और कमज़ोर समुदायों में आशा की किरण जगाई। ट्रैकोमा एक पुरानी बीमारी है जो खराब स्वच्छता, गंदे पानी, भीड़भाड़ और कुपोषण से जुड़ी है। यह मुख्य रूप से बच्चों और महिलाओं को प्रभावित करता है, जिससे लगातार आंखों में सूजन होती है जो अंधेपन का कारण बन सकती है। ऐतिहासिक रूप से, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, कई व्यक्तियों में दिखाई देने वाले लक्षण दिखाई देते थे लाल, सूजी हुई और दर्दनाक आँखें - इस बीमारी की व्यापक पहुँच के प्रमाण हैं। 1986 के एक सर्वेक्षण में कुछ जिलों में 55त्न संक्रमण दर का पता चला, जिसने दशकों से स्वास्थ्य अधिकारियों के सामने आने वाली बड़ी चुनौती को उजागर किया। भारत की ट्रेकोमा-मुक्त स्थिति की यात्रा लचीलेपन, समन्वित कार्रवाई और सामुदायिक जुड़ाव की कहानी है।

इसकी शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू किए गए एक राष्ट्रव्यापी अभियान से हुई, जिसमें स्वच्छता, स्वच्छ पानी और बड़े पैमाने पर दवा प्रशासन के महत्व पर जोर दिया गया। सरकार ने लक्षित हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए डब्ल्यूएचओ, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग किया, खासकर दूरदराज के आदिवासी इलाकों और गरीब गांवों में जहां स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित थी। प्रमुख रणनीतियों में से एक स्नश्व दृष्टिकोण था - उन्नत मामलों के लिए सर्जरी, सक्रिय संक्रमणों के इलाज के लिए एंटीबायोटिक्स, चेहरे की सफाई को बढ़ावा देना और पर्यावरण सुधार। मोबाइल क्लीनिक दूर-दराज के इलाकों में गए, मुफ्त इलाज की पेशकश की और व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाई। स्कूल बच्चों को चेहरा धोने और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए केंद्र बिंदु बन गए, जिससे संक्रमण संचरण का चक्र टूट गया। इन प्रयासों के पीछे अनगिनत गुमनाम नायक थे महिलाएँ, जो प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक बन गईं, अथक रूप से घरों का दौरा किया, दवाइयाँ वितरित कीं और स्वच्छता प्रथाओं को प्रोत्साहित किया। आशा कार्यकर्ता, जो अक्सर ग्रामीण परिवारों के लिए संपर्क का पहला बिंदु होती हैं, ने बीमारी के शुरुआती लक्षणों की पहचान करके और परिवारों को उपचार के लिए मार्गदर्शन करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके समर्पण ने गांवों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिकों के समुदायों में बदल दिया, जो एक सामान्य लक्ष्य से एकजुट थे। पिछले कुछ वर्षों में, ट्रेकोमा का प्रचलन लगातार कम होता गया। सरकार के निरंतर प्रयासों ने स्वच्छता के बुनियादी ढाँचे में सुधार के साथ-साथ - जैसे कि शौचालयों का निर्माण, स्वच्छ पेयजल का प्रावधान और स्वास्थ्य शिक्षा अभियान ठोस परिणाम दिखाने शुरू कर दिए। 2015 तक, संक्रमण दर में 80त्न से अधिक की कमी आ गई थी, और मामलों के शेष क्षेत्रों को तीव्र हस्तक्षेप के साथ व्यवस्थित रूप से लक्षित किया गया था।

इन अथक प्रयासों की परिणति 2024 में ङ्ख॥ह्र द्वारा आधिकारिक घोषणा थी, जिसने भारत को ट्रेकोमा से मुक्त राष्ट्र के रूप में चिह्नित किया। यह उपलब्धि केवल एक बीमारी के उन्मूलन से कहीं अधिक का प्रतीक है; यह सामुदायिक भागीदारी, सरकारी प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जीत का प्रतीक है। यह समग्र विकास के महत्व को भी रेखांकित करता है - स्वच्छता, जल आपूर्ति और स्वास्थ्य जागरूकता में सुधार ऐसे कारक जो सीधे लाखों लोगों की भलाई को प्रभावित करते हैं। पूर्व में प्रभावित क्षेत्रों के परिवारों के लिए, इस जीत का मतलब है आने वाले दिन उज्जवल हैं। जो बच्चे कभी धुंधली दृष्टि और दर्द से पीड़ित थे, अब स्पष्ट दृष्टि और बेहतर भविष्य का आनंद ले रहे हैं। महिलाएँ, जो अक्सर प्राथमिक देखभाल करने वाली और कमाने वाली होती हैं, अपनी दृष्टि खोने के डर के बिना शिक्षा और काम कर सकती हैं। जो समुदाय कभी अंधेरे की छाया में रहते थे, अब आशा और प्रगति से रोशन हैं। सदियों पुरानी बीमारी से लड़ने से लेकर उसे पूरी तरह से मिटाने तक का भारत का सफ़र इस बात का प्रेरक प्रमाण है कि जब विज्ञान, सामुदायिक भावना और शासन एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। ट्रेकोमा का उन्मूलन प्रगति का एक प्रकाश स्तंभ है, जो सभी भारतीयों के लिए एक स्वस्थ, अधिक न्यायसंगत भविष्य की ओर मार्ग को रोशन करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सामूहिक प्रयास, करुणा और अटूट दृढ़ संकल्प के माध्यम से सबसे गहरे अंधकार को भी दूर किया जा सकता है। और हम ऐसा तभी कर सकते हैं जब हम ऐसी योजनाएँ बनाएँ जो लोगों की परवाह करें, न कि सिर्फ़ संख्याओं की। जब लोगों की आँखें स्वस्थ रहेंगी, तो भविष्य उज्ज्वल और स्पष्ट दिखाई देगा। अगर हमारा देश वर्ष 2045 तक एक मजबूत और विकसित देश बनना चाहता है, तो हमें इसे पहले छोटे, महत्वपूर्ण कदमों से बनाना होगा। हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। हमें ट्रेकोमा जैसी अन्य बीमारियों से भी लड़ना होगा जो गरीबी के कारण होती हैं। भारत ने दिखाया कि ट्रेकोमा नामक बीमारी से लड़कर, जो आँखों को खराब करती है, हम यह साबित कर सकते हैं कि जब डॉक्टर, शिक्षक और योजनाएँ सभी एक साथ काम करते हैं, तो कोई भी बीमारी इतनी बड़ी नहीं होती कि उसे हराया न जा सके।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा लेकिन आज आर्थिक रूप से दिन निराशाजनक ही रहने वाला है।

वृषः आज का दिन आप आराम से बिताएंगे कुछ दिनों से चल रही उलझने आज थोड़ी शांत होंगी।

मिथुनः आज का दिन प्रतिकूल फलदायी रहेगा। दिन के आरंभ में किसी से बंधी आशा टूटने से मन दुखी होगा।

कर्कः आज का दिन आपको प्रत्येक क्षेत्र में विजय दिलाएगा। आज जिस भी काम मे निवेश करेंगे उसमे दुगना धन मिलने की संभावना रहेगी।

सिंहः आज का दिन धन-धान्य वृद्धि कारक रहेगा। घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति पर खर्च होगा। सुख-सुविधा भी बढ़ेगी।

कन्याः आज आपकी बौद्धिक क्षमता में विकास होगा भले बुरे को परख कर ही कोई भी कार्य करेंगे फिर भी स्वभाव अनुसार छोटी बातों पर अकड़ दिखाना नही जाएगा।

तुलाः आज का दिन विपरीत परिस्थितियों वाला रहेगा दिन के आरंभ में ही परिवार अथवा आस-पड़ोसियों से कलह हो सकती है।

वृश्चिकः आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से लाभदायक रहेगा। घर के बुजुर्गों एवं कार्य व्यवसाय से अकस्मात लाभ होगा।

धनुः आज के दिन आपकी मानसिकता बिना परिश्रम किया सुख भोगने वाली रहेगी यह कामना कुछ हद तक पूर्ण भी हो जाएगी।

मकरः आज के दिन आपकी बनाई योजनाए आरम्भ में विफल होती प्रतीत होंगी लेकिन कुछ समय बाद स्वतः ही सभी काम बनते चले जायेंगे।

कुंभः आज का दिन आपके लिए हानिकारक रहेगा। कार्य क्षेत्र पर किसी गलत निर्णय के कारण आर्थिक हानि की संभावना है जिसकी भरपाई में समय लगेगा।

मीनः आज के दिन आप एक साथ कई क्षेत्रों से लाभ कमा सकते है परंतु आज आलसी प्रकृति भी रहने के कारण कुछ ना कुछ आशा के विपरीत अवश्य होगा।

सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त :07:19, चन्द्रोदय : 20:44, चन्द्रास्त : 06:29, अयन :दक्षिणायणे (उत्तरगोलीय),ऋतु :वर्षा, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु),विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), मास : श्रावण, पक्ष : कृष्ण, तिथि : तृतीया, नक्षत्र : धनिष्ठा, योग : प्रीति, प्रथम करण :तैतिल (14:00 तक), द्वितीय करण :गर (25:46 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : मिथुन, चंद्र : मकर, मंगल : सिंह (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : कर्क (उदय, पश्चिम, मार्गी), गुरु : मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : वृष (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, मार्गी), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) हाल ही में भारत के पहले संविधान संग्रहालय का उद्घाटन कहाँ किया गया?

2) डोंग फेंग-26 मिसाइल किस देश ने विकसित की?

3) शेंदुर्णी वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?

4) श्रीलंका में हिंदी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उच्चायोग द्वारा कौन सी पहल शुरू की गई है?

5) हाल ही में दिवंगत हुए राजगोपाल चिदंबरम किस क्षेत्र से जुड़े थे?

उत्तरमाला- (1) सोनीपत, हरियाणा (2) चीन (3) केरल (4) भारत हिंदी महोत्सव (5) नाभिकीय भौतिकी

शब्द सागर

कुरूद भाजपा मंडल ने किया गुरुओं का सम्मान

कुरूद/नवप्रदेश। गुरुपूर्णिमा पर्व में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के निर्देशानुसार कुरूद मण्डल में कुहकुहा में मनाया गुरु पूजन,सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। सर्वप्रथम भारतमाता, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी,पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तैलचित्र पर पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।जिसमें मण्डल अध्यक्ष कृष्णकांत साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु पूर्णिमा हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और श्रद्धा से भरपूर पर्व है, जिसे गुरु के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने के लिए मनाया जाता है।यह त्योहार हर वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को आता है और इसे महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास जी का जन्म हुआ था, जिन्होंने वेदों का संकलन और विभाजन कर मानवता को ज्ञान का मार्ग दिखाया।इस महान कार्य के कारण वे ÷आदि गुरु÷ के रूप में पूजे जाते हैं, और उनके सम्मान में ही इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाने की परंपरा है।गुरु पूर्णिमा न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन का भी अवसर होता है।इस दिन साधु-संत, योगी और साधक विशेष तप और ध्यान करते हैं, वहीं गृहस्थ लोग अपने माता-पिता, शिक्षक या जीवन में

मार्गदर्शन देने वाले किसी भी व्यक्ति को गुरु मानकर उनका सम्मान करते हैं। यह परंपरा गुरु और शिष्य के बीच विश्वास और समर्पण के अटूट बंधन को दर्शाता है।इस प्रकार, गुरु पूर्णिमा केवल वेदव्यास जी का जन्मदिन नहीं, बल्कि जीवन में गुरु की भूमिका को समझने और उनका आभार व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण दिन है, जो हर किसी को ज्ञान, अनुशासन और आत्मिक प्रगति की ओर प्रेरित करता है। वरिष्ठ भाजपा जिला मंत्री तिलोकचंद जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सनातन धर्म में गुरु को भगवान से बड़ा बताया गया है। जिस परंपरा का आज हम सब निर्वहन कर रहे हैं। जिसके कारण से हमारा देश विश्वगुरु के नाम से जाना जाता है। कार्यक्रम के पहले पड़ाव में गुरुजनों एवं वरिष्ठ जनों का श्री फल एवं शाल भेंटकर शिक्षक गोविंद साहू, सालिक राम साहू , वरिष्ठजन रामचरण साहू, फिरंता यादव, ओसाराम साहू का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जनपद सभापति श्रीमती शकुन्तला देवांगन, सोसायटी अध्यक्ष थानेश्वर साहू, रूपचंद देवांगन, पोषण साहू, नरेंद्रसाहू, तरुणसाहू, सोम साहू, हरि विश्वकर्मा, ईश्वर, विनायक निषाद, अनुराधा साहू,सुरेखा चंद्राकर की उपस्थिति रही।

वृंदावन विद्यालय में मना गुरु पूर्णिमा पर्व

महासमुंद/नवप्रदेश। वृंदावन विद्यालय में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा मनाई गई। विद्यार्थियों ने गुरुजनों का तिलक-चंदन लगाकर आशीर्वाद लिया।

संस्था प्रमुख एमआर विश्वनाथन ने कहा कि बच्चे दीपक की लौ की तरह हैं, जिसमें जितना तेल डालेंगे, वो उतना ही प्रकाशमान होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को हमेशा स्वस्थ व निरोग रहने का आशीर्वाद दिया। संस्था संचालिका सुजाता विश्वनाथन ने कहा कि अपने गुरु के प्रति आदर व सम्मान की भावना हमेशा होनी चाहिये। जिस प्रकार सूर्य से हमें प्रकाश, ताप व ऊर्जा मिलती है,उसी प्रकार गुरु से हमें ज्ञान मिलता है। गुरु हमारे सफलता का

स्तंभ हैं। विद्यालय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नोटरी एवं शिक्षक माधव टांकसाले का शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। उन्होंने शिक्षकों को कुम्हार की तरह बताया, जो साधारण मिट्टी को सही आकार देकर मटके का रुप प्रदान करता है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष व कार्यकर्ताओं ने स्कूल की 5 वरिष्ठ शिक्षिकाओं का शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुधा साहू, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने भी विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद एवं पूर्व जिलाध्यक्ष मीना वर्मा, कौशल्या बंसल, पार्षदगण सुनैना ठाकुर, माखन पटेल, कल्पना सूर्यवंशी, सीता डोंडेकर एवं भाजपा नेत्री श्रीमती मधु यादव, श्रीमती भगवती करकसे, समीर आदि उपस्थित थे।

बाइक की टक्कर से प्लांट कर्मचारी जख्मी

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम बेलसोंड़ा स्थित पॉवर प्लांट से काम करने के बाद घर जाने के लिए बाहर निकले युवक को बाइक ने ठोकर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से ज़ख़्मी हो गया। पुलिस ने बताया कि 28 जून की रात 8.30 बजे शिवालिक पॉवर प्लांट से काम करने के बाद घर आने के लिए बाहर निकले युवक शेख रफीक को बाइक क्रमांक सीजी 04 एचक्यू 2127 के चालक ने टक्कर मार दी। घटना में युवक घायल हो गया। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 184 एमओटी, 125(ए), 281 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

चरण पादुका पूजन

महासमुंद/नवप्रदेश। स्वामी शिवानंद योग भवन में गुरु पूर्णिमा मनाई गई। दिव्य जीवन संघ द्वारा गुरु पूजन का कार्यक्रम रखा गया था। सभी ने गुरु स्वामी शिवानंद और स्वामी चिदानंद को फूल माला अर्पित किया । दिव्य जीवन संघ के अध्यक्ष दौलत चंद्राकर ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारत गुरुओं का देश रहा है। यहां अनेक गुरुओं ने तन, मन, धन देकर समाज के भविष्य को गढ़ा है। महर्षि वेदव्यास ने वेदों की रचना की। उन्होंने वेदों के रूप में ज्ञान का पुंज पूरे विश्व को दिया, इसलिए आज उनकी जन्म जयंती हम सभी गुरु पूर्णिमा के रूप में मना रहे है। आगे कहा कि गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देव महेश्वर अर्थात गुरु में ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास है। प्रातः 6 बजे से सर्वदेव वंदना, प्रार्थना, गुरुस्त्रोत्तम, शांति मंत्र, प्रातः स्मरण, स्वामी शिवानंद सरस्वती का संदेश ध्यान, योगासन, प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, योग निद्रा, पादुका पूजन, विष्णुसहस्त्रनाम स्त्रोत्तम, स्वामी शिवानंद का पुस्तक वाचन, व्यक्तिगत ध्यान आदि मंत्रलेखन एवं मंत्र जप, शाम संकीर्तन के बाद शांति पाठ व आरती हुई।

कृषि विस्तार अधिकारी कार की टक्कर से घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। कार की टक्कर से बाइक सवार कृषि विस्तार अधिकारी घायल हो गए। घटना एक जुलाई की है। मामले में आरोपी कार चालक के खिलाफसिटी कोतवाली में अपराध दर्ज किया गया है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कोमाखान क्षेत्र होरीलाल ने थाने में शिकायत की है कि वह एक जुलाई को काम खत्म करने के बाद शाम को बाइक क्रमांक सीजी 06 जीएल 6300 में कोमाखान से घर महासमुंद रमनटोला जा रहा था। ग्राम ओंकारबंद सोसाइटी के आगे बरगद वृक्ष के पास नेशनल हाईवे 353 पर महासमुंद की ओर से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक ओडी 08 ए 7455 ने बाइक को ठोकर मार दी। दुर्घटना में उसके दाहिने पैर में चोट आई है। मामले में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा 281, 125 (ए),125 (बी) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

शराब पिलाने वाले के खिलाफ कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। तुमगांव पुलिस ने ग्राम भोरिंग में घर के पास लोगों को शराब पीने-पिलाने की सुविधा देने पर वार्ड नंबर 6 बस स्टैंड भोरिंग निवासी रोहित कुमार साहू (40) के खिलाफधारा 36(क) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य की परंपरा सदियों पुरानीः अनुसुइया

■ विविध विध योगदान पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई

महासमुंद/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा पर राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन के तत्वावधान में भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपराः विविधविध योगदान विषय पर अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल शामिल हुई।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि नॉर्वे से सुरेश चंद्र शुक्ल शरद आलोक एवं अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा पूर्व शिक्षा अधिकारी थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला इकाई के रूप में डॉ अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि गुरु का सम्मान आज कम हो चला है। आजकल विद्यार्थी शिक्षक से कटकर रहते हैं। उन्हें काम से मतलब है। अध्ययन वर्षों की समाप्ति यानी डिग्री प्राप्ति के पश्चात विद्यार्थी अपने गुरुओं से कोई वास्ता नहीं रखते जो गलत है। गुरु के महत्व को आज नई पीढ़ी तक पहुंचाना अति आवश्यक है। गुरु ही मूल्यों को गढ़ता है, संस्थान महत्वपूर्ण नहीं होते। असल महत्व जीवित गुरु का होता है। गुरु अपने व्यक्तित्व, ज्ञान, कला कौशल और प्रेरणा से विद्यार्थियों को कुछ न कुछ सिखाते हैं। आगे उन्होंने कहा कि गुरुओं में ज्ञान केंद्रीय तत्व है, विद्यार्थी गुरुओं की उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। एक विद्यार्थी गुरुओं के द्वारा दिए गए संस्कारों का श्रेष्ठ संवाहक हो सकता है। मुख्य अतिथि शुक्ल ने कहा कि, वेद और गुरु ग्रंथ साहिब भी गुरु हैं। गुरु ही अपने शिष्यों को मानव से महामानव बनता है तथा सभी लोगों की प्रथम गुरु मां होती है। समारोह के अध्यक्षीय भाषण की अभिव्यक्ति में बृज किशोर शर्मा ने कहा कि युवाओं के आक्रोश, मीडिया के अवमूल्यन आदि समस्याओं के निवारण के साथ सही शिक्षा और आदर्श समाज हेतु सही गुरु की आवश्यकता है। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक प्रो शैलेंद्रकुमार शर्मा ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा गंगा नदी के प्रवाह की तरह प्राचीन और अविरल है। वैदिक साहित्य से लेकर आधुनिक चिंतन तक, गुरु शिष्य परम्परा सभी अन्वेषण और परीक्षण के केंद्र में रही है। डॉ. शहनाज शेख महासचिव राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना ने कहा कि गुरु ही अनुशासन और नम्रता ला सकता है। डॉ. दक्षा जोशी गुजरात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना ने कहा मानव जीवन का उद्देश्य आत्मा को जानना है। जितने भी महानायक हुए हैं उनके गुरु के पथ प्रदर्शन से ही हुए हैं। जिसमें शिवा के गुरु समर्थ रामदास, चंद्रगुप्त के गुरु चाणक्य, गुरु वशिष्ठ, गुरु वाल्मीकि, सांदीपनि आदि का अपने शिष्यों को मानव से महामानव बनाया। आपने कहा कि जीवन में गुरु का महत्वपूर्ण स्थान है। सरोज दवे ने कहा, सत्य मार्ग पर ले जाते हैं गुरु। विशिष्ट वक्ता डॉ प्रभु चौधरी , उज्जैन कोषाध्यक्ष ने सभी गुरुओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। युगपुरुष वेद मूर्ति तपोनिष्ठ विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किया। राष्ट्रीय मार्गदर्शक डॉ हरिसिंह पाल ने कहा, गुरु के प्रति समर्पण होना चाहिए और श्रद्धा रखनी चाहिए। राष्ट्रीय संयोजक पदमचंद गांधी ने कहा, गुरु भगवान के समान है। गुरु शिष्य की सारी परेशानियों को अपने ऊपर ले लेता है।

संचालक डॉ. रश्मि चौबे गाजियाबाद मुख्य ने संचालन करते हुए कहा, हमारे इतिहास में गुरु विश्वामित्र, गुरु सांदीपनि, वशिष्ठ, गुरु नानक, गुरु गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, सावित्रीबाई फुले, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन, राजा राममोहन राय जैसे गुरु हुए हैं। उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए देश और समाज में परिवर्तन लाने का प्रयास किया है।

बम्हनी में शुरू हुई गंगा आरती, हर दिन अभिषेक

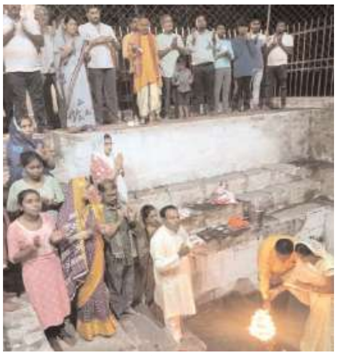

महासमुंद। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्वेत गंगा बम्हनी में गंगा आरती शुरू हुई। पूरे सावन माह भर प्रतिदिन संध्या 6:30 बजे आरती होगी। आयोजन समिति के रामेश्वर पांडेय, खिलावन यादव, गोपाल साहू, भुवन साहू ने बताया कि आयोजन को लेकर बैठक हुई थी जिसमें तैयारी के संबंध में चर्चा हुई। यहां जल लेने आने वाले कांवड़ यात्रियों के लिए शनिवार को भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की जाएगी। बम्हनी में भी बम्हनेश्वर महादेव का प्रतिदिन श्रावणी अभिषेक पूजा सुबह 9 बजे से किया जाएगा। यहां यजमान बनने के लिए मंदिर समिति से संपर्क किया जा सकता है।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

महासमुंद/नवप्रदेश। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी महासमुंद के निर्देश पर विधानसभा खल्लारी 41 के बूथ लेवल अधिकारी एवं बी एल ओ सुपरवाइजर का एक दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को जनपद सभागार बागबाहरा में 50-50 के बैच में प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक रखा गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उमेश कुमार साहू, तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नितिन ठाकुर ने बूथ लेवल ऑफिसर को प्रशिक्षण की गतिविधियों को अच्छे से समझने एवं आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण के समय

त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने के लिए कार्य करने को कहा। मास्टर ट्रैनर्स द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर्स को उनके नियोजन, दायित्व एवं कार्य करने के आचरण तथा वी एच ए एप तथा बी एल ओ ऐप संचालन की विधि बताई, जिसमें प्रोजेक्टर एवं पी पी टी के माध्यम से एप के प्रत्येक चरण को भरकर समझाया गया।

चाचा ने पैसे के लेन-देन में भतीजे को पीटा

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम बरतुंगा में चाचा ने भतीजे से मारपीट कर दी। मामले की रिपोर्ट पिथौरा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस को पुनीतराम यादव ने बताया कि उनका और उनके चाचा मनराखन यादव का जिला सहकारी बैंक में शामिलात खाता है। जिसमें मनराखन ने खेती-किसानी के लिये बैंक से कर्ज लिया। उसने अपने चाचा को कर्ज की रकम जमा करने कहा। इसे लेकर 9 जुलाई की रात करीब 9 बजे जब वह घर के आंगन में बैठा था उसी समय उसका चाचा मनराखन ने आकर कर्ज नहीं पटाउंगा तुझे जो करना है कर ले कहकर गाली -गलौज करते हुए डंडे मारपीट की।

पुराना मंडी में बनेगा आधुनिक एग्रो मॉल

■ 40 करोड़ की परियोजना का प्रस्ताव तैयार

धमतरी/नवप्रदेश। शहर के बीचों-बीच स्थित पुराना मंडी परिसर अब आधुनिकता की ओर अग्रसर होने जा रहा है। नगर निगम द्वारा यहां एग्रो मॉल निर्माण की योजना को लेकर तेज़ी से पहल की जा रही है। रविवार को महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में राजधानी रायपुर से आए कृषि विभाग के अधिकारियों एवं निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में स्थल का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर निगम आयुक्त श्रीमती प्रिया गोयल, उपायुक्त पी.सी. सार्वा, तथा पार्षदगण

संतोष सोनकर, संजय देवांगन, सैलेंद्र रजक, हेमंत बंजारे और ईश्वर सोनकर विशेष रूप से मौजूद रहे। यह महत्वाकांक्षी योजना पीपीपी मॉडल परआधारित होगी, जिसकीअनुमानित लागत लगभग 40 करोड़ रुपये तय की गई है। इस परियोजना का प्रस्ताव शीघ्र ही शासन को स्वीकृति हेतु भेजा जाएगा। महापौर रामू रोहरा ने कहा – हमारा लक्ष्य है कि धमतरी को एक आदर्श कृषि व्यापार केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। यह एग्रो मॉल किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों के लिए एक बेमिसाल सुविधा केंद्र बनेगा।

परियोजना के मुख्य लाभः किसानों के लिए सीधे विपणन और उचित मूल्य की सुविधा कृषि उत्पादों की प्रसंस्करण, भंडारण और पैकेजिंग केंद्र, स्थानीय व्यापार को मिलेगा नया विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप की संभावनाएं, धमतरी को मिलेगा राज्यस्तरीय कृषि पहचान। महापौर रामू रोहरा की यह पहल न सिर्फ शहर के चौरस विकास की दिशा में कदम है ।

प्राथमिक शाला दलदली में नेवता भोज का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। नगरी नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त सरजू राम सिन्हा ने अमेरिका में अध्ययनरत् पौत्र जॉय सिन्हा के जन्मदिन अवसर पर शुक्रवार को शासकीय प्राथमिक शाला दलदली (अ) में नेवता भोज का आयोजन किया. शालेय छात्रों को नेवता भोज में खीर-पुड़ी के साथ कई प्रकार के पौष्टिक पकवान परोसे गए. संस्था के प्रधान पाठक सूर्य नारायण राव ने इस अवसर पर जॉय सिन्हा के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की. शिक्षक राजकुमार शील ने बताया कि नेवता भोज से पोषक मूल्य में वृद्धि के साथ बच्चों में समुदाय के प्रति अपनत्व की भावना बढ़ती है एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता भी आती है. शादी, वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मोत्सव, तीज- त्यौहार के महत्वपूर्ण अवसर पर समुदाय द्वारा पूर्ण भोजन प्रदान कर बच्चों को नेवता भोज कराया जा सकता है. इस अवसर पर रसोइया सुखवती एवं रामिन बाई का सहयोग रहा।

मिनी स्टेडियम में स्काउट्स गाइड्स संघ ने किया पौधरोपण

महासमुंद/नवप्रदेश। मिनी स्टेडियम परिसर में शुक्रवार को स्थानीय संघ महासमुंद द्वारा विकासखंड स्तरीय एक पेंड़ मां के नाम पर पौधरोपण किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकान्त साहू, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष स्काउट गाइड संघ येतराम साहू, उपाध्यक्ष आनंद साहू, अध्यक्षता कौशलेंद्र वैष्णव, स्थानीय संघ के उपाध्यक्षगण देवीचंद राठी, सीता टोंडेकर, स्थानीय संघ के सदस्यगण, स्काउटर गाइडर व स्थानीय स्कूलों के स्काउट्स गाइड्स की उपस्थिति में संक्षिप्त कार्यक्रम शिशु संस्कार स्कूल के सभागार में हुआ। स्थानीय संघ अध्यक्ष कौशलेंद्र वैष्णव ने कहा कि एक पेंड़ मां के नाम से पूरे राज्य में जिला, ब्लॉक व विद्यालय स्तर पर वृहद पौधरोपण किया जाना है साथ ही स्थानीय संघ का वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष जुलाई माह में पौधरोपण स्काउट गाइड संघ की ओर से किया जाता है। येतराम साहू ने राज्य मुख्यालय द्वारा आयोजित वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज पर्यावरण प्रदूषित होने का मुख्य कारण है पेड़-पौधों का संरक्षण नहीं होना, इसलिए हम सब स्काउट गाइड परिवार मिलकर पौधरोपण करेंगे और संरक्षण भी करेंगे, जो हमारे स्काउट गाइड के नियम का एक भाग है। 'एक पेड़ मां के नाम'यह हमारे पीएम नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। उनके सपने को हम सभी को साकार करना है। मुख्य अतिथि निखिलकांत साहू ने कहा कि पेड़ -पौधे हमारी सृष्टि का एक अनोखा वरदान है।

तैयारी...

सिरपुर में श्रीगंधेश्वर महादेव का होगा जलाभिषेक

महासमुंद जिले में सावन सोमवार की तैयारी में लगे कांवरियां

महासमुंद/नवप्रदेश। सावन माह का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा। इस दिन विभिन्न क्षेत्रों से कांवरिए सिरपुर पहुंच गंधेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना करेंगे। हालांकि पहले सोमवार को कांवरियों की संख्या बहुत अधिक नहीं रहेगी पर तीसरे व चौथे सोमवार को बड़ी संख्या में यहां कांवरिए पहुंचेंगे। जिसको लेकर तैयारी शुरू हो गई है। बाजार में इन दिनों कांवर यात्रा से संबंधित सामानों की खरीदी करने भोलेनाथ के भक्तों की भीड़ बढ़ गई है।

बता दें कि इस बार 4 सावन सोमवार पड़ रहे हैं। सावन के हर सोमवार को महासमुंद जिला सहित आस-पास के जिला सहित अन्य प्रांतों से भी हजारों शिवभक्त सिरपुर स्थित बाबा गंधेश्वर

महादेव का जलाभिषेक करते हैं। इसके लिए वे जिला मुख्यालय से 9 किलोमीटर दूर स्थित श्वेत गंगा बम्हनी से कांवड़ यात्री शनिवार को जल लेने पहुंचते हैं और रविवार की दोपहर सिरपुर पहुंचकर रात्रि विश्राम उपरांत सोमवार को बाबा गंधेश्वरनाथ का जलाभिषेक करते हैं। 11 जुलाई से सावन माह प्रारंभ हो गया है। इस बार प्रथम सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा। इसी तरह 21, 28 जुलाई 4 अगस्त को द्वितीय तृतीय व चतुर्थ सावन सोमवार पड़ेगा। रविवार को जल लेकर आने वाले कांवर यात्रियों के लिए सिरपुर में भोजन व्यवस्था बोल बम सेवा समिति द्वारा रात्रि में की जाती है। बोलबम सेवा समिति सिरपुर के अध्यक्ष थनवार यादव, उपाध्यक्ष सुंदर साहू व संजय पांडेय ने बताया कि प्रथम रविवार 13 जुलाई को निहाल सोनकर द्वारा भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। इसी तरह 20 जुलाई को सुंदर साहू व 27 जुलाई को जोगेंदर, निरंजन सिंह, लक्ष्मण पटेल परिवार तथा 3 अगस्त को पूर्व जिला पंचायत सभापति अमर अरुण चंद्राकर द्वारा भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

श्री गंधेश्वर नाथ महादेव मंदिर में भी तैयारी पूरी

सिरपुर में भी सावन को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। श्री गंधेश्वरनाथ महादेव ट्रस्ट सिरपुर के मैनेजिंग ट्रस्टी दाऊलाल चंद्राकर, मंगलू ढीमर ने बताया कि सावन माह में अनेक आयोजन यहां किए जाएंगे। इस बार 27 जुलाई को संध्या 6 :30 बजे गंधेश्वर महादेव मंदिर के नीचे महानदी तट पर चित्रोत्पला गंगा आरती की जाएगी। इसी तरह 1 अगस्त को भोलेनाथ का महानदी तट से मानव श्रृंखला बनाकर सहस्र जलधारा अभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त की दोपहर 1 राजाधिराज श्री गंधेश्वर नाथ महादेव की सवारी पालकी यात्रा मंदिर से निकलेगी, जो सिरपुर भ्रमण उपरांत वापस मंदिर पहुंचेगी। बाबा के सिरपुर भ्रमण के दौरान मंदिर का पट बंद रहेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

बिजली दर में वृद्धि कर जनता को लूटने की तैयारी कर रही सरकार : विनोद

महासमुंद/नवप्रदेश। पूर्व संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन में प्रदेश की जनता को बिजली बिल हाफ योजना के तहत 200 यूनिट बिजली मुफ्त प्रदान की जाती थी। उक्त योजना को भाजपा की साय सरकार ने पहले ही बंद कर दी है। अब बिजली की दरों में वृद्धि कर जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने की कवायद यह सरकार कर रही है। श्री चंद्राकर ने कहा कि सरकार व बिजली नियामक आयोग ने प्रदेश में बिजली दरों में 15 से 20 पैसे की बढ़ोतरी कर दी है। अब घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल भरने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। बिजली कंपनियों को 4550 करोड़ रुपये का घाटा

बताते हुए इसकी भरपाई जनता से करने की तैयारी सरकार कर रही है। प्रदेशवासियों को महंगाई कम करने का वादा कर सत्ता में आई भाजपा ने महंगाई और बढ़ा दी। सरकारी कार्यालयों का 1750 करोड़ रुपये बिजली बकाया है, लेकिन इन कार्यालयों से बिल की वसूली नहीं की जा रही। इसके विपरीत आम जनता का 500 रुपए भी बाकी हो तो बिजली विभाग के कर्मचारी लाइन काटने पहुंच जाते हैं। बिजली दरों में वृद्धि के लिए की गई जनसुनवाई भी चोरी-छुपे कर ली गई।

■ न्यूज गैलरी

शाला में प्रार्थना के दौरान डीईओ को मिले चार शिक्षक अनुपस्थित

खैरागढ़। शहर के कन्या शाला का औचक निरीक्षण करने पहुँचे डीईओ लालजी द्विवेदी को प्रार्थना के दौरान चार शिक्षक अनुपस्थित मिले। शनिवार को स्कूल पर प्रार्थना के दौरान शाला के शिक्षक विभाष पाठक, किशोर यादव, विनीता दीक्षित और सरोज बाला साहू अनुपस्थित रहे। डीईओ द्विवेदी ने प्रार्थना के दौरान न आने वाले शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। प्रार्थना के बाद डीईओ ने स्कूल में शाला अभिलेखों पाठकान, बालकांन पंजी का अवलोकन किया और छात्राओ को प्रेरित करते हुए कहा कि शाला में निर्धारित समय पर पहुंच कर लगन से अध्यापन करें। डीईओ ने शालेय गतिविधियों खेलकूद, सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने छात्राओं को प्रेरित किया। डीईओ ने शाला में अनुशासन व अन्य व्यवस्था पर संतोष जताया।

89 नग गुम मोबाइल ढूंढ कर मोबाइलधारकों को लौटाया

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को गुम मोबाईल बरामद करने के निर्देश दिये गये थे। 2 माह में थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में सर्वधिक 30 नग गुम मोबाईल बरामद किये गए हैं। थाना कोतवाली द्वारा 25 नग, थाना सोमनी द्वारा 04 नग, थाना घुमका द्वारा 02 नग, थाना डोंगरगढ़ द्वारा 04 नग, थाना बागनदी द्वारा 03 नग, थाना छुरिया द्वारा 05 नग, थाना डोंगरगांव द्वारा 06 नग, थाना गैंदाटोला द्वारा 05 नग और सायबर सेल द्वारा 05 नग गुम मोबाईल बरामद किये गए हैं। इस तरह कुल 89 नग गुम मोबाइल जिनकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये है, जिले और जिले से बाहर छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से बरामद कर मोबाइल स्वामी को लौटाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा मोबाइल धारकों को उनके गुम मोबाईल का वितरण किया गया। अभियान में सभी थाना प्रभारियों के साथ आरक्षक भवानी थानापति व कुश बघेल थाना बसंतपुर की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

शाला में मना गुरु पूर्णिमा उत्सव

खैरागढ़। ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला कट्टाहा नवागांव में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन के बाद प्रधान पाठक रामलाल साहू ने छात्रों को बताया कि भारतीय वेदों के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म इसी दिन हुआ था। महर्षि वेद व्यास हमारे प्रमुख वेद, महाभारत, गीता, गरूड़ पुराण जैसे 18 वेदों के रचनाकार हैं। उन्होंने चारों वेदों का विभाजन कर व्यवस्थित किया। महर्षि वेद व्यास के जन्म दिवस को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। प्रथम गुरु माता-पिता हैं।

शिक्षा जीवन का महत्वपूर्ण अंग : सांसद पांडेय

स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए

कवर्धा। स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सहसपुर लोहारा में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद संतोष पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद पांडेय ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो हमें ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करता है। नए प्रवेश लेने वाले बच्चों का स्वागत करते हुए सांसद ने कहा कि यह विद्यालय आपके लिए एक दूसरा घर है। शिक्षा से जीवन संवरता है। शिक्षा अच्छा जीवन जीने की राह दिखाती है। हम शिक्षित होकर देश व समाज के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं। बच्चे देश के भविष्य हैं। बच्चे शिक्षित होंगे तो देश का भविष्य उज्जवल होगा। उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं कड़ी मेहनत कर अच्छे परिणाम लाएं और अपने परिवार व स्कूल का नाम रोशन करें। उन्होंने स्कूल की अच्छी पढ़ाई व बेहतर परीक्षा परिणाम की प्रशंसा भी की। प्राचार्य व शिक्षकों सहित सभी छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामना दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष मिश्रा, लालाराम साहू, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अशोक पटेल, परेटन वर्मा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष हेमंत साहू, सोहन शिवोपासक, पार्षद दिवाकर डडसेना, महेंद्र श्रीवास्तव, मनीष नागराज, राजेंद्र पाल, एसएमसी अध्यक्ष दानी मिश्रा उपस्थित थे। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी संतोष भास्कर, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी संतोष तिवारी, प्राचार्य तुरकले, शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

इसी स्कूल में पढ़े थे सांसद

सांसद पांडेय ने इसी स्कूल में पढ़ाई की थी। उन्होंने अपने उद्बोधन में अपने स्कूल के समय की कई बातों का ज़िक्र भी किया और छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने शिक्षाप्रद कहानियाँ भी सुनाई। छात्र-छात्राएं भी सांसद को अपने बीच पाकर अति उत्साहित हुए।

शहादत दिवस पर वीर सपूत निकेश को किया नमन

खैरागढ़/नवप्रदेश। मदनवाड़ा नक्सली हमले मे राजनांदगांव एसपी शहीद विनोद चौबे के साथ शहीद हुए नगर के वीर सपूत निकेश यादव की शहादत पर उनके निवास वार्ड में पुलिस ने श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों का सम्मान किया। दाउचौरा वार्ड निवासी शहीद निकेश यादव ने मदनवाड़ा नक्सली हमले में नक्सलियों से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहूति दी थी। शहर के शहीद निकेश यादव के शहादत दिवस पर पुलिस के अधिकारियों और जवानों ने थाना प्रभारी अनिल शर्मा की अगुवाई में दाउचौरा दुर्गा चौक स्थित शहीद निकेश प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की।

आईजी व एसपी ने शिविर में किया रक्तदान, शहीदों की याद में रोपे गए पौधे

नक्सलियों से लोहा लेने वाले 29 शहीद पुलिस जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस विभाग ने मानपुर के ग्राम कोरकोट्टी में 12 जुलाई 2009 को नक्सलियों से अदम्य साहस व वीरता के साथ लोहा लेते हुए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद विनोद कुमार चौबे सहित 29 पुलिस जवानों के शहादत को आज नमन किया गया। राजनांदगांव जिले में पुलिस विभाग के अफ़सरों समेत जवानों की शहादत दिवस के मौके पर हर साल की तरह जिले के रक्षित केन्द्र वं समस्त थाना/चौकी/कैम्प में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये गए। सुबह 9 बजे शहीद विनोद चौबे की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद सुबह 9:20 बजे रक्षित केन्द्र राजनांदगांव के शहीदों के स्मारक व मंगल भवन में वीर सपूतों की तस्वीरों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मंगल भवन प्रांगण में डीजे राजनांदगांव सुषमा सावंत, पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज राजनांदगांव अभिषेक शांडिल्य और पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मंगल भवन में उपस्थित रंजना चौबे सहित शहीद परिवार के सभी सदस्यों को शाल, श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल नीलू शर्मा, सचिन बघेल, कुलबीर छाबड़ा व गणमान्य नागरिकों द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। आईजी अभिषेक शांडिल्य व एसपी मोहित गर्ग सहित जिले के अधिकारी/कर्मचारियों ने रक्तदान कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डीजे सुषमा सावंत, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे व एसपी मोहित गर्ग, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, एडीएम सीएल मारकण्डेय, एएसपी मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी चिराग गुप्ता, एएसपी ऑप्स मुकेश ठाकुर, एएसपी राहुल देव शर्मा, आईटीबीपी डीसी जीत जेम्स, डीएसपी तनुप्रिया ठाकुर, रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर व जिला के अधिकारी, कर्मचारीगण, शहीद परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस अफसरों और जवानों ने दी थी शहादत

मानपुर के ग्राम कोरकोट्टी में 12 जुलाई 2009 को नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार चौबे, निरीक्षक विनोद ध्रुव, उपनिरीक्षक कोमल साहू, उपनिरीक्षक धनेश साहू, प्र. आर. सुन्दर लाल चौधरी, प्रआर. दुष्यंत सिंह, आर. प्रेमचंद पासवान, आर. अरविन्द शर्मा, प्रआर. गीता भंडारी, प्रआर. जखरियस खल्खो, प्रआर. संजय यादव, आरक्षक प्रकाश वर्मा, बेदूराम सुर्यवंशी, सुभाष बेहरा, टिकेश्वर देशमूख, सुर्यपाल वट्टी, अजय भारद्वाज, मनोज वर्मा, लोकेश छेदइया, श्यामलाल भोई, मिथलेश कु. साहू, आर. रजनीकान्त, आर. निकेश यादव, आर. संतराम साहू, आर. झाडूराम वर्मा, आर. अमित नायक, आर. वेदप्रकाश यादव, आर. रितेश कु.वैष्णव, आर. लालबहादुर नाग ने शहादत दी थी।

महापौर मधुसूदन ने मदनवाड़ा में अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव/नवप्रदेश। महापौर मधुसूदन यादव ने ठा. प्यारे लाल चौक स्थित शहीद चौबे की प्रतिमा पर शहीद स्व. विनोद चौबे की धर्मपत्नी रंजना चौबे और नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले की उपस्थिति में मदनवाड़ा में शहीद हुए पुलिस अधीक्षक स्व. विनोद चौबे सहित 28 पुलिस कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महापौर यादव ने पुलिस लाइन स्थित रक्षित केन्द्र में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सम्मलित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिजनों को सांत्वना दी। महापौर यादव ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 12 जुलाई 2009 को राजनांदगांव जिले के मदनवाड़ा के जंगलो में जांबाज पुलिस अधीक्षक शहीद विनोद चौबे और हमारे वीर पुलिस जवानों ने अपने प्राणों की परवाह न कर नक्सलियों से लोहा लिया। एसपी शहीद विनोद चौबे छत्तीसगढ के नक्सल आपरेशन में शहादत होने वाले देश के पहले आई.पी.एस. अधिकारी थे, जो नक्सली मुठभेड़ में शहीद हुए। उन्होंने नक्सली वारदात की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर जाकर अपने सिपाहियों का मनोबल बढ़ाने स्वयं नक्सलियों से लोहा लिया। लगातार 3-4 घण्टे तक लड़ते लड़ते नक्सली मुठभेड़ में शहीद हो गए। उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया था। ऐसे महान पुलिस कर्मियों को हम नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

धरने पर मां की गोद में 15 दिन का मासूम, 24 घंटे बाद सुनी गई फरियाद

■ निजी जमीन पर सड़क निर्माण के विरोध में कलेक्टर कार्यालय में दिया धरना

कवर्धा/नवप्रदेश। निजी जमीन पर सड़क बनाने की शिकायत को लेकर बोड़ला विकासखंड के सिंधनपुरी गांव के साहू परिवार ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में धरना दिया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 1 बजे 15 दिन के मासूम को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। उनकी निजी जमीन पर जबरन सड़क बनाई जा रही थी। इसे लेकर परिवार ने तहसील कार्यालय में शिकायत की थी। कार्रवाई न होने पर 25 घंटे तक पूरा परिवार कलेक्टर कार्यालय में धरने पर बैठे रहा। इसके बाद कार्यवाही की गई। धरने के दौरान एक मां गोद में 15 दिन के मासूम को लेकर दिन भर धूप में बैठे रही। रात भर खुले आसमान के नीचे बैठी रही। यह दृश्य न केवल प्रशासन के संवेदनहीन रवैये पर सवाल उठाता है, बल्कि आमजन की बेबसी को भी बयां करता है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि जिस जमीन पर सड़क बनाई जा रही है, वह उनकी 98 डिसमिल की पुश्तैनी निजी जमीन है। आरोप है कि गांव के पूर्व सरपंच के परिजन दबाव बनाकर इस जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और निर्माण कार्य थोप रहे हैं। इस मामले की शिकायत पीड़ित ने 10 दिन पहले तहसील कार्यालय में भी की थी, पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

शुक्रवार को परिवार ने कलेक्टर कार्यालय की शरण ली। रात तक धरने पर डटे रहने पर कवर्धा के तहसीलदार और डीएसपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण का कार्य फ़िलहाल रोक दिया गया है। साहू परिवार ने तुरंत मोबाइल निकालकर सीसीटीवी फुटेज दिखाकर बताया कि अभी भी निर्माण चल रहा है। परिवार ने बताया कि उन्हें लोहारीडीह जैसी घटना की धमकी दी गई है। इस डरे-सहमे परिवार को उम्मीद है कि जिला प्रशासन उनकी बात सुनेगा और उन्हें न्याय दिलाएगा। आखिकार 24 घंटे बाद फरियाद सुनी गई और राजस्व की पूरी टीम सीमांकन के लिए पहुंची। गांव के लोग शनिवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और मुख्य गेट के पास बैठकर धरना दिया। कलेक्टर से ग्रामीणों की चर्चा के बाद ही ग्रामीण आपने ग्राम वापस लौटे।

शिविर का आयोजन

खैरागढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 77 वें स्थापना दिवस के अवसर पर खैरागढ़ इकाई द्वारा नगर के शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य व रक्तजांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। रक्त जांच की गई। कार्यक्रम में श्रीराम यादव, गुलशन भगत, ऋतिक कंडरा, राजहंस वर्मा, हर्ष वर्मा,महेश पटेल, उत्कर्ष बघेल, जीतेश बिसेन मौजूद थे।

राज्यपाल के गोद ग्राम सोनपुरी में शिविर

खैरागढ़। राज्यपाल के गोद ग्राम सोनपुरी में समाज कल्याण विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों के वार्षिक सत्यापन के लिये आधार आधारित मोबाइल एप्लीकेशन बेनिफिशरी सत्यापन ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का सत्यापन किया गया। शिविर में 7 हितग्राही उपस्थित हुए। शिविर में ग्राम पंचायत के 17 वृध्दजनों द्वारा वृध्दावस्था पेंशन की मांग पर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार सभी के आवेदन भराए गए। 5 दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र व यूडीआईडी कार्ड की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

महिला कमांडो ने 9000 बेटियों को दी पाठ्य सामग्री

बालोद/नवप्रदेश। दस हजार बालिकाओं को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य लेकर महिला कमाण्डो अपने कार्य को पूरी निष्ठा के साथ पूरा कर रही हैं। नशामुक्ति, महिला साक्षरता, स्वच्छता व समाज कल्याण, बाल कल्याण के क्षेत्र में महिला कमांडो अहम भूमिका निभा रही हैं। पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिये घर-घर जाकर लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में 2010 से महिला कमांडो बालिका शिक्षा प्रोत्साहन का कार्य कर रही है। दानदाताओं से संपर्क कर शाला में पढने वाली छात्राओं के लिए एक कॉपी, एक पेन और एक पहाड़ा की पुस्तक दान लेकर दानदाताओं के हाथों से छात्राओं को प्रदान किया जाता है। अब तक लगभग 9000 बालिकाओं को प्रोत्साहित किया जा चुका है। शिक्षा सत्र के दौरान 1000 बालिकाओं को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है। पद्मश्री शमशाद बेगम बताती है कि इस कार्य के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पूर्व जिला विकास प्रबंधक दुर्ग दीपिका मायखो वर्तमान में उप महाप्रबंधक हेड ऑफिस नाबार्ड मुम्बई ने 222 बालिकाओं के लिए कॉपी, पेन, पहाड़ा पुस्तक प्रदान किया है। इसी तरह बीके मिश्रा पूर्व जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड दुर्ग ने 200 बालिकाओं के लिए सामग्री प्रदान की है। दान में मिली सामग्री महिला कमांडो के माध्यम से स्कूलों में जाकर वितरित की गई है।

लाइसेंस, रजिस्टर, खरीदी गई वस्तुओं के विवरण व ग्राहक की पहचान से संबंधित दस्तावेजों की जांच की

कबाड़ियों की दुकानों की चेकिंग करने पुलिस ने चलाया अभियान

राजनांदगांव/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश पर आज राजनांदगांव शहर में संचालित कबाड़ी दुकानों की जांच की गई।

सघन अभियान चलाते हुए कबाड़ी दुकानों के लाइसेंस की जांच की गई। रजिस्टर पर खरीदी गई सामग्री का विवरण व ग्राहक की पहचान से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई। सख्त निर्देश देते हुए कबाडियों को चोरी की सामग्री की खरीदी न करने की हिदायत दी गई।

पुलिस टीम ने गनी कबाड़ी गंज चौक रोड, मुन्ना कबाड़ी बजरंग चौक लोहार पारा, अरूण कबाड़ी लखोली नाका पोहा मिल के पास, सलीम कबाड़ी राजीव नगर चौक लखोली, हसन कबाड़ी कंचनबाग रोड, सलमान कबाड़ी उदयाचलके सामने, अरूण कबाड़ी लखोली नाका, डैनी कबाड़ी पुराना गंज चौक, एहसास मलिक केशर नगर रोड, बंगाली कबाड़ी बंगाली चाल बसंतपुर, गुप्ता कबाड़ी नया बस स्टैण्ड के पास राजनांदगांव रफीक कबाड़ी ममता नगर रोड राजनांदगांव, शफीक उर्फ बैगा कबाड़ी रमन मार्केट चिखली, इब्राहिम कबाड़ी गठुला नाला के पास चिखली राजनांदगांव में आकस्मिक चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान चोरी का सामान नहीं पाया गया। कबाड़ी दुकान में रखे पुराने दुपहिया, चार पहिया वाहनों समेत कबाड़ सामानों की जांच तस्दीक के लिये दुकान संचालकों को नोटस जारी कर दस्तावेज प्रस्तुत करने थाना तलब किया गया। चोरी के सामान की खरीदी बिक्री नहीं करने सख्त हिदायत दी गई। शहर में संचालित कबाड़ी दुकानों की लगातार चेकिंग जारी रहेगी। कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनांदगांव, एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम व निरीक्षक रामेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली, निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर, निरीक्षक नंदकिशोर गौतम पुलिस अधीक्षक कार्यालय राजनादगांव व थाना पेट्रोलिंग और पुलिस लाइन स्टॉफ उपस्थित रहे।

श्रावण पर्व पर महाअभियान शुरु

खैरागढ़/नवप्रदेश। श्रावण मास के पहले दिन निर्मल त्रिवेणी महाअभियान के पौधारोपण की शुरुआत हनुमान मंदिर परिसर से की गई। इस मौके पर हनुमान प्रतिमा के समक्ष सिंदूरी का पौधा रोपित कर हरियाली की शुभ शुरुआत की गई। साल 2019 से लगातार पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय महाअभियान के माध्यम से इस बार मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर 50 से 60 पौधे रोपित किए जाएंगे। आयोजन में स्थानीय स्वयंसेवकों और वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। महाअभियान में सिर्फ पौधे नहीं लगाए जाते, बल्कि उनके पेड़ बनने तक निरंतर संरक्षण भी किया जाता है। गर्मियों में थाल निर्माण, जल सिंचन और ढोलियों की व्यवस्था जैसी गतिविधियाँ की जाती हैं।

पेज -1 का शेष

दस साल से अधिक....

प्रतिशत किया गया है। यह निर्णय व्यापार जगत को सहूलियत देने वाला साबित होगा। जीएसटी प्रणाली में वाउचर पर करदेयता के संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए 'टाइम ऑफ सप्लाई' के प्रावधान को विलोपित किया गया है। इस संबंध में विभिन्न एडवांस रूलिंग अथॉरिटी में मतभिन्नता थी, अतः एकरूपता के प्रयोजन से यह संशोधन लाया गया।

विधानसभा में पेश होगा ...

करने का काम करेगा।

2031 तक होगी 50 लाख की आबादी

2031 तक इस क्षेत्र में लगभग 50 लाख लोगों के रहने की संभावना है। इसलिए भूमि का प्रभावी उपयोग और पर्यावरण की रक्षा करते हुए शहरी विकास सुनिश्चित करना जरूरी है। इस तरह राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों को बेहतर, सतत और सुव्यवस्थित बनाने में मदद करेगा।

आवास एवं पर्यावरण विभाग के मुताबिक़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण(एससीआर) एक वैधानिक निकाय की स्थापना करना आवश्यक है। यह प्राधिकरण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र(एनसीआर), हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अनुरूप होगा। इस प्राधिकरण का उद्देश्य राजधानी क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए जिम्मेदार शीर्ष योजना, नियामक और समन्वय संस्थान के रूप में काम करना होगा। इसके कार्यों में स्थानीय योजनाओं, निवेश/आर्थिक और अधोसंरचना विकास को बढ़ावा देना तथा नियोजित शहरी विकास के सिद्धांतों के अनुसार व्यवस्थित और नियोजित शहरी विस्तार सुनिश्चित करने के लिए विकास मानदंडों और मानकों को लागू करना होगा।

नासा में भारत का...

मुझे उनसे बहुत प्रेरणा मिलती है।

दिव्यांश की मां अंजू ने कहा, मेरा यही कहना है कि वहां जाकर यह अपना सर्वश्रेष्ठ काम करे। वह 15 दिन के लिए जा रहा है, जिस दौरान उसे बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने आगे कहा, मैं यही चाहती हूं कि वो अपना बेस्ट करे और भारत का नाम रोशन करके आए।

करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता ने दिव्यांश को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा, ÷दिव्यांश ने बहुत मेहनत की है, जिससे उसे नासा में जाने का मौका मिला है। मैंने उसका विजन समझा है, जिस तरह वो एक अंतरिक्ष यात्री बनना चाहता है। उसके लिए 15 दिन ऐतिहासिक होने वाले हैं।

निजी क्षेत्र में रोजगार के ...

स्कीम्स के दायरे में लाया गया है।आज वर्ल्ड बैंक जैसी बड़ी वैश्विक संस्थाएं भारत की प्रशंसा कर रही हैं।भारत को दुनिया के सबसे अधिक समानता वाले शीर्ष के देशों में रखा जा रहा है। मोदी ने कहा कि है इस तरह के रोजगार मेले युवा शक्ति को सशक्त बनाने तथा विकसित भारत का माध्यम बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं ।

एक करोड़ 18 लाख के 23 ...

पुनर्वास नीति और नियाद नैलानार जैसी योजनाओं से प्रभावित होकर सरेंडर किया है।

शांति और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

इस कार्रवाई में जिला पुलिस बल, सीआरपीएफ एसटीएफ और कोबरा बटालियन समेत कई एजेंसियों की बड़ी भूमिका रही। यह सुकमा में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हिड़मा का गनमैन कलमू ...

ऑपरेशन में हिड़मा, देवा और चंद्रन्ना सभी मौजूद थे।

अब तक 427 से ज्यादा ...

अभियानों को अपनी बहादुरी से सफ्ल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है।

टेकऑफ के दौरान कोई ...

आम तौर पर 2 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद ऑटोपायलट लगाया जाता है। इस दौरान पायलट का ध्यान सिर्फ फ्लाइट को कंट्रोल करने पर होता है।

एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया फ्लाइट 171 के इंजनों को ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक के बाद एक 'रन' से 'कटऑफ' पोजिशन में चले गए, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए।

जांच रिपोर्ट के अनुसार, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को दूसरे से पूछते हुए सुना गया कि उसने ईंधन बंद क्यों किया, जिसके जवाब में दूसरा पायलट कहता है कि उसने ऐसा नहीं किया।मार्टिन ने कहा कि इस रिपोर्ट का सभी 787 ऑपरेटरों पर वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह लगभग असंभव है कि कोई भी पायलट, खासकर टेकऑफ के दौरान, थ्रस्ट लेवल के पीछे लगे स्विचों में दखलंदाजी या छेड़छाड़ करना चाहेगा। ज्यादा से ज्यादा, आप कॉकपिट के आगे वाले पैनल में लगे लैंडिंग गियर को ऊपर उठाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, या फ्लैप्स को ऊपर उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि पूरी, व्यापक जांच रिपोर्ट आने का इंतजार करना जरूरी है। बता दें कि विमान के दोनों पायलट के पास उड़ान से पहले पर्याप्त आराम का समय था। को-पायलट उड़ान संचालित कर रहा था, जबकि मुख्य पायलट उड़ान की निगरानी कर रहा था। फ्लाइट एआई171 का चालक दल हवाई अड्डे पर पहुंचा था और उड़ान से पहले ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया गया था, जिसमें वे उड़ान के लिए फिट पाए गए थे। विमान में कुल 230 यात्री सवार थे, जिनमें 15 बिजनेस क्लास में और 215 इकोनॉमी क्लास में थे।

न्यूज गैलरी

ग्रामसभा आयोजन में लापरवाही सचिव को कारण बताओ नोटिस

दुर्ग (अंजोरा)। जनपद पंचायत दुर्ग द्वारा ग्राम पंचायत चिंगरी के सचिव कुलेश्वर प्रसाद साहू को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। शासन द्वारा निर्धारित तिथि में ग्रामसभा का आयोजन न करने पर नोटिस जारी किया गया है। शासन द्वारा 1 जुलाई को ग्राम पंचायत चिंगरी में ग्रामसभा आयोजन प्रस्तावित किया था, लेकिन सचिव द्वारा ग्रामसभा का आयोजन नहीं किया गया। यह सचिव की लापरवाही और कार्य के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। सचिव को लिखित जवाब 2 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से देने कहा गया है। निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत न करने पर सचिव के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

दुर्ग-भिलाई एससीआर में शामिल गजेन्द्र ने साय का जताया आभार

दुर्ग। स्टेट कैपिटल रीजन में दुर्ग-भिलाई को शामिल किये जाने पर शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने विष्णुदेव साय सरकार के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र का विकास दुगुनी गति से होगा। यहां के नागरिकों काजीवन स्तर ऊँचा उठेगा। शहर के विकास में यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा। रायपुर, दुर्ग-भिलाई और नया रायपुर अटल नगर में तेजी से बढ़ती आबादी और शहरीकरण को देखते हुए इस क्षेत्र के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह प्राधिकरण कार्य करेगा। प्राधिकरण राजधानी क्षेत्र के लिए योजना बनाने, निवेश को बढ़ावा देने, विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के बीच समन्वय और शहर के विस्तार को सही ढंग से नियंत्रित करने का काम करेगा।

आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र-मुरूमखदान व वृन्दानगर 1 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आवेदन 14 से 28 जुलाई तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई 01 (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी भिलाई) में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आरसेटी द्वारा बेरोजगारों को प्रशिक्षण शुरू

दुर्ग। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। संस्थान द्वारा जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र के युवक/युवतियों हेतु जुलाई माह में निःशुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) प्रशिक्षण शुरु हो गया है।

फार्मर रजिस्ट्री में पिछड़ा दुर्ग जिला, सिर्फ 63435 किसानों ने कराया कृषक पंजीयन, कलेक्टर ने दिये लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

- **बीते वर्ष 1,14,000 किसानों ने कराया था पंजीयन**
- **नजूल वसूली और भू-अर्जन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर : कोर्ट प्रकरणों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर**

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर कृषक पंजीयन (फार्मर रजिस्ट्री) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी पात्र कृषकों का पंजीयन प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर अभिजीत ने कहा कि कृषक पंजीयन, कृषि क्षेत्र के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीधे पहुँच सकेगा। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि किसान स्वयं, मोबाइल ऐप, कॉमन सर्विस सेंटर या पटवारी की मदद से शीघ्रता से पंजीयन कराएं।

बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष 1,14,000 किसानों ने पंजीयन कराया था, जबकि इस वर्ष अब तक केवल 63,435 किसानों ने ही पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने लक्ष्य पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। कृषक पंजीयन में सभी कृषि भूमि का विवरण भू-अभिलेख के अनुसार सुनिश्चित किया जा सकेगा। मृतक भूस्वामी के स्थान पर वारिसान भूस्वामी का नाम दर्ज करने की सुविधा होगी। प्रत्येक भूखण्ड एक या एक से अधिक भूधारक के नाम दर्ज होगा। प्रत्येक भूस्वामी का आधार नंबर प्रविष्टि होगा। भूमि के खरीदी ब्रिकी, उत्तराधिकारी या बंटवारा के माध्यम से भू-अभिलेख दुरुस्त किए जाने पर स्वतः अद्यतन होगा।

बैठक में राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, डायवर्सन और राजस्व वसूली की स्थिति की जानकारी ली। इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसीलदार पाँच गाँवों का चयन कर वहाँ के भू-अभिलेखों की त्रुटियों की पहचान करें और उनका समयबद्ध सुधार करें। डिजिटल हस्ताक्षर, आधार और मोबाइल नंबर की प्रविष्टि कार्यों को प्राथमिकता के साथ प्रतिदिन अपडेट करने के निर्देश दिए।

धान खरीदी की तैयारी को लेकर भी कलेक्टर ने विस्तृत चर्चा की। जिले में वर्तमान में 87 धान खरीदी केंद्र संचालित हैं और नये केंद्रों के लिए गाँवों के समीप ही भूमि चिन्हित करने कहा ताकि खरीदी के समय किसी प्रकार की दिक्कत न हो। जलभराव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी राहत शिविरों की पहचान करने और वहाँ रहने, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विवादित नामांतरण प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि एक पटवारी के पास दो से अधिक हल्के नहीं होने चाहिए। सीमांकन प्रतिवेदन की तिथि निर्धारित कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने और नक्शा बटांकन कार्यों के लिए टीम बनाकर तत्परता से कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने गिरदावरी सर्वेयर और राजस्व निरीक्षकों का प्रशिक्षण इसी माह आयोजित कराने के निर्देश भी दिए। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की सूची अद्यतन करने, अपात्र लोगों को लाभ न मिले इस पर विशेष ध्यान देने, और भू-आबंटन प्रकरणों की जानकारी एकत्र कर चिन्हांकित स्थलों का निरीक्षण सुनिश्चित करने कहा गया।

नजूल पट्टा नवीनीकरण, नजूल राजस्व बकाया की वसूली और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर जोर दिया गया। भू-अर्जन से जुड़े प्रकरणों में फौती नामांतरण अनिवार्य रूप से करने, अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा किसी भी मामले में विलंब या पेंडिंसी न होने की सख्त हिदायत दी गई। कोर्ट केसों को गंभीरता से लेने और आदेश-पत्रों को समुचित संबंधित कर समय पर कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं होने चाहिए। उन्होंने राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों तथा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों से उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।

वार्ड में शासकीय संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने विधायक ललित ने शासन को लिखा पत्र

भिलाई/नवप्रदेश। शासकीय संपत्ति पर अतिक्रमण विशेषकर को लेकर विधायक ललित चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ शासन को पत्र लिखा है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा है कि वार्ड पार्षद और स्थानीय रहवासियों के पास उनके वार्ड की शासकीय संपत्ति ब्यौरा की प्रमाणित सूची न होने के कारण अतिक्रमण हो रहे हैं। नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड पार्षद को उसके वार्ड में स्थित शासकीय संपत्ति ब्यौरा होना चाहिये। विधायक ने मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री के साथ ही राजस्व मंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि भिलाई और रिसाली निगम की संपत्ति का ब्यौरा प्रत्येक वार्ड के अनुसार सार्वजनिक किया जाए। प्रत्येक वार्ड में स्थित शासकीय संपत्ति की प्रमाणित सूची पार्षद को उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रत्येक वार्डवासी को शासकीय संपत्ति की जानकारी मिल सके। विधायक ललित चंद्राकर ने इस संबंध में पहल करते हुए आयुक्त नगर निगम रिसाली और भिलाई को पत्र लिखकर सूचित किया है कि निगम संपत्ति ब्यौरा सार्वजनिक करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करते हुए वस्तुस्थिति से अवगत कराएं, ताकि आवश्यकता के अनुसार शासन से वांछित दस्तावेज और अन्य दिशा निर्देश प्राप्त किया जा सके। निगम की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक होने पर अवैध कब्जे की जानकारी नगर निगम को फौरन मिलेगी। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों द्वारा निगम प्रशासन की जवाबदेही तत्काल सुनिश्चित कराना संभव होगा। इसके अलावा अवैध विदेशियों की पहचान आसान हो जाएगी।

नगरीय प्रशासन विभाग एवं राजस्व विभाग से प्रमाणित शासकीय संपत्ति ब्यौरा मिलने पर विकास की कार्य योजना बनाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में नगरीय निकायों के विकास कार्यों की कार्ययोजना बनाते समय निगम सलाहकार समिति और एमआईसी के सदस्य पार्षदों के पास निगम संपत्ति का ब्यौरा नहीं होता है। भिलाई और रिसाली निगम क्षेत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन से निर्माण कार्य करने की अनुमति लेने की प्रक्रिया बाधक साबित होती है। सार्वजनिक प्रयोजन के भूखंडों का प्रमाणित ब्यौरा पार्षद के पास होने पर पार्षद अपने वार्ड के भूमि प्रयोजन अनुसार विकास कार्य कराए जाने की मांग रखेगा।

बिजली की दरें बढ़ाने से सरकार की जनविरोधी मानसिकता उजागर : ताम्रध्वज

- **कांग्रेस सरकार ने बिजली हाफ योजना लागू कर प्रदेश की जनता को दी थी सौगात**

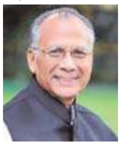

दुर्ग/नवप्रदेश। राज्य सरकार ने बिजली की दरों में 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी कर दी है। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने बिजली दरों में बढ़ोतरी को जनविरोधी बताते हुए कहा है कि डबल इंजन की सरकार आम उपभोक्ताओं की जेब में डाका डाल रही है। पूर्व में कांग्रेस सरकार ने बिजली बिल हाफ और आधा माफ करने की योजना चलाई थी।

इस योजना से प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिल रही थी। ताम्रध्वज ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं को ज्यादा बिजली बिल जमा करना पड़ रहा है। गरीब परिवार पहले ही महंगाई से जूझ रहे हैं। अब बिजली दर में वृद्धि का खामियाजा गरीब परिवारों को भुगतना पड़ेगा।

महंगी बिजली का असर उद्योग और व्यवसाय पर भी पड़ेगा। साहू ने कहा कि प्रति यूनिट 10 पैसे से लेकर 20 पैसे बिजली बिल में बढ़ोतरी करके डबल इंजन की भाजपा सरकार ने आम आदमी को परेशानी में डाला है।

राज्य सरकार बिजली बिल में कटौती वापस ले, ताकि आम आदमी को राहत मिल सके। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट 20 पैसे की बिजली दर वृद्धि का निर्णय बेहद निंदनीय है। यह फैसला प्रदेश की आम जनता, विशेषकर गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों और किसानों की जेब पर सीधी चोट है।

उन्होंने मांग की है कि सरकार अपना फैसला वापस लें। सरकार ऊर्जा नीति में पारदर्शिता लाए और उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता दें।

उद्योग तथा व्यावसायिक संस्थानों में भी 20 पैसे प्रति यूनिट बिजली बिल दरों में वृद्धि होगी। इससे घरेलू सामान के दाम बढ़ने से महंगाई भी बढ़ेगी। आम आदमी परेशान है। बिजली बिल में बढ़ोतरी करके राज्य सरकार गरीब परिवारों के जेब में डाका डाल रही है।

सुरक्षा पुरस्कार समारोह में 10 ठेका श्रमिकों का सम्मान

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र के उपयोगिताएं संगठन द्वारा ठेका श्रमिक सुरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संयंत्र परिसर स्थित वर्क्स बिल्डिंग-3 सभागार में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं-एसईडी) डी. सतपथी के मुख्य आतिथ्य में कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने, सतर्कता बरतने एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले श्रमिकों को सम्मानित व प्रेरित करने के लिए किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) जेपी सिंह ने की। समारोह में कुल 10 ठेका कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना तथा उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन करने वाले श्रमिकों को सम्मानित करना था।

शहर की समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की शहरी सरकार का गठन हुए चार माह बीत चुके हैं। विधायक का कार्यकाल डेढ़ साल का हो चुका है। इस अवधि में शहर में विकास कार्यों की सुस्त गति, अव्यवस्थाओं की बढ़ती भरमार और आम नागरिकों की लगातार बढ़ती परेशानियों को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है। शहर के कई वार्डों में अतिक्रमण की समस्या है। सफाई व्यवस्था की बदहाली, बढ़ते नशाखोरी, स्ट्रीट लाइट बंद, जल निकासी की कमी, सड़क मरम्मत न होना जैसे मुद्दे गंभीर रूप से उभरकर सामने आए हैं। नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। युवा कांग्रेस ने जनता से जुड़े 16 बिंदुओं को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि शहर के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ज्ञापन के माध्यम से शासन-प्रशासन को यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि दुर्ग शहर की जनता सजग है। इस दौरान युकां प्रदेश महासचिव संदीप वोरा, मोहित वालदे, राजकुमार पाली, अजय मिश्रा, शिशिरकांत कसार, वरुण केवलतानी, बंटी नवरंग, देवेंद्र मारकंडे, पृथ्वी चंद्राकर, राहुल गोस्वामी व अन्य मौजूद थे।

साई मंदिर में भजनों की प्रस्तुति पर झूमते रहे श्रद्धालु

- **धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व**

दुर्ग/नवप्रदेश। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध श्री साईबाबा मंदिर में गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। मुख्य पंडित कैलाशचंद्र तिवारी के सानिध्य में श्री साई बाबा का महाभिषेक, आरती व हवन-पूजन किया गया। महाप्रसादी का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मंदिर में दिनभर भजन-कीर्तन की धुन गुंजायमान रही। दोपहर में साई महिला भजन मंडली कसारीडीह द्वारा भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध रहे। शाम को प्रसिद्ध भजन सम्राट अंकित तिवारी (वैशाली नगर भिलाई) ने श्री साई बाबा पर आधारित भजनों के अलावा अन्य भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। इस दौरान श्रद्धालु भजनों की धुन पर नाच-गाकर अपनी श्रद्धा-भक्ति प्रकट करते रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री साई मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीकांत समर्थ, सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, शिवाकांत तिवारी, सुरेश साहू, नरेन्द्र राठी, कौशल किशोर सिंह, राकेश सेन, अजय सुरपाम, दिनेश शर्मा, दशरथ साहू, प्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष अशोक राठी, मनोज भूतड़ा के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पूर्व पार्षद नीतू रावते का आकस्मिक निधन

कुम्हारी/नवप्रदेश। नगर पालिका कुम्हारी के वार्ड क्रमांक 11 की पूर्व पार्षद नीतू रावते (52 वर्ष) का शनिवार को सुबह निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार चल रही थीं और रायपुर के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। नीतू रावते कॉग्रेस से लगातार चार बार की पार्षद चुनी गई। बीस वर्षों तक पार्षद के रूप में कुम्हारी के विभिन्न वार्डों का प्रतिनिधित्व किया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम कुगदा के मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित बड़ी संख्या में नगरवासी और कॉग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण की तैयारी शुरू, प्रति खसरा दर निर्धारित

- **धमधा के ग्रामवासियों ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण में भाग लेकर उठाया लाभ**

दुर्ग/नवप्रदेश। भारत सरकार कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा राज्य में एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत डिजिटल फसल सर्वेक्षण 2025-2026 के तहत जिले के 337 ग्राम में खरीफवर्ष 2025-26 में लगाये गए फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण किया जाना है। सर्वेक्षण कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम में 20 सर्वेक्षणकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी और सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा। गत वर्ष डिजिटल फसल सर्वेक्षण 2024-25 अंतर्गत रबी और खरीफ फसलों का सर्वेक्षण किया गया। ग्राम से ही सर्वेक्षणकर्ताओं की नियुक्ति की गई थी। इस कार्य के लिये सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रति खसरा 10 रुपये की दर से भुगतान किया गया। डिजिटल फसल सर्वेक्षण रबी 2025 के तहत् तहसील धमधा के अंतर्गत 61 ग्राम के कुल 68687 खसरों के डिजिटल सर्वे हेतु 6,86,870 रुकी राशि का आबंटन किया गया। धमधा तहसील के ग्राम खिलोरा कलान के रितिक पटेल ने 2229 खसरा का सर्वेक्षण किया। उन्हें 22,290 रु का भुगतान किया गया। ग्राम खैरझिटी ग्राम के आदित्य कुमार वर्मा ने 1645 खसरों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जिसके लिए उन्हें 16450 रूपए का भुगतान किया गया। इस वर्ष जिले के 5 तहसीलों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। चयनित सर्वेक्षणकर्ताओं को तहसील अंतर्गत निरीक्षण मण्डल स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रत्येक दिन 25 खसरा सौंपा जाएगा। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता के आधार पर अगले दिन के लिए नवीन खसरा आबंटित किया जायेगा।

पंजीयन अनिवार्य

दुर्ग। कृषकों से 31 अक्टूबर के पूर्व संबंधित सहकारी समिति के माध्यम से एकीकृत किसान पोर्टल में अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने कहा है। खरीफ वर्ष 2025 से कृषक उन्नति योजना में धान के साथ-साथ फसल विविधिकरण प्रोत्साहन के तहत् दलहन-तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार तथा इनके उत्पादन में आत्मनिर्भरता लक्ष्य के साथ योजनान्तर्गत विहित अन्य फसलों पर आदान सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है।

आकस्मिक निरीक्षण | **गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध कराने कृषि विभाग का अभियान**

चार उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों में जब्ती की कार्यवाही, 9 दुकानों को नोटिस

दुर्ग/नवप्रदेश। खरीफ 2025 में जिले के कृषकों के लिये उच्च गुणवत्तायुक्त उर्वरक व बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने कृषि विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया गया है। जिले के निजी और सहकारी प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। उर्वरकों की लगातार आपूर्ति के लिये जिले के 20 विक्रय प्रतिष्ठानों का उर्वरक निरीक्षकों द्वारा निरीक्षण किया गया। विकासखण्ड दुर्ग के 8 विक्रय प्रतिष्ठानों, पाटन के 4 विक्रय प्रतिष्ठानों और धमधा के 8 विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के अनुज्ञप्ति पत्र, समस्त दस्तावेज-स्कंध पंजी, बिल बुक, प्रतिष्ठान में विक्रय हेतु उपलब्ध उर्वरकों का पीओएस मशीन से मिलान कर अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान विकासखण्ड दुर्ग के ओम कृषि केन्द्र अंजोरा (ख), सिन्हा ट्रेडर्स अंजोरा (ख), चंद्राकर ट्रेडर्स मचांदुर और विकासखण्ड धमधा के बुरहानी एग्रो इण्डस्ट्रिज खपरी में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाये जाने पर 4 विक्रय प्रतिष्ठानों में जब्ती की कार्यवाही की गई। विकासखण्ड दुर्ग के 5 विक्रय प्रतिष्ठानों, पाटन के 1 विक्रय प्रतिष्ठानों और धमधा के 3 विक्रय प्रतिष्ठानों में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्डों के उल्लंघन पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर समाधानकारक जवाब 3 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिया गया है।

जिले में कृषकों को खरीफ मौसम में मांग अनुसार गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीजों की आपूर्ति हेतु 27768 क्विंटल की मांग बीज निगम को प्रेषित की गई थी जिसके विरूद्ध 29489 क्विंटल बीजों का भण्डारण सहकारी समितियों में किया गया और 28604 क्विंटल बीजों का वितरण कृषकों को किया गया। सहकारी समितियों में वर्तमान में 603 क्विंटल बीज वितरण हेतु शेष है। कृषि विभाग ने कृषकों से अपील की है कि सहकारी समितियों में उपलब्ध बचत बीजों का आवश्यकतानुसार उठाव कार्य करें। कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु कृषि विभाग के अधीनस्थ मैदानी निरीक्षकों को कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत् निरीक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

विचक्षण जैन विद्यापीठ में इन्वेस्टिचर सेरेमनी का समापन

कुम्हारी/नवप्रदेश। स्थानीय विचक्षण जैन विद्यापीठ में विद्यार्थियों के नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करने हेतु इन्वेस्टिचर सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एपी सिंह तथा लाइफ एजुकेटर के संचालन प्रमुख वेंकटेश अय्यर की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात छात्र प्रतिनिधि मंडल का औपचारिक चयन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ।

समारोह में हेड गर्ल के रूप में देशना पगारिया और हेड बॉय के रूप में भाव्य जैन का चयन किया गया। दोनों ने ईमानदारी, सेवा, नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

वेंकटेश अय्यर ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक सच्चा नेता वह होता है जो पहले स्वयं को अनुशासित करता है और फिर दूसरों को प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य एपी सिंह ने सभी चयनित छात्र नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर केवल एक पद नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व निभाने के लिए है। सभी विद्यालय का गौरव बढ़ाएँ।

अंत में सभी गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षकों ने छात्र नेताओं को शुभकामनाएं दी।

प्राचार्य एपी सिंह ने विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

छत्तीसगढ़ मारवाड़ी प्रांतीय युवा मंच कार्यकारिणी की बैठक

भाटापारा/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की नवम प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन सरायपाली में गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पहली बार स्थानीय शाखाओं एवं समस्त प्रांतीय पदाधिकारी एक मंच पर बिराजित हुए। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गांधी ने की। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराम सुल्तानिया , जोन-4 के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया, राष्ट्रीय सहायक मंत्री जोन 4 रोहित काबरा , निवृत्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मनीष अग्रवाल , कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती रीना केडिया , पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष चेतन अग्रवाल , प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय राजकुमार अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री सलभ अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष संदीप अग्रवाल एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारीगण ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवम तत्पश्चात सरायपाली जागृति शाखा ने पर्यावरण संरक्षण पर बहुत अच्छी एवम प्रेरणादायक प्रस्तुति प्रदान की

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अग्रवाल सभा सरायपाली के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, नगर के वरिष्ठ समाजसेवी विश्वजीत गुप्ता,

समाजसेवी प्रखर अग्रवाल एवम नगर पंचायत अध्यक्ष मिलो पटेल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। बैठक का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच सरायपाली शाखा एवं जागृति शाखा सरायपाली के संयुक्त तत्वावधान एवं सशक्त मेजबानी में हुआ संपन्न हुआ । कार्यक्रम में सभी संयोजक एवं पदाधिकारी सक्रिय रूप से शामिल रहे, जिनके सहयोग एवं समर्पण से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार रहा।

इस अवसर पर मंच की भावी योजनाओं, संगठन की मजबूती, सामाजिक जिम्मेदारियों तथा युवा सशक्तिकरण पर गहन विचार-विमर्श हुआ। यह बैठक न केवल संगठन के संचालन के लिए दिशा तय करने वाली सिद्ध हुई, बल्कि स्थानीय स्तर पर युवाओं को प्रेरित करने का माध्यम भी बनी। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराम सुल्तानिया ने उपस्थित सभी प्रांतीय पदाधिकारियों एवम कार्यकारिणी सदस्यों को पद की शपथ दिलाई एवम उन्हें उनके दायित्वों से अवगत करवाया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने मंच विस्तार पर जोर देते हुए पूर्ण निष्ठा एवम सामर्थ्य से कार्य करने की बात कही प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गांधी ने आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कहां की सेवा ही हमारा परम धर्म है और हमे हमारा जीवन परमार्थ में समर्पित कर इसका सदुपयोग करना चाहिए।

लोक अदालत 13 सिंतबर को

महासमुंद/नवप्रदेश। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को जिला एवं समस्त तालुका स्थित न्यायालयों में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद की सचिव आफरीन बानो ने बताया कि बढ़ते प्रकरणों तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण करने के उद्देश्य से आगामी 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत की तैयारियों के संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष नीता डहरिया के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में प्री लिटिगेशन प्रस्तुत करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों की बैठक ली गई।

अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 1500 मीटर दौड़ में सुखदेव ने जीता स्वर्ण पदक

महासमुंद /नवप्रदेश। समाज कल्याण विभाग से मान्यता एवं अनुदान प्राप्त फॉर्चून फाउण्डेशन समाज सेवी संस्था प्रेतनडीह, सरायपाली द्वारा संचालित फॉर्चून नेत्रहीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करमापटपर, बागबाहरा खुर्द की पूर्व छात्र सुखदेव ने कांतिराव एथलेटिक्स स्टेडियम बेंगलूरु कर्नाटका में 11 से 12 जुलाई 2025 तक आयोजित 7वीं ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2025 में पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 1500 मीटर दौड़ में 4.36 मिनट में दौड़ पूरी करते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल कर एक और उपलब्धि हासिल की है। प्रशिक्षक निरंजन साहू ने बताया कि नेत्रहीन फॉर्चून फाउंडेशन करमापटपर बागबाहर खुर्द में रहकर एथलेटिक्स का अभ्यास करते हुए यह उपलब्धि हासिल किया है। वर्तमान में सुखदेव केंवट भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलूरु में नियमित अभ्यास कर रहा हैं। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुखदेव ने खेलों इंडिया पैरा गेम्स 2025 न्यू दिल्ली में 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। सुखदेव ने 23 वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप चेन्नई में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था।सुखदेव के अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ एस आलोक, उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, निरंजन साहू, पेट्रोन सदस्य राज्य पैरा एथलेटिक्स संघ आर सी मिश्रा, आदि ने बधाई दी।

गुणवत्ता की बात बेमानी, जब बुनियादी संसाधन ही नहीं उपलब्ध

पुस्तक-ड्रेस के अभाव में सरकारी स्कूलों के बच्चे तनाव में, असहाय के स्थिति में शिक्षक

सरसींवा (सारंगढ़-बिलाईगढ़)/नवप्रदेश। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नया सत्र प्रारंभ हुए एक महीना बीतने को है, लेकिन अब तक न तो छात्रों को पुस्तकें मिली हैं, न ही निर्धारित ड्रेस। परिणामस्वरूप पढ़ाई पूरी तरह चरमरा गई है। बच्चे बिना किताब और ड्रेस के स्कूल आ तो रहे हैं, लेकिन हाथ खाली और मन व्यथित है। शिक्षक भी इस असहाय स्थिति में खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह हाल तब है जब शासन शिक्षा के स्तर को सुधारने के दावे हर मंच से करता है। मगर ज़मीनी हकीकत यह है कि शिक्षा विभाग की नवाचारों की लोरी तो सुनाई देती है, पर स्कूलों में किताबों की खामोशी और बच्चों की सूनी आँखें कुछ और ही कहानी कह रही हैं।

शासन शिक्षा को 'सेवा' नहीं, 'सेल्फी प्रोजेक्ट' समझ बैठा है

प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती संख्या और शिक्षा के व्यावसायीकरण ने इस बात को साफ कर दिया है कि शासन ने शिक्षा को 'सेवा' नहीं, एक 'बिज़नेस मॉडल' मान लिया है। सरकारी स्कूलों के नाम पर घोषणाएँ कर फोटो खिंचवाना ही शासन की प्राथमिकता बन गई है। किताबें कब तक पहुंचीं? ड्रेस कब दी गई? शिक्षक को पढ़ाने का समय मिला या नहीं? ये सवाल शासन की डायरी में कहीं दर्ज ही नहीं हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के ÷युक्तियुक्तिकरण÷ नामक प्रयोग के तहत हजारों सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए, यह कहकर कि छात्रों की संख्या कम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या संख्या कम होने के पीछे शासन की अपनी नीतियाँ ज़िम्मेदार नहीं हैं? जब बच्चों को समय पर किताब और यूनिफॉर्म तक न मिले, स्कूल में शिक्षक न हो या उन्हें दूसरे सरकारी कार्यों में झोंक दिया जाए, तब कौन सा अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजना चाहेगा?

शासन की असंवेदनशीलता का खामियाजा उन मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है जो अपना भविष्य संवारने के लिए स्कूल की चौखट पर आए हैं।

बिना किताब के पाठशाला, बिना ड्रेस के शाला

शिक्षकों का कहना है कि जब बच्चों के हाथों में किताबें ही नहीं होंगी तो वे क्या सीखेंगे? पढ़ाई का पहला महीना लगभग पूरी तरह बर्बाद हो गया है। बच्चों को व्यर्थ बैठाए रखना पड़ा है, क्योंकि शिक्षकों के पास भी पाठ्यपुस्तकों की प्रतियाँ नहीं हैं। शासन स्तर पर योजनाएं तो बहुत बनती हैं, घोषणाएँ भी जोशीली होती हैं, लेकिन अमल के नाम पर नीयत और व्यवस्था दोनों ही नदारद हैं। ड्रेस वितरण की भी यही दशा है ड्ड स्कूलों में बच्चे सामान्य कपड़ों में बैठकर 'सरकारी होने' का कलंक झेलते नज़र आ रहे हैं।

सरकारी स्कूल : जहां शिक्षक हैं योग्य, पर व्यवस्था है निर्लज्ज

यह तथ्य किसी से छुपा नहीं कि सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक कठिन प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर चयनित होते हैं। उनके पास अनुभव, योग्यता और सेवा की भावना है। लेकिन उन्हें जिस प्रकार की व्यवस्था में काम करना पड़ रहा है, वह एक तरह से उनकी क्षमताओं का अपमान है। वहीं दूसरी ओर निजी स्कूलों में 12वीं पास युवक-युवतियां बिना किसी शिक्षक पात्रता के पढ़ा रहे हैं, और वहाँ बच्चों की भीड़ है। क्यों? क्योंकि निजी स्कूल सजावट दिखा रहे हैं और सरकारी स्कूल संसाधनों के लिए शासन के मुंह ताक रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर पूर्व विधायक ने योगवर्धन सागर मुनि से लिया आशीर्वाद

■ शिष्य के व्यक्तित्व को संस्कार, सेवा और सत्य की भावना से गढ़ते हैं गुरु : रंजना साहू

धमतरी/नवप्रदेश। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूर्व विधायक रंजना साहू ने धमतरी के पार्श्वनाथ जिनवालय में चातुर्मास पर पधारे पूज्य गुरु योगवर्धन सागर म.सा. से मिलकर आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन लिया,उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता प्रकाश गोलछा एवं नीरज नाहर उपस्थित रहे, इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमति साहू ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का विशेष स्थान है। गुरु पूर्णिमा गुरु के महत्व को प्रतिपादित करने का विशेष अवसर है। गुरु शिष्य की परंपरा के अनेकों उदाहरण भारतीय संस्कृति व इतिहास में मिलते हैं। शिष्य के व्यक्तित्व को संस्कार, सेवा और सत्य की भावना से गढ़ते हैं गुरु।

भारत की सनातन परंपरा में गुरु-शिष्य परंपरा अत्यंत महत्वपूर्ण रही है. यह संस्कृति ही हमारे समाज का मूल आधार है. उन्होंने कहा कि देश में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का व्यापक रूप से जागरण हो रहा है. उन्होंने कहा कि गुरुपूर्णिमा का पर्व आत्मिक शुद्धि और आस्था का पर्व है. इस मौके पर समाज में धर्म और संस्कारों को लेकर जागरूकता फैलाना भी उतना ही आवश्यक है।

सावित्रीपुर में युक्तियुक्तकृत शिक्षकों का अभिनंदन

सांकरा जोंक/ नवप्रदेश। संकुल केंद्र सावित्रीपुर में युक्तियुक्त कारण के तहत नव पदस्थ शिक्षकों का स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर नव पदस्थ शिक्षकों ने अपने उद्बोधन में अपने पूर्व विद्यालय में किए गए कार्यो एवं अनुभवों को समस्त शिक्षकों के साथ साझा किया और नव पदस्थ शालाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की बात कही। संकुल सावित्रीपुर में कार्यभार ग्रहण करने वाले हेमंत कुमार कर, श्रीमती कुसुमलता पटेल,संजय कोसरिया,घनश्याम प्रसाद साहू,वेदप्रकाश पटेल, युवराज दिवान,मुकेश कुमार साहू का पुष्प गुच्छ ,पेन डायरी, श्रीफल , शॉल से स्वागत किया गया। संकुल प्राचार्य पी सिदार सर ने अपने उद्बोधन में समस्त आगंतुक शिक्षकों का स्वागत करते हुए अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से पालन करने की शुभकामनाएं दी।

विधायक इन्द्र साव ने सोसायटियों में खाद की व्यवस्था का लिया जायजा

❂ खाद ना मिलने की शिकायत पर सोसायटी पहुंचे विधायक

भाटापारा / नवप्रदेश। विधानसभा क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद बीज ना मिलने की शिकायत पर विधायक इंद्र साव ने सिमगा ब्लाक के ग्राम पौंसरी एवं कामता सोसाइटी पहुंचकर खाद एवं बीज की स्थिति की जानकारी ली तथा समय अनुसार किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद की व्यवस्था करने का निर्देश व्यवस्थापक को दिया।

विधायक इंद्र साव के सोसायटी पहुंचने पर पौंसरी के किसानों ने समय पर बीज नहीं मिलने की शिकायत करते हुए कहा कि बोनी के समय किसानों को बीज नहीं मिला वही स्थिति खाद की बनी हुई है। किसानों को डीएपी खाद की जगह एनपीके खाद वितरित किया जा रहा है जो की डीएपी से 400 रूपए महंगा है जिसे

किसान मजबूरी वस खरीद रहा है। समिति के व्यवस्थापक ने यूरिया, पोटाश, राखड़ एवं एनपीके खाद उपलब्धता की जानकारी दी ।इस दौरान समिति अध्यक्ष परस पटेल ने विधायक इन्द्र साव का स्वागत करते हुए समिति में कीचड़ एवं बाउंड्री वाल की समस्या से अवगत कराया तो वहीं पौंसरी के ग्राम वासियों ने लो वोल्टेज की समस्या रखी। बिनैका के किसानों ने नहर के ऊपर पुल की मांग की ,औरठी के किसानों ने सड़क मरम्मत करने की बात से विधायक को अवगत कराया ।

कामता समिति में किसानों ने डीएपी एवं एनपीके दोनों खाद नहीं होने की बात की व्यवस्थापक ने यूरिया,राखड़ पोटाश उपलब्ध होने की जानकारी दी ।नवागांव के किसानों ने खाद एवं बीज दोनों नहीं मिलने की शिकायत विधायक से की वही कामता के किसानों ने स्वास्थ्य केंद्र में नर्स एवं स्कूल में शिक्षकों की कमी से भी विधायक को अवगत कराया इस अवसर पर विधायक इन्द्र साव ने कहा एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की आय दुगनी करने की बात कहते हैं वहीं छत्तीसगढ़ के डबल इंजन की सरकार किसानों को बीज एवं खाद उपलब्ध नहीं कर पा रही।

राशन वितरण की तिथि बढ़ने से गरीब परिवारों को मिली राहत : भाऊराम

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के हितग्राहियों को 3 माह का एकमुश्त राशन प्रदान करने की तिथि 31 जुलाई तक बढ़ाए जाने पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भाऊराम साहू ने इसे सरकार द्वारा लिया गया एक गरीब हितैषी ऐतिहासिक कदम बताया है। साहू ने कहा कि तिथि आगे बढ़ने से कोई भी हितग्राही राशन से वंचित नहीं होगा। समय सीमा बढ़ाए जाने से हर पात्र व्यक्ति को उसका हक समय पर मिलेगा और कोई भी परिवार राशन से वंचित नहीं रहेगा।

कोसरंगी में ग्राम पंचायत योजना एवं सुविधा टीम मंच की स्थापना

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत कोसरंगी में आज कार्यक्रम आयोजित कर ग्राम पंचायत योजना एवं सुविधा टीम जीपीवायएसटी मंच की स्थापना की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत के सतत विकास के लिए 9 क्षेत्रों में सतत विकास पर प्रशिक्षण देना और टीम सदस्यों की भूमिका व जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना था। कार्यक्रम में जीपीवायएसटी मंच की औपचारिक स्थापना की गई। 9 एलएसडीजी थीम्स पर जागरूकता और रणनीतिक योजना बनाई गई तथा साथ ही टीम के सदस्यों की भूमिका, कार्यक्षमता और भागीदारी का निर्धारण किया गया। कार्यक्रम में सरपंच दिनेश साहू, डीएमसी रेखराज शर्मा, फेसिलिटेट विजय सैनी, प्रोग्राम लीडर सुरेन्द्र कुमार, पंचायत सचिव, वार्ड पंच, फ्रंटलाइन कार्यकर्ता शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 5 युवा प्रतिनिधि एवं 16 सक्रिय समुदाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोग्राम लीडर सुरेन्द्र कुमार ने सरपंच दिनेश साहू के सहयोग से किया। विजय सैनी द्वारा 9 एलएसडीजी थीम्स जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, जल संरक्षण, बाल-सुरक्षा आदि पर विस्तृत परिचर्चा की गई। सभी थीम्स को पंचायत विकास की ज़रूरतों से जोड़ते हुए साझा योजना निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया गया। बाल-अनुकूल पंचायत और स्वस्थ पंचायत को आगामी महीनों की प्राथमिक रणनीति के रूप में अपनाने का संकल्प लिया गया। क्लस्टर बीडीओ रेखराज शर्मा ने ग्रामीण विकास में जीपीवायएसटी की भूमिका को व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। अगली बैठक में युवा क्लब की स्थापना का निर्णय लिया गया, जिससे युवाओं को पंचायत योजना और विकास में भागीदारी का अवसर मिलेगा। युवाओं द्वारा नेतृत्व वाली पहलों को बढ़ावा देकर जमीनी परिवर्तन सुनिश्चित करने पर सहमति बनी।

एनएचएम कर्मचारी संघ ने विधायक को सौंपा मांग पत्र

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदेशभर के 16 हजार से अधिक संविदा कर्मियों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की। इसी क्रम में जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों में एनएचएम कर्मचारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के विधायक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें सरकार से मांगों की शीघ्र निराकरण की अपील की गई।संघ ने स्पष्ट किया है कि वर्षों से लंबित मांगों की अनदेखी के चलते यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। आंदोलन का उद्देश्य मानसून सत्र में सरकार का ध्यान आकर्षित करना है, जिससे इन मांगों को गंभीरता से उठाया जा सके। संघ की मांगों में नियमितीकरण, 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि, ग्रेड-पे निर्धारण, स्थानांतरण नीति लागू करना, सेवा शर्तों में संशोधन, अन्य विभागों के समकक्ष सुविधाएं, रोजगार सुरक्षा, मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश, वार्षिक वेतनवृद्धि, चिकित्सा बीमा/भत्तों की सुविधा शामिल है। संघ द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 10 जुलाई को विधायकों को ज्ञापन, 11 को भाजपा जिलाध्यक्षों को ज्ञापन, 12-16 जुलाईः काली पट्टी बांधकर कार्यस्थल पर विरोध, 16 को विशेष ज्ञापन दिवस (कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार को) एवं 17 को रायपुर चलो.. राजधानी में विशाल प्रदर्शन एवं विधानसभा घेराव किया जाएगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएच एम संविदा कर्मचारी संघ जिला इकाई महासमुंद ने विभिन्न मांगों को लेकर महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिलाध्यक्ष रामगोपाल खुंटे, प्रवीण नागदेवे, यादराम साहू, सुनील साहू, ओम पटेल, टेकलाल नायक, निर्मल साहू, खोमन लाल साहू आदि मौजूद रहे।

रायपुर गेवरा रोड लोकल 16 जुलाई से फिर चलेगी

भाटापारा/नवप्रदेश। पिछले लगभग 2 वर्षों से केसल चल रही रायपुर गेवरा रोड मेमू लोकल ट्रेन 16 जुलाई से पुनः पटरी पर दौड़ने लगेगी,इस ट्रेन सहित बिलासपुर जोन की 13 लोकल ट्रेनों को पुनः चलाया जाने का आदेश के बाद रेल यात्रियों में हर्ष व्याप्त है।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की 13 मेमू डेमू लोकल ट्रेन पुनः चालू हो रही है।ये सभी ट्रेन काफी लंबे समय से बंद थी,जिससे रेल यात्रियों को काफी असुविधा हो रही थी।रेलवे सूत्रों ने बताया कि जीन 13 लोकल ट्रेनों को पुनः चलाने का निर्णय लिया गया है उसमें 68745/68746रायपुर गेवरा रोड मेमू लोकल ट्रेन भी शामिल है,जो 16 जुलाई से अपने पूर्व समय सारिणी के अनुसार चालू हो रही है।

सीबीएससी मिडिल स्कूल की सुध नहीं लेने वाला कोई नहीं

धरसीवां/नवप्रदेश। धरसीवा ब्लॉक मुख्यालय में सीबीएससी इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल तो दिए लेकिन आज तक सुध लेने कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं गए और स्कूल समस्याओं से जूझ रहा है स्कूल में शिक्षक की बहुत कमी है कहा जा सकता है शिक्षक विहीन है केवल एक शिक्षक इंग्लिश मीडियम क्लास लेने सक्षम है बाकी 2शिक्षक हिंदी मीडियम का शिक्षक है अभी एक शिक्षक युक्तियुक्तकरण में भेजे है ओ भी हिंदी मीडियम की शिक्षक है जो इंग्लिश बिल्कुल पढ़ा नहीं पाएगी ये विडंबना है कि स्कूल इंग्लिश मीडियम है और शिक्षक

हिंदी मीडियम के है ,स्कूल की बहुत ही गंभीर बात ये है स्कूल में पांच स्कूल के बच्चे ऐसे है जो हिंदी मीडियम के बच्चे प्रवेश लेते है जबकि पहले से मिडिल स्कूल शासकीय थे उसे बंद कर दिए है हिंदी मीडियम के बच्चे सीधे 6वि कक्षा में इंग्लिश मीडियम में पढ़ रहे है बच्चे आधे अधूरे पढ़ाई करने मजबूर है फिर आगे चलके 9वी कक्षा में हिन्दी मीडियम में पढ़ाई कर रहे है।

अब तो सुध ले लो साहब... लाइट मरम्मत, खेल सामग्री वितरण, मैदान समतलीकरण की मांग

नपाध्यक्ष को बास्केटबाल संघ के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला बास्केटबाल संघ के पदाधिकारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू से मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मिनी स्टेडियम स्थित बास्केटाबाल कोर्ट की लाइट मरम्मत की मांग तथा मैदान समतलीकरण व खेल सामग्री वितरण के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग को पत्राचार करने की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा। नपाध्यक्ष साहू ने अतिशीघ्र बास्केटबाल कोर्ट की लाइटों की

मरम्मत कराने का आश्वासन दिया व खेल सामग्री वितरण तथा मैदान समतलीकरण के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग को पत्र लिखकर खिलाड़ियों की सुविधा के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रयास करने की बात कही। संघ के सदस्यों ने नपाध्यक्ष साहू को बताया कि बास्केटबॉल कोर्ट में प्रतिदिन सुबह-शाम 50 से 60 बच्चे अभ्यास करते हैं। बास्केटबॉल कोर्ट की लाइट खराब होने के कारण बच्चों को खेल अभ्यास करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, मैदान का समतलीकरण करने की आवश्यकता है।

साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की नई खेल नीति के तहत खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत खेल सामग्री वितरण करने पालिका की ओर पत्र प्रेषित करने की मांग भी की। नपाध्यक्ष साहू ने आवश्यक पहल करने आश्वस्त किया। इस अवसर पर गौरव चंद्राकर, वेदप्रकाश साहू, कलेश्वर चंद्राकर, शुभम तिवारी, अभिषेक अंबिलकर, दिव्या रंगारी, मयंक शर्मा, आकाश सोनी सहित पार्षद नीरज चंद्राकर व पूर्व पार्षद रिंकू चंद्राकर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्वर्ण पदक विजेता दिव्या का बढ़ाया मनोबल

संघ के सदस्यों के साथ पालिका अध्यक्ष से मुलाकात करने बास्केटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी स्वर्ण पदक विजेता दिव्या रंगारी भी पहुंचीं। दिव्या ने छत्तीसगढ़ की टीम में महासमुंद जिले से शामिल होकर उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दिव्या ने श्रीलंका के विरूद्ध खेले मैच में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश व महासमुंद का नाम रोशन किया। दिव्या की इस उपलब्धि पर नपाध्यक्ष साहू ने हर्ष जताया।

न्यूज गैलरी

हाई स्कूल बिटकुली में किया गया पौधा रोपण

भाटापारा/नवप्रदेश। विकास खंड स्तरीय पौधा रोपण कार्यक्रम के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम के तहत हाई स्कूल बिटकुली के मैदान मे स्काउट गाइड स्थानीय संघ भाटापारा के स्काउटर द्वारा सागौन, आमला, कदम, बरगद के पौधा का रोपण किया गया । इस अवसर पर सचिव श्रवण सिंगरौल, आजीवन सदस्य एवं प्रभारी प्राचार्य रमेश वर्मा, स्काउटर शरद चंद्र देऊलकर, सुनील ब्रम्हनकर , रामकुमार साहू, सुशील निशाद, अलोक गायकवाड , भागीरथी कुर्रे , अभिलाष तिवारी सहित छात्र छात्राएं उपस्थित थे। उक्त जानकारी सचिव श्रवण सिंगरौल ने दी।

सिमगा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

भाटापारा/नवप्रदेश। ब्लाक कांग्रेस कमेटी सिमगा की मासिक बैठक आज रविवार को रखी गई है।बैठक में विधायक इंद्र साव जी । एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमित्रा घृतलहरे भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा के अध्यक्ष डॉ. के.के.नायक, कार्यकारी अध्यक्ष हिरेंद्र कोशले ने बताया कि बैठक ग्राम कोलिहा में दोपहर 2:00 बजे होगी उन्होंने समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारी ,यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस ,सेवादल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गण ,सेक्टर जोन ,बूथ के प्रभारी गण, एवं समस्त कांग्रेसी कार्यकर्ता गणों से समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

प्राथमिक स्कूल का किया निरीक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कुर्मीपारा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। श्री साहू को स्कूल में जल भराव होने से बच्चों को अध्ययन में परेशानी तथा असामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल के शौचालय को क्षति पहुंचाने की सूचना मिली थी। जिस पर श्री साहू ने स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तथा स्कूली बच्चों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए समस्या का शीघ्र समाधान करने पालिका की टीम को मरम्मत एवं जल निकासी व्यवस्था बनाने निर्देशित किया।

गोकुल सिंह साहू का निधन

नगरी/नवप्रदेश। - गोकुल सिंह साहू टिकरापारा छिपली उम्र 60 निधन, दिन-गुरूवार को हो गया है जिनके शोकाकुल परिवार रामसाय, रामदयाल, भुवन, रामसहाय धनेश, अंजोर, तोमल, भोज, देवानंद, सरजू, राजेश, टेमन, मानसिंह खिलेश लालचंद, संजय, पुकेश, है जिसमे सामाजिक गण ग्राम वासियों के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

बीईओ की कार से टकरा कर बाइक सवार भाई-बहन घायल, 36 घंटे बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं ?

छुरा/नवप्रदेश। नगर से चार किलोमीटर दूर फिंगेश्वर-छुरा मुख्य मार्ग पर एक गंभीर सड़क हादसे में बाइक सवार दो आदिवासी भाई-बहन घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब दोनों गरियाबंद से अपने घर कसेकेरा लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि छुरा ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी किशनलाल मतावले की कार ने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलने के चलते बाइक को टक्कर मार दी।

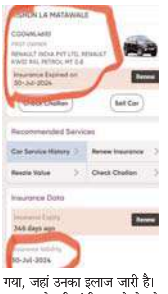

घायलों की पहचान शशि दीवान और प्रतिभा दीवान के रूप में हुई है, जिन्हें सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों में आक्रोश है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, जिससे पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बीईओ की कार बेहद तेज गति से चल रही थी और लापरवाहीपूर्वक बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना स्थल पर छुरा पुलिस पहुंच कर दुर्घटनाग्रस्त स्कुटी एवं कार को पुलिस थाना में रखा है । घायल भाई बहन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा था इसी बीच ब्लाक शिक्षा अधिकारी मतवाले ने घायल भाई बहन के परिजनों से कहा कि मेरे कार का इंश्योरेंस है आप लोगों का इलाज एवं बाइक का सुधार हो जायेगा , ब्लाक शिक्षा अधिकारी किशुन मतावले के वाहन का इंश्योरेंस जुलाई 2024 तक मान्य था । घायलों का इलाज छुरा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है । छुरा पुलिस द्वारा 36 घंटे बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं किया गया न ही किशुन मतावले का डाक्टरी मुलाहिजा करवा गया? खबर लिखे जाने तक पुलिस थाना में किशुन मतावले, पुलिस एवं घायलों के परिजनों के बीच गुप्त गूं जारी है।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान का सफल आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। महानदी अकादमी में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान को विद्यालय के डायरेक्टर्स मोहन नाहटा, निकेश ठाकुर, अजय छाजेड़, अहमद रज़ा, शशांक सालम आदि के कुशल मार्गदर्शन और सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी मां के सम्मान में एक-एक पौधा रोपित किया कार्यक्रम में बच्चों द्वारा कविता, पोस्टर मेकिंग और भाषण जैसी रचनात्मक प्रस्तुतियाँ भी दी गई।यह आयोजन न केवल हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम था, बल्कि भावनात्मक रूप से बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी एक सुंदर प्रयास रहा।

त्रिवेणी संगम पर बैराज व नौका विहार हेतु डीपीआर तैयार करने के निर्देश

राजिम में बनेगी 34 करोड़ की फोरलेन सड़क

राजिम/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन महत्व के केंद्र छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम त्रिवेणी संगम क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विधायक रोहित साहू द्वारा एक के बाद एक ठोस पहल की जा रही है। इसी कड़ी में उन्होंने आज इंटेक वेल लक्ष्मण झूला से चौबेबंधा पुल तक प्रस्तावित फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग ?34 करोड़ की लागत से बनने वाली यह सड़क नदी किनारे होते हुए नवीन मेला स्थल तक जाएगी, जिससे क्षेत्र की यातायात सुविधा और पर्यटन कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार होगा।

निरीक्षण से पूर्व राजिम विश्राम गृह में आयोजित समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग,जल संसाधन विभाग एवं नगर पंचायत के अधिकारियों ने प्रस्तावित सड़क की रूपरेखा, भूमि उपयोग, जल निकासी व्यवस्था और अन्य तकनीकी बिंदुओं पर जानकारी दी।

विधायक श्री साहू ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगा आरती घाट एवं नवीन मेला स्थल पर दोनों छोर पर भव्य प्रवेश द्वार, हाई मास्क लाइट, रेलिंग वाल, वृक्षारोपण, डिवाइडर सहित सभी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा मानकों के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाए तथा टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान अनेक जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष महेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू, जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव, एसडीएम विशाल महाराणा, लोक निर्माण विभाग के एसडीओ मनीष साहू, माधोसिंग देवांगन, नवीन श्रीवास्तव, मनीष साहू, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के. बर्मन, एसडीओ एस.के.चंदेल, सलाहकार सरफराज, तहसीलदार मयंक अग्रवाल, आरआई व पटवारी, नगर पंचायत के सीएमओ मनीष गायकवाड़, तथा पार्षदगण उत्तम निषाद, भारत यादव, सूरज पटेल, तुमेश साहू, सरपंच संघ अध्यक्ष हरीश साहू, लोकनाथ साहू, किशोर साहू सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

पर्यटन विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल

बैठक के दौरान विधायक श्री साहू ने यह भी निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ का प्रयागराज माने जाने वाले राजिम त्रिवेणी संगम में, एनीकट के नीचे बैराज निर्माण कर मुरुम से पट चुके नदी तल की सफाई की जाए, जिससे वर्षभर जल भराव बना रहे। इस पहल से नौका विहार (बोटिंग) जैसी पर्यटक सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जल संसाधन विभाग को इस परियोजना के लिए शीघ्र डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अवैध प्लाटिंग पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

बागबाहरा में दो अवैध प्लाटिंग की जा रही थी

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा आज दो स्थान पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय लंगेह के निर्देश तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा उमेश साहू के मार्गदर्शन में नगर पालिका एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

यह कार्रवाई बागबाहरा के लालपुर क्षेत्र में सोनदादर मार्ग के समीप एवं वार्ड क्रमांक 09, पिथौरा रोड के पास स्थित अवैध प्लाटिंग पर की गई। दोनों ही स्थानों पर बिना अनुमति के भूमि का अवैध रूप से विभाजन कर प्लाटिंग की जा रही थी, जो नियमों के स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार नितिन ठाकुर, राजस्व निरीक्षक श्री बेहरा, पटवारी रूपेश सिन्हा, उप अभियंता शशि प्रताप सिंह तथा नगर पालिका के राजस्व अमले की उपस्थिति में अवैध प्लाटिंग पर मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया एवं कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा जिले में अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की जमीन की खरीद-फरोख्त से पूर्व संबंधित विभाग से आवश्यक अनुमति एवं वैध दस्तावेजों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि किसी प्रकार की कानूनी जटिलता से बचा जा सके।

अभी तक जारी नहीं हुआ शराब दुकान निरस्तीकरण का आदेश, सौंपा ज्ञापन

धरसीवां/नवप्रदेश। विधायक अनुज के घोषणा व पांच गाँवो के ग्राम सभा प्रस्ताव के बावजूद अभी तक प्रशासन ने नही किया दोन्दे खुर्द गाँव मे शराब दुकान निरस्तीकरण का आदेश जारी , ग्रामीणों में भारी आक्रोश

नवीन शराब दुकान स्थापना के विरोध में लगातार 17 दिनों से ग्रामीण संघर्षरत है। ज्ञात हो की ग्राम दोन्दे खुर्द में नई शराब दुकान स्थापना के विरोध में प्रस्तावित ग्राम दोन्दे खुर्द सहित आस पास के ग्राम लालपुर , मटिया , छपोरा , दोन्दे कला के ग्राम सभाओं में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित होने एवं विद्या के मंदिर ग्राम दोन्दे कला के शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के सार्वजनिक मंच से क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा जी के दोन्दे खुर्द - दोन्दे कला में उनके रहते शराब दुकान नहीं खोंलने देने की घोषणा के बावजूद अभी तक प्रशासन द्वारा प्रस्तावित शराब दुकान को निरस्त करने का आदेश जारी नही किया गया है जिससे कि ग्रामीणों में काफी आक्रोश है एवं भारी बारिश के बावजुद ग्रामीण लगातार आंदोलन कर रहे है , जिससे कि उनके रोजगार एवं जीवन यापन के मुख्य साधन खेती से ग्रामीण वंचित होते दिख रहे है।

इस पूरे मामले को लेकर आज ग्रामीण व प्रतिनिधियो ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन के माध्यम से कहाँ की ग्राम दोन्दे खुर्द में शराब दुकान खोंलने का आदेश जारी हुआ है जिसके विरोध में हम लोग लगातार संघर्ष कर रहे है , हम लोग प्रस्तावित ग्राम दोन्दे खुर्द सहित आस पास के 4 गाँवो के ग्राम सभा का प्रस्ताव भी आपको दे रहे है , एवं क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा द्वारा आबकारी उपायुक्त को पत्र लिखकर दोन्दे में शराब दुकान न खोंलने का आग्रह किया है तथा मंच से भी यह घोषणा उनके द्वारा किया जा चुका है , किंतु अभी तक दोन्दे में प्रस्तावित शराब दुकान के निरस्तीकरण का आदेश जारी नहीं किया गया है इस पर कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों के बातों को दरकिनार करते हुए उल्टा शराब दुकान खुलने के फायदे बताने लगे व गोल मटोल बात करने लगे , जिससे नाराज ग्रामीणों ने वहाँ से निकलकर छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष श्री चरण दास महंत जी से दोन्दे एवं अन्य जगहों पर प्रस्तावित नवीन शराब दुकान स्थापना के विरोध के सम्बंध में विधान सभा के प्रश्न काल मे बात रखने का निवेदन किये है। ग्रामीणों ने महंत जी को बताया कि कैसे ग्राम सभा के प्रस्ताव के बिना उनके गाँव मे शराब दुकान को शासन प्रशासन द्वारा थोपा जा रहा है। ग्रामीणो ने आबकारी उपायुक्त को भी ज्ञापन सौपकर कहां की जब तक आपके विभाग के द्वारा निरस्तीकरण का आदेश जारी नहीं किया जाएगा तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

नीतू रावते का आकस्मिक निधन, नगरवासियों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

कुम्हारी/नवप्रदेश। नगर पालिका कुम्हारी के वार्ड क्रमांक 11 की पूर्व पार्षद नीतू रावते (52 वर्ष) का शनिवार सुबह दुखद निधन हो गया। वे कुछ समय से बीमार चल रही थीं और रायपुर के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। नीतू रावते काँग्रेस से लगातार चार बार की पार्षद थी वो जीत के लिए जानी जाती थीं, जिन्होंने बीस वर्षों तक पार्षद के रूप में कुम्हारी के विभिन्न वार्डों का प्रतिनिधित्व किया। उनकी लोकप्रियता इतनी थी कि वे जिस भी वार्ड से चुनाव लड़ती थीं, उनकी जीत तय मानी जाती थी। उनके आकस्मिक निधन से कुम्हारी नगर और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गहरा शोक व्याप्त है। शनिवार को नगरवासियों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उनका अंतिम संस्कार ग्राम कुगदा के मुक्तिधाम में किया गया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक स्वयं पहुंचे थे इसके अलावा बड़ी संख्या में नगरवासी और काँग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

रायपुर गेवरा रोड लोकल 16 से फिर चलेगी

भाटापारा/नवप्रदेश। पिछले लगभग 2 वर्षों से केसल चल रही रायपुर गेवरा रोड मेमू लोकल ट्रेन 16 जुलाई से पुनः पटरी पर दौड़ने लगेगी,इसके अलावा बिलासपुर जोन की विभिन्न 13 लोकल ट्रेनों को भी पुनः चलाया जाने का निर्णय लिया गया है,जिससे दैनिक रेल यात्रियों में हर्ष व्याप्त है।उक्त मेमू डेमू लोकल ट्रेनों का पुनः परिचालन प्रारंभ किए जाने की घोषणा का मंडल रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य राजेश शर्मा ने स्वागत किया है तथा रेल अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

जोन की 13 मेमू डेमू लोकल ट्रेनें पुनः चालू हो रही है। ये सभी ट्रेन काफी लंबे समय से किसी तकनीकी कारणों से बंद थी,जिससे रेल यात्रियों को काफी असुविधा हो रही थी। अब आगामी दिनों से जीन 13 लोकल ट्रेनों को पुनः चलाने का निर्णय लिया गया है उसमें 68745/68746रायपुर गेवरा रोड मेमू लोकल ट्रेन भी शामिल है,जो 16 जुलाई से अपने पूर्व समय सारिणी के अनुसार चालू हो रही है।उक्त लोकल ट्रेन का रायपुर जाने के लिए भाटापारा स्टेशन पर प्रात 9 बजकर 50 मिनट निर्धारित समय है,वही वापसी में यह ट्रेन दोपहर 1 बजकर 50 मिनट को रायपुर से रवाना होकर दोपहर 3 बजे भाटापारा पहुंचने का समय निर्धारित है।उक्त ट्रेन के लंबे समय से बंद होने से दैनिक रेल यात्रियों, मध्यम श्रेणी सहित छोटे स्टेशनों से सफर करने वाले यात्रियों की तकलीफों को ध्यान में रखते हुए रायपुर रेल संभाग के डी आर यू सी सी सदस्य राजेश शर्मा ने इस वर्ष 28 फरवरी को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में समिति के सदस्यों की हुई बैठक के दौरान उक्त जनहित के विषय को प्रमुखता से उठाया था।

युवा मित्र मंडली के सदस्यों ने किया बाबा बैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग का जलाभिषेक

प्रदेश की सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की

गरियाबंद/नवप्रदेश। सावन के पवित्र माह के अवसर पर गरियाबंद युवा मित्र मंडली ने झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग का दर्शन कर प्रदेश की सुख, शांति और खुशहाली की कामना की। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र सावन मास के पूर्व गरियाबंद युवा मित्र मंडली के सदस्य भाजपा युवा नेता डॉ. आशीष शर्मा के नेतृत्व में बाबा धाम के लिए निकले हुए थे। मालूम हो कि गरियाबंद सहित छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से बड़ी संख्या में बोल बम का जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे हुए थे।

इसमें गरियाबंद युवा मित्र मंडली के सदस्य भी शामिल थे। जहां उन्होंने सुल्तानगंज से पवित्र जल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे और बाबा बैद्यनाथ ज्योर्तिलिंग में सावन माह के प्रथम दिवस शुक्रवार को जलाभिषेक कर छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख,शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। युवा मित्र मंडली के सदस्यों में अभिषेक डड़सेना, वरिष्ठ पत्रकार जीवन एस साहू, गरियाबंद भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, अतुल गुप्ता, रितेश यादव, लोकेश सिंहा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भाजपा युवा नेता डॉ. आशीष शर्मा के नेतृत्व में बाबा बैद्यनाथ धाम ज्योर्तिलिंग के दर्शन के लिए निकले थे। इस दौरान प्रदेश के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में बोल बम का जत्था बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए निकले थे। बताया कि हर वर्ष बोल बम जाने वालों की संख्या में इजाफा होते जा रहा है।

पौधरोपण | मैनपुर के जिड़ार में विशाल पौधारोपण कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों ने किया एक साथ वृक्षारोपण

केवल पौधा लगाना ही नहीं उनका पेड़ बनने तक संरक्षण आवश्यक : कलेक्टर

गरियाबंद/नवप्रदेश। तहसील मुख्यालय मैनपुर के ग्राम पंचायत जिड़ार में आज शनिवार को विकासखण्ड स्तरीय पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में गरियाबंद जिले के कलेक्टर श्री बी एस उईके, जिला पंचायत सीईओ श्री जी आर मरकाम, एसडीएम तुलसीदास मरकाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति लोकेश्वरी नेताम, संजय नेताम, जनपद अध्यक्ष श्रीमति मोहना नेताम, सरपंच जिड़ार मुकेश कपिल, जनपद सदस्य प्रताप सिंह, कुमारीबाई पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष यादव एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नंदनी नेताम एवं अतिथियो ने पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। इस दौरान विशाल पौधारोपण कार्यक्रम में सभी क्षेत्रवासी ग्रामीण युवा मितानिन बहने एवं सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारियो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हाथो से पौधारोपण किया साथ ही पौधो की सुरक्षा करने की भी जिम्मेदारी लिया गया। इस दौरान गरियाबंद कलेक्टर बी एस उईके ने कहा शासन द्वारा महत्वपूर्ण योजना के तहत एक पेड़ मां के नाम इस अभियान में सभी क्षेत्रवासियो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया यह कार्यक्रम त्यौहार जैसे माहौल में आयोजित किया गया। उन्होने सभी से अपील करते हुए कहा हमारा काम सिर्फ पौधारोपण तक नही रहना चाहिए बल्कि इन पौधो की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी हम सबकी है। उन्होने फलदार वृक्षो के रोपण पर उनके महत्व के संबंध में भी लोगो को बताया। कलेक्टर श्री उईके ने कहा आज पौधारोपण के इस अभियान में सभी क्षेत्रवासियो का और विभागो का सहभागिता सराहनीय है पौधारोपण मात्र एक प्रतीक नही यह भविष्य के पीढ़ियो के लिए शुद्ध वायु, हरियाली और जीवन रक्षा की दिशा में हमारा उत्तरदायित्व है।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जी आर मरकाम ने कहा यहां जो पौधारोपण किया गया है यह लगभग 30 एकड़ जमीन है इसे सभी स्वसहायता समूह के सदस्य एक -एक एकड़ जमीन में पौधो की सुरक्षा की जिम्मेदारी लिया है जो अपने आप में एक मिसाल हैं पौधारोपण कर उन्होने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया साथ ही अपने घर के आसपास एवं खुले जगह में वृक्षा रोपण कर प्रकृति के संरक्षण में योगदान देने की अपील किया है। जिला पंचायत सदस्य श्रीमति लोकेश्वरी नेताम ने कहा हमारे क्षेत्र में लोग जल जंगल जमीन के प्रति शुरू से सजग है जिसके चलते आज हमारे क्षेत्र में हरा भरा देखने को मिल रहा है। जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा गरियाबंद जिले में सबसे ज्यादा जंगल मैनपुर क्षेत्र में है और हम सबको पौधारोपण के साथ ही जंगल की सुरक्षा के लिए भी संकल्प लेने की जरूरत है।

सभापति ने की कोसमंदा स्कूल के एचएम से मुलाकात

शिक्षकों की माग को लेकर बच्चे किए थे चक्का जाम

भाटापारा/नवप्रदेश। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमंदा में हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों की कमी होने पर वहां के बच्चों द्वारा चक्का जाम किए जाने की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के सदस्य राजा जायसवाल तुरंत स्कूल पहुंच कर स्कूल के जन भागीदारी के अध्यक्ष महेश मंडल सरपंच नारायण यदु, अश्वनी वर्मा ,पवन वर्मा(धुर्राबंधा)और स्कूल के प्रधानाचार्य के साथ बैठकर इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा के समक्ष रखकर उनसे निवेदन करके जल्द से जल्द निराकरण करने का निर्णय लिया गया।

■ न्यूज गैलरी

सरलता और समता से ही विकास संभव : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर/नवप्रदेश। परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने शनिवार को टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जीवन में सरलता और समता के गुण को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आप जीवन में सरलता और समता को आधार बनाकर विकास कर पाएंगे। सरलता छूटने लगे तो बच्चे बन जाएं और समता छूटने लगे तो महावीर बन जाएं। छोटे से बड़े तक आपके समझ में यह बातें आ गई तो वह आपके अंदर आध्यात्म उत्पन्न होगा। चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला में उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मनुष्य भव पाना बहुत कठिन है और इस भव को पाकर भी गंभीरता नहीं होती। सभी को इस भव में अपने जन्म की वैल्यू समझना चाहिए। विकास के लिए जीवन में क्वालिटी डेवलप करना चाहिए।

सेक्युलेंट्स एवं टेरारियम पर कार्यशाला आज

रायपुर/ नवप्रदेश। पर्यावरण जागरूकता एवं हरियाली को जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बनाने हेतु विशेष जीवंत कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर के नागरिकों को घर पर हरियाली

विकसित के नवीनतम उपायों से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पर्यावरण पहल की प्रेरणास्त्रोत ,डॉ. मेनका भारती, कृषि विशेषज्ञ एवं उद्यमी, रायपुर होंगी। सेक्युलेंट्स का जादू - आपके घर में। वक्ताः श्रीमती अंजू पारख, प्रख्यात गार्डन विशेषज्ञ। सेक्युलेंट्स के प्रकार, देखभाल, सजावट और उनके लाभों पर जानकारी देंगी। टेरारियम गार्डन - हरियाली की लघु दुनिया। वक्ताः श्रीमती बिजल पिथालिया, टेरारियम विशेषज्ञ। टेरेरियम तैयार करने की विधि, सामग्री और सजावटी उपयोगों पर जानकारी दी जाएगी। आज 3:30 बजे से 6:00 बजे तक रायपुर वृंदावन हॉल, सिविल लाइन में होगा। यह कार्यशाला निःशुल्क रहेगी, प्रकृति की ओर सोसायटी के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी एवं सचिव निर्भय धाडीवाल ने बताया कि समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण एवं स्व-सजगता को प्रोत्साहित करने के उद्देशित यह आयोजन किया जा रहा है।

महाराष्ट्र मंडल में आज विद्यार्थी सम्मान व गौरव अलंकरण समारोह

रायपुर/नवप्रदेश। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में रविवार, 13 जुलाई को सुबह 11 बजे सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओपी चौधरी होंगे, जो बच्चों को बोर्ड परीक्षा से लेकर व्यावसायिक शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर मार्गदर्शन करेंगे। इसी तरह विशेष अतिथि वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ व समाजसेवी डॉ. दिनेश मिश्रा होंगे। डॉ. मिश्रा लंबी अवधि तक कंप्यूटर, लेपटॉप और मोबाइल में पढ़ाई करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों- युवाओं को आंखों की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले करेंगे। मंडल के सचिव व कार्यक्रम के संयोजक चेतन गोविंद दंडवते ने बताया कि इस मौके पर रायपुर के बच्चों को बेसिक कंप्यूटर ट्रेनिंग और आंगनबाड़ी के कुपोषित बच्चों के लिए सेरेलेक उपलब्ध करानी वाली अर्पण सेवा समिति और मूक-बधिर बच्चों के रहवास और शिक्षा की निःशुल्क व्यवस्था करने वाले कोपलवाणी चाइल्ड वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन को गौरव अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

बिजली बिल के दामों की बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस करेगी चरणबद्ध आंदोलन

दो वर्षों में हमने जनता की लड़ाई लड़ी : दीपक बैज

■ **साल में भाजपा की साय सरकार ने चौथी बार बढ़ाई बिजली के दाम**

रायपुर /नवप्रदेश। प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को एक बार फिर लूटने का काम भाजपा सरकार ने किया है। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई है।

सर्वाधिक बढ़ोतरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई है। छत्तीसगढ़ के किसान इस सरकार की दुर्भावना और उपेक्षा के चलते पहले ही खाद, बीज और बिजली कटौती से परेशान हैं, अब कृषि पंप में बिजली की दर बढाकर किसानों की कमर तोड़ रही है भाजपा सरकार

इतिहास गवाह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में जनता को लूटने के तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं। 2003 से 2018 तक भाजपा की पूर्ववर्ती रमन सरकार ने हर साल बिजली के दामों में वृद्धि की। 2003 में छत्तीसग? में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 3 रुपए 30 पैसे के दर पर बिजली मिला करती थी, जिसे 15 साल के कुशासन के बाद रमनसिंह के समय ही 6 रुपए 40 पैसे तक बढ़ाया गया, जिसे चुनाव चुनावी वर्ष 2018 में मात्र 20 पैसे घटकर 6 रुपया 20 पैसे किया गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में पूरे 5 साल का नेट वृद्धि यदि देखें तो मात्र दो पैसे का था, जो ऐतिहासिक तौर पर सबसे न्यूनतम था।

पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने बिजली के घाटे को पाटते हुए बिजली बिल ऑफ योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 65 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3240 करोड रुपए के सब्सिडी देकर बहुत बढ़ी राहत दी थी। किसानों को 5 एचपी तक निशुल्क बिजली दिया, बीपीएल उपभोक्ताओं को 40 यूनिट तक मुक्त बिजली दी गई।

किसानों की समृद्धि कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रही :भाजपा

■ **प्रदेश प्रवक्ता व किसान नेता संदीप शर्मा का बैज के कथन पर करारा पलटवार**

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, वरिष्ठ किसान नेता संदीप शर्मा ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रेस कॉन्फ्रेंस में खाद-बीज नहीं मिलने का सफेद झूठ बोलकर प्रदेश के किसानों को बरगलाने और अराजकता फैलाने के अघोषित कांग्रेसी एजेंडे को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी खाद-बीज के लिए किसानों को परेशान नहीं होने देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार संकल्पित है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेता और पदाधिकारी कदम-कदम पर झूठ बोलने की आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। यूरिया और डीएपी खाद को लेकर कांग्रेस बिना वजह मिथ्या प्रलाप कर रही है जबकि अभी प्रदेशभर में नैनो यूरिया ,एनपीके, सुपर फास्फेट, ग्रोमोर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, किसानों को 6 लाख क्विंटल से अधिक प्रमाणित बीज और मांग अनुसार नगदी कृषि ऋण का वितरण किया जा रहा है। इन सब का उपयोग से प्रदेश के किसान कृषि-कार्य को रफ्तार दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी यह चाहते हैं कि किसानो में भ्रम फैले, किसानों में आशंकाओं के चलते अकारण दहशत और अफरा-तफरी मचे और फिर उस आड़ में कांग्रेसी अराजकता फैलाकर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाएँ। श्री शर्मा ने कहा कि अपने शासनकाल में तो कांग्रेसियों ने किसानों का सुकून छीन ही रखा था, अब सत्ता से उखाड़ फेंक दिए जाने के बाद भी कांग्रेसी किसानों की खुशी और उनका हित नहीं चाहते हैं और बेवजह के झूठ बोलकर के भ्रामक वातावरण निर्मित करना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस अपनी इस बदनीयती में कतई सफल नहीं होगी।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैज को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भूपेश सरकार ने किसानों को बदहाल करने का पूरा सिलसिला चला रखा था। किसानों को कांग्रेस ने अपने शासनकाल में केवल छला। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने दो साल का बोनस नहीं दिया, धान का पैसा चार-चार किश्तों में रुला-रुलाकर किसानों को दिया, बारदाने तक की कमी थी, ठीक से धान खरीदी तक नहीं कर रहे, रकबा कटौती, धान जप्ती, नकली कीटनाशक से फसल को होने वाली क्षति से परेशान सैकड़ों किसानों ने कांग्रेस के शासनकाल में आत्महत्या की।

वीर शिवाजी वार्ड में मंगल भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ की घोषणा

राजेश मूणत ने जन चौपाल में कहा-मैं राजनीति नहीं, सेवा करने आया हूं

रायपुर/ नवप्रदेश। रायपुर पश्चिम के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने शनिवार को वीर शिवाजी वार्ड (क्रमांक 16) और ठाकुर प्यारेलाल वार्ड (क्रमांक 40) में जन चौपाल का आयोजन कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी असली ताकत है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। जन चौपाल के दौरान बिजली, जल, नाली, सड़क, सफाई, स्कूल भवन, शौचालय, पेंशन, राशन जैसी अनेक समस्याएं सामने आई, जिन पर विधायक ने त्वरित संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को जवाबदेही तय करने को कहा।

विधायक मूणत ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड भी जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रायपुर पश्चिम क्षेत्र में डबल इंजन सरकार की नीति और भाजपा के सुशासन मॉडल के अंतर्गत करोड़ों रुपये के कार्यों को या तो पूर्ण किया जा चुका है या वे प्रगति पर हैं।

उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में नाम या पद के लिए नहीं आया हूं। मेरी प्राथमिकता सिर्फ सेवा है। आप मेरे परिवार के सदस्य हैं, आपके हर काम में मेरी भागीदारी है। मैं 24 घंटे उपलब्ध हूं, मेरा दरवाज़ा हर नागरिक के लिए हमेशा खुला है। किसी का भी काम अटकेगा नहीं।

विधायक ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार जनता के विश्वास पर बनी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में यह सरकार लोगों की सरकार है। राज्य और केंद्र में डबल इंजन की ताकत से विकास को नई रफ्तार मिली है। यह गति अब और तेज़ होगी।

उन्होंने जनता से भी अपील की कि यदि कहीं भी घटिया या अधूरा कार्य दिखाई दे, तो उसका वीडियो बनाकर उनके कार्यालय तक पहुंचाएं ताकि तत्काल जांच करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की निगरानी आपकी जिम्मेदारी है और पारदर्शिता हमारी।

वीर शिवाजी वार्ड खमतराई में मांगलिक कार्यक्रमों के लिए विधायक ने एक करोड़ रुपये की घोषणा भी की। उन्होंने पटवारी को निर्देश दिया कि एक एकड़ भूमि जल्द से जल्द चिह्नित की जाए ताकि मांगलिक भवन का निर्माण प्रारंभ हो सके। उन्होंने कहा कि यह भवन समाज के सभी वर्गों के उपयोग के लिए होगा।मूणत ने जन चौपाल में जनता को भरोसा दिलाया ङ्क मैं राजनीति नहीं, सेवा करने आया हूं।

छत्तीसगढ़ में 2 दिनों तक स्वास्थ्य सेवा होगी प्रभावित

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य कर्मियों में भाजपा सरकार के लिए इन दिनों बेहद आक्रोश है. विधानसभा चुनाव में बनाए गए मोदी की गारंटी नाम के घोषणा पत्र में संविदा अनियमित संवर्ग के कर्मचारियों के समस्याओं का निराकरण करने की बात कही गई. लेकिन सरकार गठन के बाद आज तक कुछ नहीं किया गया. इसे लेकर अब स्वास्थ्य कर्मचारी बड़े आंदोलन की तैयारी में हैं, जिससे 16-17 जुलाई को प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी. छत्तीसगढ़ में मेडिकल कॉलेज अस्पतालों से लेकर ग्राम स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मी कार्यरत हैं जो अपनी मांगों को लेकर 16 और 17 जुलाई को आंदोलन पर रहेंगे।

सावन महोत्सव में दिखा छत्तीसगढ़ी खेलों का दम

■ **रस्सी कूद में प्रियंका, गेड़ी में अनीता, टायर गेम में कौशल्या बनीं स्टार**

रायपुर/ नवप्रदेश। सांस्कृतिक विवेकानंद उत्कर्ष परिषद द्वारा आयोजित 11वां सावन के मड़ई 2025 राजधानी के अभिनंदन पैलेस में पूरे पारंपरिक उत्साह, सांस्कृतिक रंगों और जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक हुआ। यह महोत्सव छत्तीसगढ़ी परंपरा और उत्सवधर्मिता का एक जीवंत उदाहरण रहा, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों की सहभागिता देखी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद की अध्यक्ष दीप्ति दुबे के प्रेरक स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात नीलिमा शर्मा और मोनिका मिश्रा द्वारा अतिथियों को मेमेंटो प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। खेल आयोजनों का संचालन गुंजन शर्मा एवं नेहा शर्मा के कुशल नेतृत्व में हुआ।

मंच से आरजे अनिमेष ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील और प्रासंगिक विषय पर एक संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित वक्तव्य दिया। वहीं सावन क्वीन प्रतियोगिता की निर्णायक के रूप में अंकिता शर्मा ने अपनी भूमिका निभाई। अंत में, परिषद के सचिव सौरभ तिवारी ने सभी आगंतुकों और सहभागियों का आभार प्रकट किया।

रस्सी कूद प्रतियोगिताः प्रियंका तिवारी,जे. पदमा,गिल्ली डंडाः ज्योति शुक्ला, लता साहू,गेड़ी दौड़ः अनीता देवांगन, अनिमेष शुक्ला,टायर दौड़ प्रतियोगिताः कौशल्या, चम्मच दौड़ः सपना शर्मा, नीलिमा मिश्रा।

इस आयोजन को सफल बनाने में परिषद के सक्रिय सदस्यों–दीप्ति दुबे, नीलिमा शर्मा, मोनिक मिश्रा, गुंजन शर्मा, सुभाष तिवारी, सौरभ तिवारी, शैलेन्द्र दुबे, आर्य दुबे, आरजे अनिमेष, सागर, मनीष तिवारी, जिनेन्द्र, माया दीवान और सुषमा शुक्ला–का विशेष योगदान रहा।

स्वच्छ सर्वेक्षण में छग के सात नगरीय निकायों को मिलेंगे राष्ट्रीय पुरस्कार

■ **17 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी पुरस्कृत**

रायपुर/ नवप्रदेश। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। नई दिल्ली में आगामी 17 जुलाई को आयोजित होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के सात नगरीय निकायों को स्वच्छता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु इन पुरस्कारों को प्रदान करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसिडेंट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम को तीन लाख से दस लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार आबादी वाले शहरों की श्रेणी में तथा बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में यह सम्मान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रायपुर नगर निगम को स्वच्छता के क्षेत्र में राज्य स्तर पर श्रेष्ठ कार्यों के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्रियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा। स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को पहचान देने हेतु इस वर्ष सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) नामक एक विशेष श्रेणी की शुरुआत की गई है। इस लीग में वे शहर शामिल किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त कर चुके हैं तथा वर्तमान वर्ष में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। इस नवीन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का चयन हुआ है - अंबिकापुर नगर निगम (50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी), पाटन नगर पंचायत तथा बिश्रामपुर नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी) को एसएसएल के लिए चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयनित सातों नगरीय निकायों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा स्थानीय निकायों द्वारा सतत किए जा रहे प्रयासों का यह उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में राज्य के और भी अधिक नगरीय निकाय स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होंगे।

कठोर श्रम और समर्पण से मिलती है सफलता : खरे

रायपुर/ नवप्रदेश । कठोर श्रम और समर्पण से ही सफलता मिलती है. छात्र-छात्राएं समय का बजट बनाएं. अपने एक-एक पल का सदुपयोग करें. जो समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता।

उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार शशांक खरे ने शनिवार को मोनेट डीएवी पब्लिक स्कूल मंदिरहसौद में आयोजित शाला उत्सव (कक्षा आठवीं) कार्यक्रम में कहीं. उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, ख्यातनाम पार्श्वगायिका स्व. लता मंगेश्कर और सदी के महान नायक अमिताभ बच्चन जैसे व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने कहा. इस अवसर पर मोनेट स्कूल से पासआउट और वर्तमान में रिसर्चर क्षेत्रा कावरे ने स्कूली शिक्षा और वर्तमान में अपने रिसर्च पर अनुभव को साझा किया. उन्होंने सजग छात्र की भूमिका निभाने की अपील की. विशेष तौर पर उपस्थित केंद्रीय विद्यालय कुरुद (धमतरी) के शिक्षक गणेश कावरे ने बच्चों को मोटिवेशनल स्पीच देकर उत्साह बढ़ाया. शिक्षिका ए. पद्मावती ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. कक्षा आठवीं के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मोहक प्रस्तुति दी.

प्राचार्या श्रीमती ऋतु चौधरी ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया. उन्होंने पालकों और बच्चों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बनकर भूमिका अदा करने की वचनबद्धता दोहराई. कक्षा शिक्षक मनीष जायसवाल, शिक्षिका सीता शर्मा, तरुण शास्त्री ने आयोजन में समन्वयक की भूमिका निभाई।

न्यूज गैलरी

वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 10 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली। आईसीआरए की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में 7-10 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण रखा गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 2026 में 15-20 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है; हालांकि, हालिया भू-राजनीतिक चिंताओं को देखते हुए यह निगरानी योग्य बना हुआ है।

क्वांटम कंप्यूटर, जो क्वांटम मेकैनिज्म के सिद्धांतों का इस्तेमाल कर करते हैं काम

दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी की ओर बढ़ रही है : सीईआरटी-इन

नई दिल्ली। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) द्वारा शुक्रवार को जारी एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी बनने की ओर एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ी है। भारत की राष्ट्रीय साइबर एजेंसी द्वारा ग्लोबल साइबरसिक्योरिटी फर्म एसआईएसए के सहयोग से संकलित आंकड़े इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि क्वांटम कंप्यूटिंग अब एक भविष्यवादी विचार नहीं, बल्कि साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर गहरे प्रभाव डालने वाली एक तेजी से उभरती वास्तविकता है। ट्रांजिशनिंग टू क्वांटम साइबर रेडीनेस शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि क्वांटम कंप्यूटर, जो क्वांटम मेकैनिज्म के सिद्धांतों का इस्तेमाल कर काम करते हैं, अब रिसर्च लैब से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में उपयोग में आ रहे हैं।

कई ग्लोबल टेक कंपनियों ने पहले ही शानदार प्रगति कर ली है। दिसंबर 2024 में लॉन्च हुई गूगल की विलो चिप ने 105 क्यूबिट के साथ एरर करेक्शन में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।माइक्रोसॉफ्ट ने फरवरी 2025 में अपना मेजराना-1 प्रोसेसर पेश किया, जिसका लक्ष्य दस लाख क्यूबिट तक विस्तार करना है।आईबीएम का लक्ष्य 2029 तक फॉल्ट-टोलरेंट सिस्टम बनाना है और क्वांटिनम ने रिकॉर्ड तोड़ परिशुद्धता के साथ 56-क्यूबिट ट्रैप्ड-आयन क्वांटम कंप्यूटर बनाया है।रिपोर्ट के अनुसार, नोकिया भी क्वांटम नेटवर्किंग के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्ष घोषित किया है, जो दर्शाता है कि ग्लोबल कम्युनिटी इस बदलाव को कितनी गंभीरता से ले रहा है।

सेमीकंडक्टर से लेकर सिस्टम सॉफ्टवेयर तक क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़ा इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग की क्षमताएं अपार हैं, लेकिन इसके साथ गंभीर साइबर सुरक्षा जोखिम भी जुड़े हैं। क्वांटम कंप्यूटर आज की मशीनों की तुलना में जटिल समस्याओं को कहीं ज्यादा तेजी से हल कर सकते हैं, जिसका मतलब यह भी है कि वे मौजूदा एन्क्रिप्शन मेथड को ब्रेक कर सकते हैं।आरएसए जैसे एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम, जिनका वित्तीय लेनदेन, मैसेजिंग ऐप, डिजिटल साइन और यहां तक कि ब्लॉकचेन सिस्टम की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 डील्स का किया ऐलान

प्राइम मेंबर्स 12 जुलाई से 14 जुलाई तक तीन दिन जबरदस्त डील्स, रोमांचक नए लॉन्च, ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट और बहुत कुछ के लिए रहे तैयार

नई दिल्ली/ए.। अमेज़न इंडिया ने आज बहुप्रतीक्षित प्राइम डे 2025 डील्स का ऐलान किया है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए हैं। 12 जुलाई की आधी रात 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, ग्राहक 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का आनंद ले सकेंगे। चाहे आप अपना टेक अपग्रेड करना चाहते हों, वार्डरोब या घर को रिफ्रेश करना चाहते हों तो प्राइम डे आपके लिए शानदार बचत के साथ स्मार्टफोन्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज़, अमेज़न डिवाइसेज़, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, फर्नीचर, डेली एसेंशियल्स और बहुत कुछ लेकर आ रहा है। यह शॉपिंग का एकदम सही समय है, इसलिए अपनी प्राइम मेंबरशिप का अधिकतम लाभ उठाएं और

खासतौर पर प्राइम मेंबर्स के लिए तैयार किए गए ऑफर्स का आनंद लें। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड, एसबीआई क्रेडिट कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड व एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ईएमआई ट्रांजैक्शन के माध्यम से भुगतान कर 10% तक की बड़ी बचत कर सकते हैं।

प्राइम डे 2025 डील्स एक झलक!

प्राइम डे प्रीमियर्स के दौरान टॉप स्मार्टफोन ब्रांड्स के नए लॉन्च देखने को मिलेंगे।

ग्राहक मोबाइल टेक्नोलॉजी के लेटेस्ट लॉन्च पर हाथ आज़मा सकेंगे, जिनमें नई खूबियां और आकर्षक रंग शामिल होंगे।

इस लाइनअप में सैमसंग गैलेक्सी एम36 5जी, वनप्लस नॉर्ड 5, वनप्लस नॉर्ड सीई5, आईक्यूओओ जेड10 लाइट 5जी, रियलमी नारजो 80 लाइट 5जी, हॉनर एक्स9सी 5जी, ओप्पो रेनो 14 सीरीज, लावा स्टॉर्म लाइट 5जी और आईक्यूओओ 13 आदि शामिल हैं।

नाम-परिवर्तन

मैं श्री रामकुमार निषाद पिता देवचरण निषाद उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम पाहंदा पो. पाहंदा तहसील बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.) का हूं, जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूँ यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है। यह कि मेरे पुत्र के समस्त अंकसूची एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम निकेश कुमार (NIKESH KUMAR) पिता रामकुमार (RAM KUMAR) दर्ज है, जो सत्य व सही है। यह कि मेरे पुत्र के बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड नं. 2820 8199 0613 है, जिसमें मेरे पुत्र का नाम लिकेश कुमार (LIKESH KUMAR) दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। यह कि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम निकेश कुमार (NIKESH KUMAR) पिता रामकुमार (RAM KUMAR) है, जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है। यह कि उक्त बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम लिकेश कुमार (LIKESH KUMAR) पिता रामकुमार (RAM KUMAR) के स्थान पर सही व वास्तविक नाम निकेश कुमार (NIKESH KUMAR) पिता रामकुमार (RAM KUMAR) दर्ज करवाना चाहता हूं जिसके समर्थन में शपथपत्र श्रीमान् सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष गजट प्रकाशन हेतु प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
श्री रामकुमार निषाद
पिता देवचरण निषाद
निवासी ग्राम पाहंदा पो. पाहंदा
तहसील बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.202507100700075
/अ-6/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरिशंकर पिता/पति नंदलाल निवासी ग्राम गायत्री नगर पोटियाकला तह. व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 89/11 एवं 89/361 रकबा 0.0400, 0.0240 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार देवीप्रसाद एवं हठियारिन बाई की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 04.08.2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10.07.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

(धारा 178 प्रारूप ख)
मा.क्र.202507100700076
/अ-27/वर्ष 2024-25

क्योंकि मौजा पोटियाकला तह. व जिला दुर्ग के सहभूमिस्वामी राजूलाल आ. परदेशी निवासी पोटियाकला तह. व जिला दुर्ग ने निम्नांकित अनुसूचि में निर्दिष्ट खाते के अपने भाग के विभाजन के लिए आवेदन किया है एवं क्योंकि उक्त खाते का बंटवारा किया जाना प्रस्तावित हुआ है एवं सुनवाई का दिनांक 04.08.2025 स्थान तहसील कार्यालय दुर्ग पर दिन 11:00 बजे नियत किया गया है। उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक को या तो स्वतः अथवा किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा हाजिर हों एवं अपने आक्षेपों यदि कोई हो तो पेश करें। उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर हाजिर नहीं होने पर एवं आक्षेपों को पेश नहीं कर पाने की स्थिति में आक्षेपों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(खाते का विवरण)
सर्वेक्षण संख्यांक/भूखंडांक- 120/3
क्षेत्रफल- 0.1485
भू-राजस्व- 0.045/-

आज दिनांक 10.07.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार मारीबंगला देवरी जिला बालोद (छ.ग.)
ईश्तहार

(प्रारूप ख)
प्र.क्र.202506243500039
/अ-27/वर्ष 2024-25

क्योंकि मौजा ग्राम पापरा प.ह.नं. 29 रा.नि.मं. सुरेगांव तहसील मारीबंगला-देवरी जिला बालोद (छ.ग.) के सहभूमिधारी टोमन सिंह आ. मानूराम अन्य 01 निवासी ग्राम पापरा ने निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट खाते में अपने भाग के बंटवारा के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है तथा उक्त खाते का विभाजन किया जाना प्रस्तावित किया गया है और सुनवाई दिनांक 30.07.2025 स्थान देवरी पर अपराह्न 11:00 बजे नियत किया गया है। उक्त खाते में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वे निष्चित दिनांक को या तो स्वयं या किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां यदि कोई हो, तो प्रस्तुत करें। उक्त दिनांक तथा स्थान पर उपस्थित न हो पाने तथा आपत्तियां प्रस्तुत न कर पाने की दषा में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

(खाते का विवरण)
सर्वेक्षण संख्यांक/भूखंडांक- कुमारी बाई आ. फूलसिंग, नोहर, टोमन सिंह, चन्द्रा पि. भानूराम, कुणाल, दामिनी पि. देवीलाल, महेश्वरी पति देवीलाल, मथरा बाई पति भानूराम जाति गोंड, पता पापरा कृषि भूमि, भूमिस्वामी
ख.नं.- 543 रकबा- 0.42 लगान- 1.37
स्थान- मारीबंगला-देवरी
जारी दिनांक 11.07.2025

मुहर — **तहसीलदार मारीबंगला देवरी**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202505103800045
/अ-20(3)/ वर्ष 2024-25

आवेदिका श्रीमती कल्पना प्रकाश तायड़े ध.प. प्रकाश तुकाराम जी तायड़े, निवासी महलोई, रायगढ़ द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग प्लाट नं. एम.आई.जी. 02/287 रकबा 160.00 वर्गमीटर धारक सुमन सराफध.प. स्व. डी.जी. सराफके नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक की ओर से आम मुख्तयार संजय सराफआ. स्व. डी.जी. सराफ द्वारा पंजीकृत विकय विलेख दिनांक 25.04.2025 आवेदक के पक्ष में निष्पादित किया गया है। उक्त आधार पर आवेदक द्वारा प्रश्नाधीन भूखण्ड से विकेता/धारक का नाम विलोपित कर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 19.06.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 23.05.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.)
ईश्तहार

आवेदक बृज किशोर झारिया आ. उमेश्वर दास झारिया व अन्य 02 निवासी स. लोहारा तह. स. लोहारा जिला कबीरधाम द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम ढाबा प.ह.नं. 33 तह. व जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नं. 346/53 रकबा 0.0330 हे. भूमि के खाता विभाजन किये जाने का निवेदन किया है।

उक्ताशय के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी तारीख 30.07.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय तक लिखित मे प्रस्तुत कर सकते है, बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनाँक 10.07.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर — **तहसीलदार राजनांदगांव**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202507101000066
/अ-6/ सन्- 2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलीम अहमद पिता अब्दुल कयुम कुरैशी निवासी फरीद नगर मिर्ला द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 3040 रकबा 0.030 हे. आवेदक के दादा के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.07.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07.07.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202507101000067
/अ-27/ सन्- 2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रचना हरने पिता दामोदर हरने निवासी सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 6399/4 रकबा 0.010 हे. आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी की मृत्यु होने से मृतक भूमिस्वामी के द्वारा मृत्यु पूर्व अपने जीवनकाल में आवेदक के नाम पर पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया था, भूमिस्वामी की मृत्यु होने पर आवेदित भूमि को पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक स्वयं के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30.07.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.07.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर (छ.ग.)**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग -01 जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र/202506104700071
/अ-74/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री दानी राम पिता/पति-दयाराम निवासी ग्राम कुटेलाभाठा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कुटेलाभाठा प.ह.नं.-13, तह.व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा न.-128/2 रकबा 0.010 हे0 भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा मूल ऋष्ठा पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋष्ठापुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की प्रति, बैंकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि द्वितीय प्रति ऋष्ठापुस्तिका प्रदाय किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 20.06.2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202506100800034
/अ-6 अ/वर्ष 2024-25
ग्राम-दारगांव, प.ह.न. 23

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक गोवर्धन साहू पिता रजऊ साहू निवासी ग्राम दारगांव तहसील धमधा जिला दुर्ग के द्वारा आवेदन पेश किया गया है, कि शासन द्वारा मामला क्रमांक 1/3-19/वर्ष 1986-87 के अनुसार मौजा ग्राम दारगांव, प.ह.नं. 23 स्थित खसरा नंबर 680/2 रकबा 0.02 हे. (0.05 डिसमिल) भूमि आवेदक के नाम पर पट्टा प्रदान किया गया है। जो कि उक्त भूमि का खसरा नंबर बदलकर वर्तमान खसरा नंबर 1554 हो गया है। जो कि प्रश्नाधीन भूमि भू-अभिलेख के वर्तमान ऑनलाईन में खसरा नंबर 1554 का रकबा 0.02 हे. के स्थान पर रकबा 0.01 हे. त्रुटि पूर्ण दर्ज हो गया है। जिसे आवेदक आवेदन पत्र के साथ पट्टे व ऋष्ठा पुस्तिका एवं अन्य दस्तावेज कि छायाप्रति संलग्न कर भू-अभिलेख में हुई त्रुटि को सुधार करते हुये खसरा नंबर 1554 का रकबा 0.02 हे. (0.05 डिसमिल) दर्ज करने का निवेदन किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त प्रश्नाधीन वांद भूमि के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी 28.07.2025 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार धमधा (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार देवकर, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहर

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तारकेश निषाद पिता बुधारू निषाद जाति केंवट निवासी ग्राम बासीन तहसील देवकर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम बासीन में दिनांक 01/04/2024 को आवेदक के पिता/पति/ माता/ पुत्र/पुत्री/ रम्हला निषाद की जन्म/मृत्यु हो जाने के कारण उक्त व्यक्ति का जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के साथ उपस्थित होकर दिनांक 15/07/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा जारी किया गया।
स्थान- देवकर

सील — **तहसीलदार देवकर जिला-बेमेतरा (छ.ग.)**

सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने दी नोवाक जोकोविच को मात

नई दिल्ली। यानिक सिनर ने शुक्रवार को विंबलडन के सेमीफाइनल में दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। यानिक सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में सिनर ने जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हरा दिया। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कारेज से होगा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Phone :- 07775-266355/Fax-07775-266956 Email Id-nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक/3075/न.पा.प./2025-26 — सूरजपुर, दिनांक 11/07/2025

-:: मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना ::-

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद सूरजपुर द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु सीलबंद निविदायें प्रभावशील P.W.D. S.O.R. Building/Road 01/01/2015 के कम/समान/अधिक प्रतिशत दर से 03 लिफापा पद्धति में मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा पंजीकृत डाक से प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 28/07/2025 सायं 3.00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि - 28/07/2025 सायं 4.00 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (वार्षिक)	अमानत राशि (रुपये)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रुपये)
1	वार्ड क्र. 07 पीपल चौक में नाली निर्माण कार्य	4.92	5000.00	750.00
2	वार्ड क्र. 09 पूर्व नाली से हैण्डपंप तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	4.66	5000.00	750.00
3	वार्ड क्र.-05 शांति गली में नाली निर्माण कार्य	5.08	5000.00	750.00
4	वार्ड क्र.-05 जगरनाथ साहू घर से अशोक बंगाली घर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य	3.11	5000.00	750.00

निविदा फार्म विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड कर निविदा में भाग ले सकेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु न.पा. कार्यालय एवं विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कंपनी लिमिटेड
CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
(CIN:U40108CT2003SGC015822)

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु अंतिम ट्रू-अप, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सकल राजस्व आवश्यकता का निर्धारण एवं विद्युत आपूर्ति की फुटकर दरों के निर्धारण हेतु याचिका छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष प्रस्तुत की गई। जिसे याचिका क्रमांक 98/2024 के रूप में पंजीकृत किया गया। माननीय आयोग ने वर्ष 2025-26 के लिये टैरिफ आदेश दिनांक 11.07.2025 को जारी किया है। इस आदेश में वितरण कंपनी के लिए वर्ष 2025-26 में रू. 7.02 पैसे प्रति यूनिट औसत आपूर्ति दर पर रू. 25636.38 करोड़ की शुद्ध वार्षिक राजस्व आवश्यकता स्वीकृत किया गया है जिसमें ट्रू-अप पश्चात् वर्ष 2023-24 का अतिरिक्त राजस्व रू. 3980.45 करोड़ समाहित है। इस टैरिफ आदेश में वर्ष 2025-26 के लिए निम्नदाब एवं उच्चदाब पर आपूर्ति हेतु विद्युत दरों का निर्धारण भी किया गया है जिसका सारांश नीचे तालिका में दर्शाया गया है। नई दरें दिनांक 01.07.2025 से 31.03.2026 अथवा आगामी टैरिफ आदेश के प्रभावशील होने की तिथि, जो भी बाद में हो, तक लागू रहेंगी :-

निम्न दाब उपभोक्ताओं हेतु प्रचलित एवं वर्ष 2025-26 हेतु आयोग द्वारा अनुमोदित टैरिफ

उपभोक्ता श्रेणी	वर्तमान दरें (वर्ष 2024-25)			नई दरें (वर्ष 2025-26)		
		नियत प्रभार	ऊर्जा दर		नियत प्रभार	ऊर्जा दर
LV-1 घरेलू उपभोक्ता एवं बीपीएल उपभोक्ता	वर्ग	रुपये	रुपये प्रति यूनिट	वर्ग	रुपये	रुपये प्रति यूनिट
LV-1	0-100	रू. 20/- प्रति कि.वा. प्रति माह 5 कि.वा. तक के सम्बद्ध भार के लिए; रू. 30/- प्रति कि.वा. प्रति माह 5 कि.वा. से 10 कि.वा. तक के सम्बद्ध भार के लिए; रू. 40/- प्रति कि.वा. प्रति माह 10 कि.वा. से अधिक के सम्बद्ध भार के लिए	3.90	0-100	रू. 20/- प्रति कि.वा. प्रति माह 5 कि.वा. तक के सम्बद्ध भार के लिए; रू. 30/- प्रति कि.वा. प्रति माह 5 कि.वा. से 10 कि.वा. तक के सम्बद्ध भार के लिए; रू. 40/- प्रति कि.वा. प्रति माह 10 कि.वा. से अधिक के सम्बद्ध भार के लिए	4.10
	101-200		4.10	101-200		4.20
	201-400		5.50	201-400		5.60
	401-600		6.50	401-600		6.60
	601 एवं उससे अधिक		8.10	601 एवं उससे अधिक		8.30
LV-2 गैर घरेलू उपभोक्ता	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर
LV-2.1 गैर घरेलू उपभोक्ता	0-100	रू. 50 प्रति कि.वा.प्रति माह (5 कि.वा. तक) सिंगल फेस	6.05	0-100	रू. 50 प्रति कि.वा.प्रति माह (5 कि.वा. तक) सिंगल फेस	6.30
	101-400		7.05	101-400		7.30
	401 एवं उससे अधिक		8.45	401 एवं उससे अधिक		8.70
LV-2.2 गैर घरेलू उपभोक्ता	0-400	रू.120 प्रति कि.वा. प्रति माह (15 कि.वा. तक) थ्री फेस बिलिंग डिमांड पर	7.05	0-400	रू.120 प्रति कि.वा. प्रति माह (15 कि.वा. तक) थ्री फेस बिलिंग डिमांड पर	7.30
	401 एवं उससे अधिक		8.45	401 एवं उससे अधिक		8.70
	मांग आधारित	रू.200 प्रति कि.वा. प्रति माह (15 कि.वा. से अधिक) थ्री फेस बिलिंग डिमांड पर	7.75	मांग आधारित	रू.200 प्रति कि.वा. प्रति माह (15 कि.वा. से अधिक) थ्री फेस बिलिंग डिमांड पर	8.00
LV-2.3 (इलेक्ट्रिक व्हीकल)				सभी यूनिट्स	निरंक	7.02
LV-3 कृषि उपभोक्ता	-	रू.100 प्रति एच.पी. प्रति माह	5.30	-	रू.100 प्रति एच.पी. प्रति माह	5.80
LV-4 निम्नदाब कृषि संबंधी अन्य कार्य	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर
LV-4.1 (अ) कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. तक	कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. तक	रू.100 प्रति एच.पी. प्रति माह या रू.134 प्रति कि.वा. प्रति माह	5.30	कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. तक	रू.100 प्रति एच.पी. प्रति माह या रू.134 प्रति कि.वा. प्रति माह	5.80
LV-4.1 (ब) कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. से अधिक 150 एच.पी. तक	कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. से अधिक 150 एच.पी. तक	रू.110 प्रति एच.पी. प्रति माह या रू.147 प्रति कि.वा. प्रति माह	6.05	कृषि संबंधी अन्य कार्य 25 एच.पी. से अधिक	रू.110 प्रति एच.पी. प्रति माह या रू.147 प्रति कि.वा. प्रति माह	6.35
LV-4.2 कृषि संबंधी अन्य कार्य मांग आधारित	कृषि संबंधी अन्य कार्य मांग आधारित 15 कि.वा. से 112.5 कि.वा. तक	रू.200 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.25	कृषि संबंधी अन्य कार्य मांग आधारित 15 कि.वा. से अधिक	रू.200 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.55
LV-5 निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ता	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर	वर्ग	मांग प्रभार	ऊर्जा दर
LV-5.1 औद्योगिक उपभोक्ताण	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (आटाचक्की/पावर लूम)	रू. 80 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	4.75	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (आटाचक्की/पावर लूम)	रू. 80 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	5.05
सरगुजा एवं बस्तर प्राधिकरण में आने वाले क्षेत्र हेतु	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (आटाचक्की/पावर लूम)	रू. 80 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	4.25	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (आटाचक्की/पावर लूम)	रू. 80 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	4.55
LV-5.2 अन्य उद्योग						
LV-5.2.1 औद्योगिक उपभोक्ता	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू. 120 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	5.75	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू. 120 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.05
सरगुजा एवं बस्तर प्राधिकरण में आने वाले क्षेत्र हेतु	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू. 100 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	4.75	25 एच.पी. (18.7 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू. 100 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	5.05
LV-5.2.2 औद्योगिक उपभोक्ता	25 एच.पी से अधिक 150 एच.पी (18.7 किलोवॉट से 112.5 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू.150 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.50	25 एच.पी से अधिक (18.7 किलोवॉट)	रू.150 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.80
सरगुजा एवं बस्तर प्राधिकरण में आने वाले क्षेत्र हेतु	25 एच.पी से अधिक 150 एच.पी (18.7 किलोवॉट से 112.5 किलोवॉट) तक (अन्य औद्योगिक)	रू.130 प्रति कि.वा. प्रति माह (बिलिंग डिमाण्ड पर)	6.00	25 एच.पी से अधिक (18.7 किलोवॉट)	रू.130 प्रति कि.वा. प्रति माह	6.30
LV-6 सार्वजनिक उपयोग (जल प्रदाय एवं सड़क बत्ती)	-	रू.142 प्रति एच.पी. प्रति माह अथवा रू. 190 प्रति कि.वा. प्रति माह	6.85	-	रू.142 प्रति एच.पी. प्रति माह अथवा रू. 190 प्रति कि.वा. प्रति माह	7.35
LV-7 सूचना प्रौद्योगिकी	सूचना प्रौद्योगिकी, निर्यात आधारित टेक्सटाईल उद्योग	रू. 150 प्रति कि.वा. प्रति माह	5.75	सूचना प्रौद्योगिकी, निर्यात आधारित टेक्सटाईल उद्योग	रू. 150 प्रति कि.वा. प्रति माह	6.05

उच्च दाब उपभोक्ताओं हेतु प्रचलित एवं वर्ष 2025-26 हेतु आयोग द्वारा अनुमोदित टैरिफ

	उपभोक्ता श्रेणी	वर्तमान दरें (वर्ष 2024-25) मांग प्रभार (रुपये प्रति केवीए प्रति माह)	वर्तमान दरें (वर्ष 2024-25) ऊर्जा प्रभार (रुपये प्रति kVAh)	नई दरें (वर्ष 2025-26) मांग प्रभार (रुपये प्रति केवीए प्रति माह)	नई दरें (वर्ष 2025-26) ऊर्जा प्रभार (रुपये प्रति kVAh)
HV-1	Railway Traction on 132 kV/220 kV	375	5.25	375	5.55
HV-2	Mines				
	220 KV	500	6.85	500	6.95
	132 KV	500	7.00	500	7.10
	33 KV	500	7.25	500	7.50
	11 KV	500	7.55	500	7.80
HV-3	Other Industry & General Purpose Non-Industrial				
	220 KV	375	6.55	375	6.65
	132 KV	375	6.70	375	6.80
	33 KV (Load factor >15%)	375	6.95	375	7.20
	33 KV (Load factor <=15%)#	190	7.15	190	7.40
	11 KV (Load factor >15%)	375	7.35	375	7.60
	11 KV (Load factor <=15%)#	190	7.65	190	7.90
HV-4	Steel Industries				
	220 KV	375	5.95	375	6.10
	132 KV	375	6.10	375	6.25
	33 KV (Load factor>15%)	375	6.35	375	6.65
	33 KV (Load factor<=15%)	190	6.85	190	7.15
	11 KV (Load factor >15%)	375	6.45	375	6.75
	11 KV (Load factor <=15%)	190	7.25	190	7.55
HV-5	Irrigation, Agriculture, Allied Activities & Public water Works	375	6.35	375	6.60
HV-6	Residential	375	6.55	375	6.80
HV-7	Start up Power Tariff 400/220/132/33/11 kV	200	8.85	200	9.10
HV-8	Industries related to manufacturing of equipment for power generation from renewable energy sources 220/132/33/11 kV	130	4.65	130	4.95
HV-9	Information Technology Industries and export oriented Textile Industries	150.00	4.75	150	5.05
HV-11	Electric Vehicle Charging Stations			NIL	6.32

विधायक, महापौर के बीच वर्चस्व की लड़ाई से अटका शहर का विकास

चार माह में मिले सिर्फ 10 करोड़, नई परिषद के प्रस्तावों पर नहीं मिली राशि

दुर्ग/नवप्रदेश। मैनपाट में भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं ने पार्टी के विधायकों को जनता से जुड़े विकास कार्यों पर फोकस करने और कमीशनखोरी, ठेकेदारी से दूर रहने सहित एकजुटता से काम करने की नसीहतें दी हैं। लेकिन, जमीनी स्तर पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। दुर्ग में विधायक गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार के बीच शीतयुद्ध चरम पर है। इसका असर शहर के विकास पर पड़ रहा है। हालत ये है कि नगर निगम को पर्याप्त फंड न मिलने से शहर में विकास कार्य ठप हैं। नगर निगम की नई परिषद का कामकाज महज चार माह पहले शुरू हुआ। महज चार माह में ही विधायक गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार के बीच पनपी गुटबाजी की चर्चा दुर्ग शहर से राजधानी रायपुर तक पहुंच चुकी है। गुटीय विवाद बढ़ने पर दुर्ग के प्रभारी मंत्री होने के नाते डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दोनों को रायपुर बुलाकर समन्वय से काम करने की नसीहतें दी थी। लेकिन, डिप्टी सीएम की नसीहतों का कोई असर नहीं हुआ। हालात जस के तस हैं।

कहा जा रहा है कि महापौर अलका बाघमार की राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर सक्रियता से विरोधी खेमा परेशान है। जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर महापौर अलका बाघमार न सिर्फ सक्रियता से एक्शन ले रही हैं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर भी नगर निगम के कामकाज में कसावट लाने की लगातार कोशिशें कर रही है। अलका की सक्रियता को देखते हुए विधानसभा चुनाव में उनकी प्रबल दावेदारी की चर्चा अभी से होने लगी है। भाजपा के सूत्र ही बता रहे हैं कि महापौर को नुकसान पहुंचाने की नीयत से ही भाजपा के एक सशक्त गुट द्वारा नगर निगम का फंड अटकाने की कोशिशें की जा रही है।

विवाद का असर विकास कार्यों पर

विधायक और महापौर के बीच शीतयुद्ध जारी रहने और गुटबाजी के कारण शहर के विकास कार्यों पर असर पड़ने लगा है। महापौर के नेतृत्व में नई परिषद का गठन होने के बाद से अभी तक विकास कार्यों के लिए दुर्ग नगर निगम को राशि जारी नहीं की गई है। ट्रपल इंजन की सरकार में शहर के विकास को नई चमक देने का दावा शुरुआती दौर में ही फीका पड़ने लगा है। वजह सिर्फ गुटीय लड़ाई है। शहर से जुड़े हरेक विकास कार्य का श्रेय खुद लेने की ललक के कारण भी मामला लगातार उलझ रहा है। राजधानी रायपुर में भाजपा संगठन से जुड़े एक दिग्गज नेता ने आफ द रिकॉर्ड स्वीकार किया है कि महापौर की बढ़ती लोकप्रियता से दूसरा खेमा परेशान है। नगर निगम के विकास कार्यों में रोड़े अटकाने की वजह भी यही है। महापौर के नेतृत्व में नगर निगम की नई परिषद को फंड जारी न होने से शहर में केवल वही विकास कार्य हो रहे हैं, जिसे विधायक गजेंद्र यादव ने मंजूरी दिलाई है। इन कार्यों का श्रेय भी विधायक को ही मिल रहा है।

महापौर की सक्रियता से विरोधी खेमा परेशान

महापौर अलका बाघमार जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर दिन-रात सक्रिय रहती हैं। शहरवासियों ने देखा है कि महापौर अलका बाघमार आधी रात तक फिल्टर प्लांट में मेंटेनेंस कार्य का जायजा लेने के लिये डटी रही थी। आम जनता से जुड़ी समस्याओं का पता चलते ही अलका फौरन एक्टिव होकर समस्या का समाधान करने निगम अफसरों को सख्त निर्देश देती हैं। नगर निगम के कामकाज में कसावट लाने के लिये महापौर ने कई बार अधिकारियों, कर्मचारियों की क्लास ली है। लगातार निर्देशों के कारण ही बीते वित्तीय वर्ष के दौरान रिकॉर्ड राजस्व वसूली हुई। जनता से जुड़े कार्यों को पेंडिंग न रखने के सख्त निर्देश भी महापौर ने दिये हैं। विकास कार्यों पर पैनी नजर रखते हुए अलका ने शहर के विकास से जुड़े हर मुद्दे पर एक्शन लिया है। अलका की यही सक्रियता भाजपा के एक खास गुट के नेताओं को रास नहीं आ रही है।

डिप्टी सीएम की नसीहत बेअसर

कुछ दिनों पहले महापौर विरोधी खेमे के करीब 28 पार्षदों ने अचानक महापौर के खिलाफअचानक लामबंदी कर दी। इन पार्षदों ने पहले विधायक गजेंद्र यादव से कई विषयों को लेकर चर्चा की। इस दौरान कई पार्षदों ने महापौर अलका बाघमार की शिकायत की। सूत्रों का कहना है कि गजेंद्र की सलाह से ही पार्षदों का जत्था कलेक्टर के पास पहुंचा। पेयजल सप्लाई व्यवस्था में बार-बार रुकावट आने के साथ ही शहर के आउटर वार्डों में प्रकाश व्यवस्था ठप होने का मुद्दा कलेक्टर के समक्ष उठाया गया। शहर में विकास कार्य न होने और नगर निगम का कामकाज ठीक न होने का मुद्दा खुद भाजपा पार्षदों ने उठा दिया। यहां से भाजपा पार्षदों के जत्थे ने नगर निगम की व्यवस्था ठीक न होने का संदेश भाजपा कार्यालय में पहुंचाया। बाकायदा जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक से इन सभी मुद्दों पर चर्चा की गई। गुट विशेष के पार्षदों ने संदेश दे दिया कि नगर निगम में कुछ भी अच्छा नहीं हो रहा है। विवादों के साथ अंतरकलह की गर्मी राजधानी तक पहुंचने पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने विधायक गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार को रायपुर बुलाकर समन्वय से काम करने की नसीहत दी। ये नसीहत बेअसर रही।

योजनाबद्ध तरीके से विकास कराया जाएगा

शहर का योजनाबद्ध तरीके से विकास कराया जाएगा। लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। विकास कार्यो की समीक्षा की जा रही है। विकास कार्यों के लिये दुर्ग नगर निगम को शीघ्र फंड मिलेगा। 15 वें वित्त आयोग से राशि मिलने के बाद विकास कार्यों में गति आएगी।

अलका बाघमार,
महापौर, दुर्ग

चार माह में मिले केवल 10 करोड़

महापौर अलका बाघमार के नेतृत्व में पार्षदों ने 1 मार्च को पद की शपथ लेकर पदभार ग्रहण किया था। करीब चार माह बीतने के बाद नगर निगम को विकास कार्यों के लिये सिर्फ10 करोड़ रुपए मिले हैं। यह राशि भी पिछली परिषद के प्रस्तावों के आधार पर जारी की गई है। नई परिषद के प्रस्तावों के आधार पर नगर निगम को अभी तक फंड जारी नहीं किया गया है। महापौर निधि और पार्षद निधि की आधी-आधी राशि ही जारी की गई है। महापौर निधि से कुल 56 लाख रुपए और पार्षद निधि से कुल एक करोड़ 80 लाख रुपए ही नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किये हैं। महापौर निधि और पार्षद निधि के लिये जारी फंड से विकास कार्य कराए जाएंगे।

न्यूज गैलरी

हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और गैंग के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एक बार फिर कर्ज के नाम पर जबरन वसूली करने वाले हिस्ट्रीशीटर रोहित तोमर और उसके साथियों के खिलाफ384, 506, 34 भादवि और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 4 के तहत एक और एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में व्यापारी भोपाल मणि साहू ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। भोपाल मणि साहू, जो मुरुम व गिट्टी सप्लाई का व्यवसाय करता है, ने आरोप लगाया है कि व्यवसाय हेतु पैसे की जरूरत होने पर उसने 14 दिसंबर 2022 को आरोपी रोहित तोमर से 3त्न मासिक ब्याज पर 2 लाख उधार लिए थे। इस दौरान आरोपियों ने उससे कोरे स्टांप पर जबरन हस्ताक्षर कराए और अपने कब्जे में रख लिए। इसके बाद आरोपी रोहित तोमर, दिव्यांश, आकाश, योगेश सिन्हा और अन्य लोगों ने साहू से लगातार व्हाट्सएप कॉल और व्यक्तिगत धमकियों के जरिये जबरन वसूली शुरू कर दी।

संयुक्त किसान मोर्चा दीवाली के बाद छेड़ेगा बस्तर बचाओ अभियान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 साल बीतने के बाद भी प्रदेश में भ्रष्टाचार से प्रदेश का कोई हिस्सा नहीं बचा है। भ्रष्ट अधिकारी एवं भ्रष्ट राजनीतिक नेता प्रदेश को खुलेआम लूट रहे हैं। वर्तमान नेतृत्व भी पूर्व सरकार के नक्शे कदमों पर ही चल रहा है। दीवाली के बाद छग संयुक्त किसान मोर्चा बस्तर बचाओं अभियान शुरू करेगा। इसमें सर्वोच्च प्राथमिकता नक्सलवाद के उन्मूलन की होगी। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में मोर्चा के अध्यक्ष अनिल दुबे, संयोजक इंजीनियर जीपी चंद्राकर, देवेंद्र सोनकर एवं लालराम वर्मा ने संयुक्त रूप से दी।

पार्किंग में खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर/नवप्रदेश। वी.केयर अस्पताल के पार्किंग में खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया रीना ठाकुर 32 वर्ष जगदंबा कालोनी भाठागांव की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 08 जेड 3675 को वी.केयर अस्पताल के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

सोडेक्सो करेगी रायपुर में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग लैब की स्थापना

रायपुर/ नवप्रदेश। गत 09 जुलाई 2025 को एसोसिएशन ऑफ़हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया (एएचपीआई) छत्तीसगढ़ चैप्टर द्वारा राजधानी के अस्पतालों की एक फोकस ग्रुप मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें Sode&o India (शीर्ष फॉर्च्यून 500 कंपनी) की हेल्थकेयर यूनिट ने मेडिकल उपकरणों के जीवन चक्र प्रबंधन के लिए अपने उन्नत अत्याधुनिक हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (HTM) सॉल्यूशंस प्रस्तुत किए। एएचपीआई छत्तीसगढ़ चैप्टर के महासचिव अतुल सिंघानिया ने बताया कि Sode&o एक मल्टीनेशनल फ्रेंच कंपनी है जिसका मुख्यालय पेरिस में है। भारत में Sode&o 20 से अधिक राज्यों और मेट्रो के अस्पतालों सहित बड़े उद्योगों और इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनियों में खान-पान, हाउसकीपिंग आदि का कार्य करती है। अस्पतालों में Sode&o भोजन प्रणाली,लांड्री मैनेजमेंट और बायोमेडिकल उपकरणों के रख रखाव का कार्य भी करती है। छत्तीसगढ़ में अस्पतालों से संबंधित उपकरणों के रखरखाव की समस्या को देखते हुए एएचपीआई छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता के आमंत्रण पर Sode&o India के शीर्ष स्तर के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर आकर सभी अस्पतालों को चिकित्सकीय उपकरणों के रखरखाव के बारे में अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की।

जीवन में सफलता के लिए शिक्षा है मजबूत आधारः सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में विभिन्न विधाओं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों और संस्थाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र सेवा का मार्ग है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और यही किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता का मूल आधार शिक्षा ही है।

राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और बीते वर्षों में राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां पहले प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, आज वहां 15 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान भी राज्य में कार्यरत हैं। गांव-गांव में स्कूल खोले गए हैं, और बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप महाविद्यालयों की स्थापना की गई है।

देश लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर है, और इसी संकल्प को लेकर हम विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में भी तेज़ गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त किया है और भारत पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।

ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू

श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ में शिक्षा अब स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध हो रही है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में अब स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई करवाई जा रही है, और प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी में दी जा रही है।

तरल नैनो डीएपी लेने के लिए मार्कफेड ने बुलाई निविदा

ठोस डीएपी पर निर्भरता में कमी आएगी

- रोपाई बोवाई में नैनों यूरिया और डीएपी का उपयोग कर रहे किसान
- डीएपी खाद का राज्य में संकट

रायपुर/नवप्रदेश। सावन लगते ही इस समय धान की बोवाई रोपाई एवं चलाई का कार्य जोर पकड़ते जा रहा है इसके साथ ही डीएपी खाद की डिमांड बढ़ती जा रही है लेकिन डीएपी की आपूर्ति नहीं होने के कारण अब राज्य सरकार ने वैकल्पिक खाद के रूप में नैनो डीएपी खरीदने का निर्णय लिया गया है।

राज्य में खाद खरीदी के लिए मार्कफेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। मार्कफेड ने 17 लाख मीटरिन टन खाद खरीदी का लक्ष्य है। इसके एवज में 7 लाख टन खाद का वितरण किया गया है। राज्य में इस समय खाद का रेक पहुंच रहा है जिसमें एनपीके यूरिया तथा पोटाश प्रमुख है। अधिकारियों के अनुसार डीएपी में यूरिया तथा पोटाश दोनों होता है इसलिए इसकी डिमांड ज्यादा है। खाद का वितरण सहकारी समिति के माध्यम से किया जा रहा है। रायपुर संभाग के अंतर्गत आने वाले रायपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, गरियाबंद में पांच सौ सहकारी समितियों के माध्यम से इसका वितरण किया जा रहा है। रायपुर कृषि सहकारी बैंक को ढाई लाख टन खाद का आबंटन किया गया है। किसान इस समय डीएपी खाद को लेकर समितियों का चक्कर काट रहे हैं। इधर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे मुख्य मुद्दा बना लिया है ग्रामीण अध्यक्ष उधो प्रसाद वर्मा ने कलेक्टर को इसके लिए ज्ञापन दिया है। कई कांग्रेसजनों ने सहकारी समिति के गोडाउन के सामने धरना दिया है।

प्रेम राजन रौतिया ने पावरलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण पदक, सीएम साय से की मुलाकात

- युवा खिलाड़ियों की उपलब्धि पूरे प्रदेश की प्रेरणा: विष्णुदेव

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एसबीकेएफ इंटरनेशनल गेम्स 2024 में स्वर्ण पदक विजेता पावरलिफ्टर प्रेम राजन रौतिया ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उन्हें इस विशिष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

उल्लेखनीय है कि श्री प्रेम राजन रौतिया महासमुंद जिले के पिथौरा के निवासी हैं। उन्होंने 31 अगस्त से 4 सितंबर 2024 तक नेपाल के पोखरा में आयोजित एसबीकेएफइंटरनेशनल गेम्स में अंडर-30 कैटेगरी में भाग लेते हुए 735 किलोग्राम भार उठाकर शानदार प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और मजबूत उपस्थिति दिलाई है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, खेमराज बाकरे सहित मेहर रविदास समाज के अनेक प्रतिनिधिगण उपस्थित थे, जिन्होंने श्री रौतिया को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रदेश के 10 जिलों के किसानों को मिलेगा फसल बीमा का लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के दस जिलों के किसानों को फसल बीमा का लाभ देने के लिए विधिवत माध्यम से आवेदन मंगाए गए हैं। भारत सरकार के कृषि विभाग एवं सहकारी बैंक के द्वारा किसानों को फसल बीमा का लाभ दिया जाता है। प्रदेश के रायगढ़ कोरबा, छुईखदान, गंडई, खैरागढ़, जशपुर सहित अन्य जिलों में फसल बीमा का लाभ लेने के लिए कृषकों से सहकारी समितियों एवं अन्य माध्यमों से आवेदन 31 जुलाई तक मंगाए गये हैं। सहकारी बैंक के अनुसार किसानों को सिंचित असिंचित तथा रवि के मक्का गेहूं सहित अन्य फसलों का विवरण देना होगा। किसानों को ऋण पुस्तिका जमीन नामांतरण तथा अन्य जानकारियां उपलब्ध कराना होगा।

नक्सल सर्चिंग: जंगल में तीन अलग अलग स्थानों में डंप सामग्री बरामद

- गरियाबंद पुलिस, कोबरा 207 वाहिनी एवं सीआरपीएफकी संयुक्त कार्यवाही

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिला गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है इसी दौरान इंदागांव एरिया के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर दिनांक 10.07.2025 को गरियाबंद पुलिस, कोबरा 207 वाहिनी एवं सीआरपीएफकी संयुक्त टीम द्वारा थाना मैनपुर व थाना जुगाड एरिया में सर्चिंग गस्त हेतु रवाना हुआ था। जो दिनांक 10.07.2025 को थाना मैनपुर व जुगाड़ क्षेत्रातंर्गत जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना प्राप्त हुई थी। जो सुरक्षाबलों द्वारा एरिया सर्चिंग के दौरान जंगल में नक्सलियों के द्वारा तीन अलग-अलग स्थानों में डंप किया हुआ दैनिक उपयोगी के समान एवं राशन सामग्री बरामद किया गया।

गरियाबंद पुलिस का माओवादियों से अपील शासन के आत्मसमर्पण नीति के तहत समाज के मुख्यधारा से जुड़ने के लिए नजदिकी थाना,चौकी,कैम्प एवं दूरभाषा नम्बर 94792-27805 पे संपर्क कर आत्मसमर्पण कर सकते है।

आत्मसमर्पण के बाद सुविधा

सुख, शांति, बिना डर, स्वतंत्रता के साथ जीवन। परिवार के साथ खुशहाल जीवन, स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण की सुविधा, निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, आवास की सुविधा, शासकीय नौकरी का लाभ।

राजनांदगांव में अतिक्रमण हटाओ अभियान

- कलेक्टर और एसपी के निर्देश पर चला बुलडोजर

राजनांदगांव /नवप्रदेश। राजनांदगांव में अतिक्रमण हटाओ अभियान जोरों पर है। कलेक्टर सर्वेश्वर दास भुरे और एसपी मोहित गर्ग के निर्देश पर नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने गुड़ाखू लाइन, जूनिहटरी मानव मंदिर चौक में अतिक्रमण हटाया। राजनांदगांव में कई महीनो सालों एक बार फिर से राजनांदगांव के कलेक्टर पुलिस अधीक्षक एवं नगर निगम कमिश्नर के कुशल मार्गदर्शन में अधिकारियों की कार्य की दक्षता एवं पुलिस जवानों बुटो की आवाज आज शहर के गलियों में बुनाई दी

बुलडोजर की कार्रवाई

नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीम ने गुड़ाखू लाइन में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान दुकानदारों को बाहर रखे गए सामान को हटाने के लिए कहा गया और अतिक्रमण को हटाया गया।

प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। कलेक्टर और एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के कारण कुछ लोगों में खुशी है, जबकि कुछ लोगों में गम है। प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण हटाओ अभियान से शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।

नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस जवानों की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाया गया। प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण करने वालों को नोटिस दिया जाएगा और उन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए कहा जाएगा। अगर वे अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो उनके खिलाफकार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाओ अभियान से शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। प्रशासन का कहना है कि शहर को सुंदर और सुरक्षित बनाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी रहेगा।

शिवालयों में होगा शिव का श्रृंगार

रायपुर/नवप्रदेश। सावन महीना शुरू होते ही अब भागवत कथाओं एवं अन्य धार्मिक पूजन तथा त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। छग के रायपुर सहित अनेक स्थानों में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। आज श्याम खाटू मंदिर में भागवत कथा बृंदावन के तथा व्यास चिनमय दास महाराज के द्वारा भागवत कथा के पहले कलश यात्रा शुरू हुई। यह यात्रा चौबे कालोनी चिंताहरण मंदिर से निकाली गई। मेक कालेज में पं. शंभुशरण लाटा की कथा हुई जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। सावन महीने में इस समय भक्त एक समय का उपवास करते हैं।

राजधानी में इस समय केला, सेव तथा अनापत्ति के भाव आसमान छू रहे हैं। सावन लगते ही इनके भाव बढ़ गये हैं। प्रदेश के भक्त सावन महीने में बैजनाथ धाम जा रहे है वहीं अमरनाथ की यात्रा पर भी बड़ी संख्या में निकले हैं। राजधानी में विभिन्न शिवालयों से कावड़ यात्रा निकलेगी। हठकेश्वर नाथ मंदिर में भी भोलेनाथ की पहला सोमवार से लेकर चौथा सोमवार तक विशेष श्रृंगार किया जाएगा। टिकरापारा नीलकंठेश्वर मंदिर में विशेष पूजन तथा रूद्राभिषेक किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 संपादक-यशवंत धोटे* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, navpradesh@gmail.com